भागसू
Bhagsu
2020-21

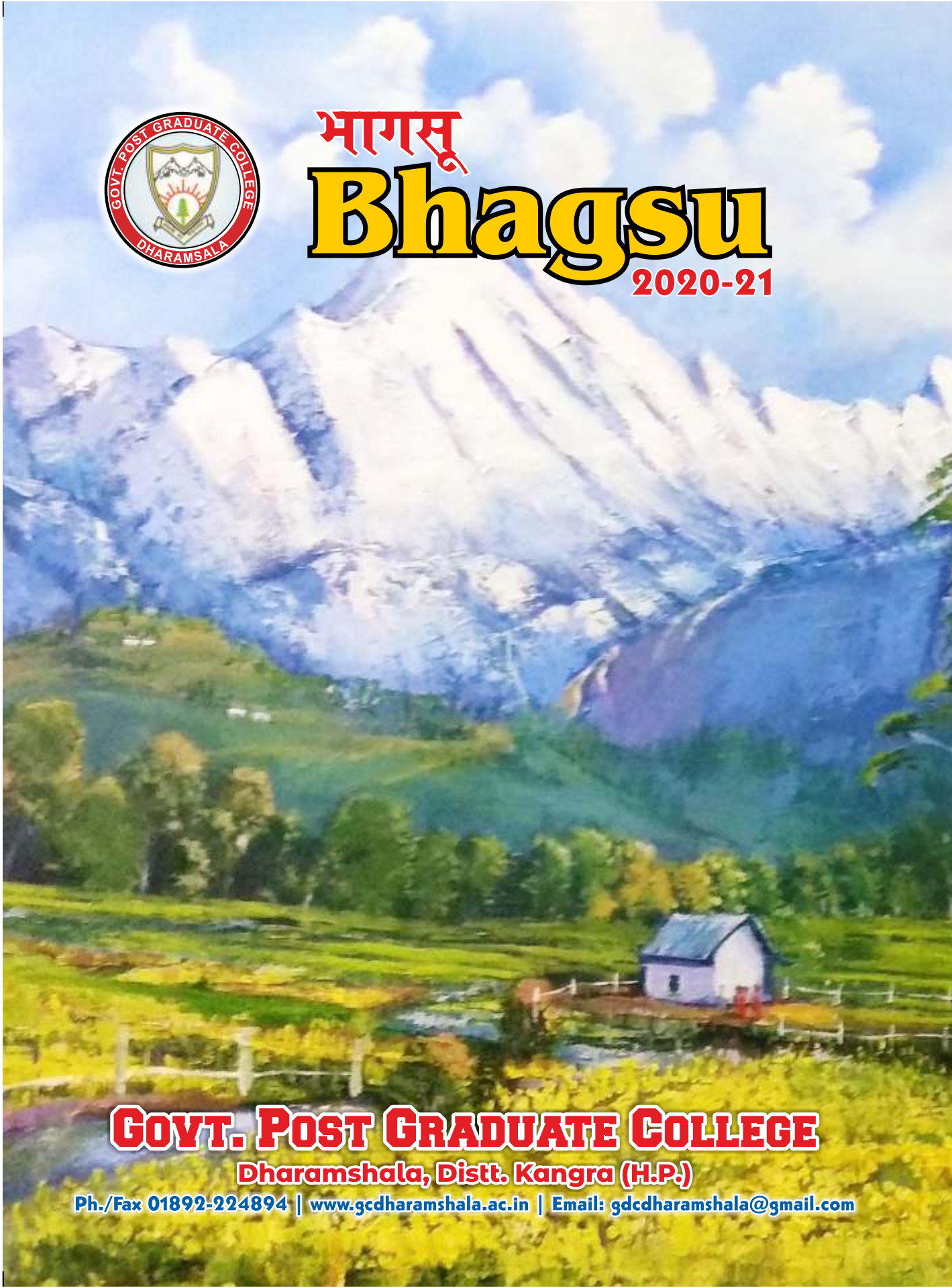

GOVT. POST GRADUATE COLLEGE

Dharamshala, Distt. Kangra (H.P.)

Ph./Fax 01892-224894 | www.gcdharamshala.ac.in | Email: gdcdharamshala@gmail.com

Editorial Board

From Left to Right

Dr. Arti Chandel (English Section), Prof. Pooja Diwan (Pahari Section), Dr. Meenakshi Dutta (Chief Editor), Dr. Rajesh Sharma (Principal), Dr. Malkiat Singh (Hindi Section), Dr. Kailash Chand (Sanskrit), Prof. Govind Singh (Gaddiyali Section), Dr. Sonika (Planning Section)

संदेश

यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला की वार्षिक पत्रिका 'भागसू' अंक 2020–21 प्रकाशित हो रही है। महाविद्यालय पत्रिका विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों की आंतरिक अनुभूतियों की अभिव्यक्ति का मिला–जुला प्रयास होता है। विद्यार्थी जीवन वास्तव में हमारे सम्पूर्ण व्यक्तित्व को विकसित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। अतः विद्यार्थियों में सृजनात्मकता के प्रति रुचि पैदा होना अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

अभिव्यक्ति मनुष्य में जन्मजात प्रवृत्ति है, एक शक्ति भी। मनुष्य को आयु के साथ घर, परिवेश तथा शिक्षा संस्थान में जैसा–जैसा भाषा संस्कार मिलता है, उसकी अभिव्यक्ति उतनी ही सशक्त और सार्थक बनती जाती है। महाविद्यालय की पत्रिका वास्तव में विद्यार्थियों के सहज भावों की अभिव्यक्ति के लिए एक मंच प्रदान करती है। उनकी सृजनात्मक प्रतिभा को उभारने के साथ एक आदर्श चरित्र निर्माण में सहायक भी सिद्ध होती है। मैं इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों से यह कहना चाहता हूं कि वे पुस्तकीय ज्ञान के साथ–साथ अपने जीवन में नैतिक मूल्यों का भी विकास करें तथा प्रकृति और समाज के प्रति सहृदयता को विकसित करें।

आदिकाल से ही संस्कृत भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम रही है। विश्व का प्राचीनतम ग्रन्थ ऋग्वेद इसका उदाहरण है। ऋग्वेद के 10वें मण्डल के 129वें सूक्त का यह मंत्र अभिव्यक्ति का अप्रतिम उदाहरण है। जिसे मैं यहां उद्धृत कर रहा हूँ।

कामस्तदग्रे समवर्तताधि मनसो रेतः प्रथमं यदासीत्।
सतो बन्धुमसति निरबिन्दन्हव्दि प्रतीष्या कदयो मनीषा।

इस वैदिक मंत्र को स्मरण करते हुए मैं आशा करता हूं कि अभिव्यक्ति का साधन यह पत्रिका प्रबुद्धजनों, विद्यार्थियों के लिए उपयोगी साबित होगी।

इस अवसर पर मैं सभी विद्यार्थियों, प्राध्यापक वर्ग और संपादक मंडल को बधाई देता हूं जिनके अथक प्रयासों से यह कार्य सफल हुआ।

– डॉ0 राजेश कुमार
प्राचार्य, राजकीय महाविद्यालय
धर्मशाला

संपादकीय

वर्ष 2020–21 का आरम्भ बड़े हर्षोल्लास से मनाया था सभी ने । नयी उमंग, नया उल्लास था सर्वत्र नव वर्ष के साथ। परन्तु अचानक मार्च महीने के अन्तिम चरण में विश्व व्याप्त कोरोना महामारी की विभीषिका ने सभी को चकित व भयभीत कर दिया। महामारी का वायरस देखते–देखते विश्व के हर कोने में व्याप्त होता भारत में भी फैल गया। कहने को तो यह शब्द आसानी से कहा जाने लगा, गंभीर चर्चा का विषय भी बना। परन्तु काल रूपी विभीषिका ने खून और दूध के रिश्तों को भी देखना, छूना वर्जित कर दिया। अत्यंत आतंकित था इसका दुष्प्रभाव जो टी.वी. आदि संचार माध्यमों से देखने को मिलता रहा। पीड़ित माता–पिता को पहचानने, स्पर्श करने से अपनी ही संतान डरने लगी और सम्बन्धी अपरिचित होते गए। लगभग दो वर्ष तक चर्चा में रही यह प्राकृतिक आपदा। परिणामतः स्कूल, कालेज और विश्वविद्यालय एक लम्बे अन्तराल के लिए बंद हो गए। कालान्तर पाठ्यक्रमों का सिलसिला आनलाईन पद्धति पर चलने लगा। वर्चुअल शिक्षा पद्धति का विकास इस आपातकाल की ही देन कही जा सकती है।

सौभाग्य से वर्ष 2021 में यह आतंक घटने लगा। स्कूल, कॉलेज के मार्ग फिर चहकने लगे। महाविद्यालय के प्रांगण फिर जीवंत हुए। प्राकृतिक प्रकोप से आई इस जीवन पद्धति में बदलाव को विद्यार्थियों, प्राध्यापकों और माता–पिता ने किस दृष्टिकोण से देखा, सुना, सहा ये सारे अनुभव कम–अधिक शब्दों में महाविद्यालय की पत्रिका का हिस्सा बनना जरूरी थे।

'भागसू' पत्रिका की निरंतरता बनी रहे अतः महाविद्यालय के प्राचार्य और प्राध्यापक वर्ग का यह सुझाव रहा कि पत्रिका का क्रम बना रहना चाहिए। अतः यह प्रस्ताव सभी ने स्वीकारा। विद्यार्थियों ने पत्रिका के प्रति अपनी निष्ठा, श्रद्धा दिखाई और अनुभाग प्राध्यापक संपादकों ने अपना दायित्व निभाया जिसके लिए वे धन्यवाद के पात्र हैं।

अभिव्यक्ति समयानुकूल होती है, होनी भी चाहिए, तभी उसकी सार्थकता होती है। मुझे प्रस्तुत अंक को इसी विविधता के साथ पाठकों , विद्यार्थियों तक पहुँचते देखकर प्रसन्नता हो रही है। इस महाविद्यालय के प्राचार्य जो इस सारे उपक्रम के प्रेरक व संरक्षक हैं उनका भी आभार व्यक्त करती हूँ। इस श्रमसाध्य कार्य में जिन प्राध्यापकों व विद्यार्थियों का सहयोग रहा वे सब बधाई व धन्यवाद के पात्र हैं।

'कोरोना वायरस' से हम अपना और दूसरों का बचाव करते अपने कार्य पथ पर अग्रसर रहें, इसके लिए इसके बचाव की सावधानियों का पालन अवश्य करें। अंत में अपने विद्यार्थी पाठकों से इतना ही कहना चाहती हूँ कि जीवन में कोई भी कार्य न जटिल होता है न सरल। हमारी सोच ही उसे कठिन और सहज बनाती है।

– डॉ0 मीनाक्षी दत्ता
मुख्य संपादक

1 HP (GIRLS) BN NCC SOLAN

Our Achievers OTA 2020

अभिलाषा भरमौरी ओटीए चेन्नई के लिए सिलेक्ट

एनसीसी कैडेट ऑफिसर ट्रेनिंग एकेडमी में लेंगी ट्रेनिंग

In December 2020, Ex Senior Under Officer of 1 HP (G) BN NCC Solan, Abhilasha Bharmori was felicitated by the Group Commander for her selection in the Officer's Training Academy.

Individual Achievements

1 HP(G) BN NCC SOLAN

S.U.O. Srishti Verma :

- Attended IGC at Ropar in November 2020.
- Represented Shimla Group at Directorate level.
- Attended CATC at Rainbow School, Nagrota Bagwan in Feb. 2021
- Attended 'Ek Bhatar Shreshth Bharat' in July 2021
- Attended CATC-211 (Pre RDC) at Chitkara University, Baddi in September 2021
- Attended CATC-213 (Pre-RDC) at Chikara University Baddi in September 2021
- Attended CATC at Govt. Boys School Dharamshala in November 2021.

Cdt. Suniti :

- Attended 'Ek Bharat Shreshth Bharat' in October 2020
- Third position in Debate in EBSB.
- Attended CATC at Nagrota Bagwan in February 2021
- Attended CATC at Govt. Boys School Dharamshala in November 2021

EBSB Camp (Phase-8)

Certificate of Participation

This is to certify that

Srishti Verma506

participated in the course

Orissa & PHHPC EBSB 2021

cadet_expa_india
thecadetprogram
expocadetprogrl
EXPA CADET Program
www.cadetprogram.org

PRESIDENT
EXPA CADET PROGRAM

The EK Bharat Shreshth Bharat Camp (Phase-8) was conducted from 17 July 2021 to 27 July 2021 in which Cdt. Srishti Verma of Government Post Graduate College Dharamshala took part in Cultural activities.

Exercise NCC Yogdaan

From 9th April to 3rd May under exercise NCC Yogdaan, 50 Cadets of 1 HP (G) BN NCC Solan participated

Certificates were awarded to the Cadets for their participation in Exercise NCC Yogdaan by D.C. Kangra and the Commanding Officer of 5 HP (I) COY Dharamshala

Independence Day

Independence day celebration was held at Police Ground, Dharamshala in which 25 Girl Cadets participated.

Enrollment of 1 HP (G) BN NCC Solan in Sept. 2020

Awareness Rally on COVID-19

On 21st Nov., 2020 an awareness rally on COVID-19 was organized. In which 90 cadets of 1 HP (G) BN NCC SOLAN participated.

Rank Ceremony of Senior Under Officer Aditi Thakur of 1 HP (G) BN NCC Solan

Visit of Group Commander

The Group Commander of NCC Shimla group visited the college and was given a warm welcome by the Principal, A.N.O.'s and the cadets.

Celebration of NCC Day

On 22nd Nov. cadets of GPGC Dharamshala actively participated in the celebration of NCC day in the presence of Chief Guest Commanding Officer DKS Chauhan. The cadets of 1 HP (G) BN NCC Solan performed various cultural activities.

Blood Donation Camp
(24 November 2020)

On 20th November 2020, a presentation on Drug Abuse and Women Safety was made by Col. DKS Chauhan C.O., 5 HP (I) COY Dharamshala

REPUBLIC DAY CELEBRATION

Republic Day celebrations were held at Police Ground, Dharamshala in which 25 NCC (Girl) Cadets participated.

Street Play at Yol Cantt.

The cadets were felicitated by the Chief Guest for their performance.

The NCC (Girl) cadets performed a street play at Yol Cantt

Retirement Ceremony

Retirement Ceremony of Commanding Officer of 5 HP (I) COY Dharamshala Col. DKS Chauhan was held in January, 2021.

CATC - At Rainbow School, Nagrota Bagwan

CATC-2021 was held at Rainbow School Nagrota Bagwan from 15th Feb. to 19th Feb 2021. The camp was attended by 64 NCC (Girl) Cadets.

5HP (I) COY NCC DHARAMSHALA

Our Achievers (OTA 2020-21)

SUO LUCKY CHAUHAN, SUO ABHINAV PATHANIA, SUO DIGVIJAY

Blood Donation Camp
(24 November 2020)

Blood Donation Camp was organised in the Campus of GPGC Dharamshala, in which NCC Cadets with the officials donated blood. 32 Units of blood was donated

NCC Yogdan Covid-19
(9th April - 3rd May, 2020)

Under Ex-NCC YOGDAN, 36 Cadets of 5 HP (I) COY NCC Dharamshala were deployed with police personnel in different parts of the district Kangra.

Aatma Nirbhar Awareness Campaign
(1st - 15th August 2020)

4 August 2020, NCC Cadets took oath to use only Made in India products. They signed certificates about Be Vocal about Local and posted it on various social networking sites encouraging other people to use only Made in India products.

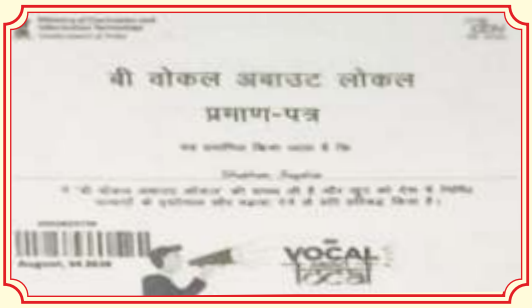

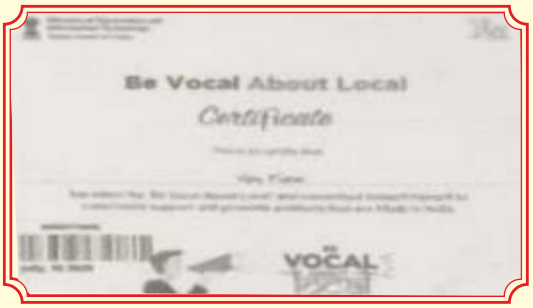

Independence Day in Police Ground
(15 August 2020)

Cleanliness Drive

NCC Day Celebration
(22 November 2020)

NCC Day was celebrated in the college under the command of OC 5 HP (I) COY Col. DKS Chauhan.

Plantation Drive

BEE Certificate Exam
(14 March 2021)

Kargil Diwas

College in News

सेना में अफसर बन कांगड़ा के युवाओं ने चमकाया नाम

सेना में अफसर बन कांगड़ा के युवाओं ने

चमकाया नाम

दिव्य हिमाचल

एनसीसी डिवस पर कालेज के सभागार में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की लगी झड़ी

धर्मशाला-नेशनल कैडिट कोपर्स और एनसीसी डिवस के उपलक्ष्य में वीरभूमि हिमाचल प्रदेश के वीर सपूतों के लिए चाने गाने जिला कांगड़ा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

NCC Yogdan Covid-19
(9th April - 3rd May, 2020)

Under Ex NCC YOGDAN, various cadets were deployed in all over the country for maintaining social distancing and encouraging public to wear masks. 36 Cadets of 5 HP (I) COY NCC DHARAMSHALA were deployed with Police personnel in different parts of the district Kangra. Duty time was from 8.00 am to 11.00 am. Cadets used to sent their attendance in the form of photograph in the official group in working hours. The PI staff was timely available for inspection, attendance and for providing refreshments. Masks, sanitisers and gloves were provided to the Cadets by the Police. Deployment was from 9 April to 3 May. Cadets were rewarded with Rs. 4700 each and certificates signed by DC Kangra and OC of our unit were rewarded to the cadets for their selfless services.

देशभर में कोरोना से निपटेंगे एनसीसी कैडेट

ROVERS & RANGERS ACTIVITIES 2020-21

Rovers & Rangers with Principal Dr. Rajesh Sharma, Prof. Dr.Meenakshi Dutta, Prof. Reeta Devi and Prof. Kailash Chand

Celebrated the World Thinking Day
(22-02-2021)

NSS - (2020-21)

Motto : "Cultivating Spirit of Selfless Service"

"Not Me But You"

President Awardee Lalit Kumar Dogra at the National Awards ceremony in Delhi with Minister of Youth Affairs & Sports Sh. Anurag Thakur

Pride of the institution Lalit Kumar Dogra (NSS Volunteer) honoured with President's Medal for significant contribution in social services.

NSS - (2020-21)

NSS Volunteer Preeti attended Pre-Public Day Camp at Chitkara University.

Samvedna Camp (Blood Mega Donation Camp) on 23rd March 2021 in College Auditorium

Rejuvenating Water Resources (Bawdi) at adopted village Khaniyara with NSS P.O. Dr. Malkiat Singh

NSS volunteer during cleanliness drive at Khaniyara

Plantation drive at adopted village Khaniyara by Hon'ble MLA Sh. Vishal Nehria NSS P.O. Dr. Malkiat Singh and Prof. Salil Sagar

Plantation drive at college by NSS volunteer with the Principal Dr. Rajesh Sharma

Rally from Gandhi Park to War Memorial on 15th Aug. 2021 with hon'ble MLA Sh. Vishal Nehria

Plantation drive by NSS volunteer

NSS Volunteer
Sakshi Dhiman making masks during Covid-19 pandemic.

NSS Nodal Officer
Distt. Kangra
Dr. Malkiat Singh donating blood during covid-19 pandemic.

NSS Volunteer
Shivansh Walia donating blood

NSS Volunteers distributing food to Covid patients during Covid-19 pandemic.

BHAGSU

2020-21

PATRON
Dr. Rajesh Sharma
Principal

CHIEF EDITOR
Dr. Meenakshi Dutta

EDITORIAL TEAM

1. Dr. Arti Chandel ..... English
2. Dr. Malkiat Singh ..... Hindi
3. Dr. Anjana Kharwal ..... Science
4. Prof. Pooja Diwan ..... Pahari
5. Prof. Govind Singh ..... Gaddiali
6. Dr. Kailash Chand ..... Sanskrit
7. Prof. Sonika .....Planning Forum

Title Photography by Prof. Sharmila Sharma

DISCLAIMER

Opinions expressed in articles are entirely those of the contributors. Editorial Team does not take any responsibility for the contents.

Form IV
(See Rule 8)

Place of Publication	:	Dharamshala (H.P.)
Periodicity of Publication	:	Annual Magazine
Printer's and Publisher's Name	:	Principal, Govt. Degree College, Dharamshala (H.P.)
Nationality	:	Indian
Address	:	Govt. Degree College, Dharamshala (H.P.)
Editor's Name	:	Dr. Meenakshi Dutta
Nationality	:	Indian
Address	:	Govt. Degree College, Dharamshala (H.P.)
Name & Address of Individuals who own the newspaper and partners or shareholders holding more than one percent of the total capital.	:	Govt. Degree College, Dharamshala (H.P.)

I, Dr. Meenakshi Dutta hereby declare that the particulars given above are true to the best of my knowledge and belief.

Sd/-
Dr. Meenakshi Dutta
Govt. Degree College
Dharamshala (H.P.)

Printed at : Imperial Printing Press, K.B. Dharamshala | Ph. : 01892-222390

भागसू

हिन्दी अनुभाग

सत्र : 2020-21

प्राध्यापक सम्पादक :
डॉ० मलकीयत सिंह
सह आचार्य, हिन्दी विभाग

छात्र सम्पादक :
जीवन कुमार
बी०ए० तृतीय वर्ष

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विषय	लेखक का नाम	पृ.सं.
1.	संपादकीय	जीवन कुमार	1
2.	शहीद सैनिक	तनु	2
3.	एकता	पारुल पठानियॉ	2
4.	गुरु	रोहन	2
5.	मातृभूमि प्रेम	शुभम कुमार	3
6.	माँ	मोनिका राना	3
7.	भोजन की बर्बादी	अदिति	3
8.	बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ	नमिता सिंह	4
9.	जिंदगी	कुलदीप कुमार	5
10.	वक्त	दीपिका भट्ट	5
11.	सुन्दर रूप इस धरा का	सुमन शर्मा	5
12.	दोस्ती	शाइना	5
13.	हिन्दी भाषा का महत्त्व	बन्दना	6
14.	जीवन क्या है	तेनजिंग लामो	7
15.	जीवन बदलाव की कहानी	अंजली	8
16.	वो थे पापा	राकेश कुमार	9
17.	चुटकुले	नितिन जरयाल	9
18.	कोरोना से बचाव	दामिनी शर्मा	10
19.	एक राष्ट्र, एक भाषा	विशाली	10
20.	यही है मेरा हिमाचल	ईशिका	11
21.	संकल्प	रिद्धि गुलेरिया	11
22.	विज्ञान	तन्नू गौतम	12
23.	पिता और बेटी का रिश्ता	आशिमा कपूर	13
24.	प्रकृति का संदेश	आंचल	13
25.	पेड़ों का महत्त्व	विजय ठाकुर	13
26.	कहानी बिगड़े स्टुडैंट की	विशाल कुमार	14
27.	मनुष्य	अभय	14
28.	मेरा परिवार	अकांक्षा	14

संपादकीय

पुस्तकें मनुष्य की सबसे अच्छी मित्र होती हैं।

यह मेरे लिए बहुत ही हर्ष का विषय है कि मुझे राजकीय महाविद्यालय धर्मशाला की वार्षिक पत्रिका 'भागसू' के सत्र 2020–21 के लिए हिन्दी अनुभाग में छात्र संपादक के रूप में प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला। इसके लिए मैं प्राचार्य महोदय, प्राध्यापक संपादक, समस्त हिन्दी वर्ग एवं अन्य शिक्षक वर्ग एवं छात्र साथियों का धन्यवाद करता हूँ।

हिन्दी अनुभाग के लिए रचनाओं का संग्रह करते समय मुझे यह बात जानने का मौका मिला कि कॉलेज पत्रिका सिर्फ रचनाओं का संग्रह मात्र नहीं होता बल्कि छात्रों द्वारा हर पहलू में की गई कड़ी मेहनत का परिणाम होता है। इससे छात्रों की छिपी हुई प्रतिभा सामने आती है और हम उनकी रचनात्मकता को नया आयाम देकर चित्रित कर सकते हैं।

हिन्दी हमारी राष्ट्रभाषा राजभाषा एवं मातृभाषा के रूप में जानी–पहचानी जाती है। हिन्दी हमारे राष्ट्र का गौरव है। वर्तमान में विदेशी भाषाओं के प्रति समाज के झुकाव के कारण मुझे बहुत बुरा महसूस होता था। परन्तु रचनाओं के संकलन करते समय हिन्दी के प्रति छात्रवर्ग के प्यार को देखकर मुझे बहुत अच्छा व गौरवान्वित महसूस हुआ। आज भी छात्र हिन्दी के लिए सम्मान जाहिर करते हैं और इसके महत्व को समझते हैं।

इस पत्रिका में हिन्दी अनुभाग का अध्ययन करने का अनुभव बहुत अच्छा रहने की उम्मीद है। इस अनुभाग का प्रत्येक भाग रोचकता से भरा हुआ है। इसमें नवीनता का गुण सर्वत्र विद्यमान है। इसकी रचनाएं आपका मनोरंजन करने के साथ–साथ आपका मार्गदर्शन भी करेगीं।

आशा है कि पाठक वर्ग पाठन करते समय आनंद का अनुभव करेंगे। इससे उनके नैतिकता के गुण उजागर होंगे। उम्मीद रहेगी कि आप हिन्दी अनुभाग को मन लगाकर पढ़ेंगे और हिन्दी के प्रति अपना प्रेम इसी तरह बरकरार रखेंगे।

हिन्दी मेरी आशा है, हिन्दी मेरी भाषा है।
हिन्दी का उत्थान करना, यही मेरी जिज्ञासा है।।

– जीवन कुमार
छात्र संपादक
बी.ए. तृतीय वर्ष
(हिन्दी मेजर)

शहीद सैनिक

हम चैन की साँस लेते हैं,
बिना डर के सोते हैं
न रात की चिंता न दिन की खोज
बस अपने में रहते हैं
गोलियाँ जब सरहद पर चलती हैं
पहली गोली वह खाते हैं
देश के लिए शहीद वह हो
बिना मां की लोरी के
धरती की गोद में सो जाते हैं
बाप के कंधे के बिन
वो कंधों पर जाते हैं।
माँ की कोख से जन्मे
धरती को ही अपनी माँ कहते हैं
सात जन्मों का वादा कर
बीच मझधार में वो छोड़ देते हैं
अगले जन्म मिलेंगे ऐसा वो बोलते हैं
लेकिन किसने देखा है कल
ये तो ख्यालों में ही अपनी जिन्दगी जी जाते हैं
जब भी एक सैनिक शहीद होता है
तो पीछे अपने पूरा परिवार छोड़ जाता है
आज सब रोते हैं
कल फिर क्यों उन्हें भूल जाते हैं।

– तनु
बी.ए. तृतीय वर्ष
(हिन्दी मेजर)

एकता

अनेकता में एकता की मिसाल है बनना हमें
साथ में लेकर सभी का हाथ चलना है हमें।
चाहते हो प्रगति हो देश की इस जगत में
तो सभी को लेकर अपने साथ चलना है हमें।
आओ बन जाओ मिसाल, फहराओ विश्व में ध्वजा
एक सूत्र में पिरोकर सभी को चलना है हमें।
जाओगे जब इस जहां से, याद रखेंगे सभी
कीर्ति अपनी अमिट इस विश्व में रखना हमें।
बोल मिश्री मे घुले हों, साज और सुर भी मिले हों
फूल से ये दिल खिले हों, जतन यह करना हमें।
अखंडता बनी रहे यह, तभी ध्वजा तनी रहे यह
खंडित न होवे एकता कार्य यही करना हमें।

– पारुल पठानियॉ
बी.एस.सी. तृतीय वर्ष

गुरु

गुरु के बिना ज्ञान नहीं
ज्ञान के बिना कोई महान नहीं
भटक जाता है जब इंसान
तब गुरु ही देता ज्ञान।
ईश्वर के बाद अगर कोई है, तो वो गुरु है
दुनिया से वाकिफ जो करवाता है, वो गुरु है
हमें अच्छा इंसान जो बनाता है, वो गुरु है
बिना गुरु के जिंदगी आसान नहीं
हमारी कमियों को जो बताता है, वह गुरु है।
हमें इंसानियत जो सिखाता है, वो गुरु है।
हमें जो हीरे की तरह तराश दे, वो गुरु है।
हमारे अंदर एक विश्वास जगा दे, वो गुरु है।

– रोहन
बी0ए0 द्वितीय वर्ष

मातृभूमि प्रेम

इस मिट्टी से मैं पैदा हुआ,
इस मिट्टी में खेलकर मैं बड़ा हुआ।
इस मिट्टी से ही है मेरी पहचान,
क्योंकि मैं हूँ इस मिट्टी की संतान।।
न जाने कितने आए, कितने चले गए,
इस मातृभूमि के प्यार से रह गए अनजान।
कुछ को यह मातृभूमि समझ नहीं आई,
कुछ को यह मातृभूमि छोड़ नही पाई।।
घर से दूर रहने को था मैं मज़बूर,
क्योंकि मातृभूमि की रक्षा करना ही था मेरा नूर।
फिर क्या मैं अपनी दास्तां खुद सुनाऊं, क्या बतलाऊं,
अब मैं तुम्हें यारो क्या दिखाऊं,
मैं मिल जाता हूँ कभी शमशान में, तो कभी कब्रिस्तान में,
क्योंकि मैं हूं इस मातृभूमि का एक शहीद वीर जवान।।

– शुभम कुमार

माँ

घुटनों से रेंगते–रेंगते
कब पैरों पर खड़ा हुआ,
तेरी ममता की छाँव में,
जाने कब बड़ा हुआ ...
काला टीका दूध मलाई,
आज भी सब कुछ वैसा है,
मैं ही मैं हूँ हर जगह
माँ प्यार ये तेरा कैसा है ?
सीधा–साधा भोला–भाला,
मैं ही सबसे अच्छा हूँ,
कितना भी हो जाऊँ बड़ा,
"माँ" मैं आज भी तेरा बच्चा हूँ।

– मोनिका राना
बी0ए0 द्वितीय वर्ष

भोजन की बर्बादी

भोजन की बर्बादी हम क्यों करते हैं,
खुद से ही धोखा हम क्यों करते हैं।
रोको इस बर्बादी को खुशी–खुशी जीवन जीते हैं
आओ हम सब गरीबों की मदद करते हैं।
पड़ा है भोजन यूं ही बर्बाद हो रहा है,
देखो, अन्न देवता तुमसे रुष्ट हो रहा है।
क्यों सोच–विचार तुम न करते हो,
भोजन की परवाह क्यों न तुम करते हो।
समारोह में तुम भोजन इतना क्यों परोसते हो,
क्यों भोजन तुम बर्बाद यूं ही करते हो।
भोजन की बर्बादी अब रोको तुम,
गरीब और भूखों पर दया करो तुम।।

– अदिति
बी0ए0 प्रथम वर्ष

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ

एक तरफ सागर की गहराई से गहरी है बेटी, वहीं दूसरी तरफ
पर्वत की ऊँचाई से भी ऊँची है बेटी, क्योंकि
ओस की बूँद–सी होती है बेटियाँ
पिता की पगड़ी की शान सी होती हैं बेटियाँ
माता की गोद की शान–सी होती हैं बेटियाँ,
कोई कुछ भी कहे पर सबसे उत्तम सी होती हैं बेटियाँ, क्योंकि
माँ बनकर उसने मुझे हँसाया
बहन बनकर उसने प्यार जताया
और एक बेटी बनकर उसने सारे गमों को सुलझाया

..... जरा सोचो कि इस बेटी ने आपके लिए कितना कुछ किया और बदले में आपने इस बेटी के लिए क्या किया ? कन्या भ्रूण हत्या करने लगे। अगर आपको कन्या हत्या ही करनी होती है तो नवरात्रों में दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती नामक कन्याओं को पूजने का दिखावा ही क्यों करते हैं। ये बेटियाँ हमारे घरों में कई रूपों में होती हैं जैसे हमारी

– बहन के रूप में
– किसी की बहू के रूप में
– और सबसे पहले किसी की माँ के रूप में।

और इस माँ से हम इतना प्यार कर कहते हैं और जिस धरती में हम रहते हैं, माँ हमारी माँ होने से पहले किसी घर की बेटी और कन्या है। और इसी कन्या का हम भ्रूण हत्या करते हैं अर्थात हम अपनी माँ से प्यार करने का झूठा दिखावा करते हैं।

बेटे इसलिए चाहिए क्योंकि वह वंश चलाते हैं। पर मूर्ख लोग यह क्यों नहीं समझते कि 'बेटे वंश है तो बेटी अंश है।'

परंतु यह बात यह मूर्ख लोग नहीं समझ पाएंगे। इसलिए हम सब लड़कियों को लड़ना होगा और समाज को एक नई सोच की ओर ले जाना होगा।

कभी बेटी कभी बहू, कभी माँ है नारी,
नारी के बिना न सृष्टि सारी।

– नमिता सिंह
बी0कॉम0 द्वितीय वर्ष

जिंदगी

कल एक झलक जिंदगी को देखा,
वो राहों पे मेरी गुनगुना रही थी,
फिर ढूँढा उसे इधर–उधर,
वो आँख मिचौली कर मुस्कुरा रही थी,
एक अरसे के बाद आया मुझे करार,
वो सहला के मुझे सुला रही थी।
हम दोनों क्यूं खफा है एक दूसरे से
मैं उसे और, वो मुझे समझा रही थी
मैंने पूछ लिया–क्यों इतना दर्द दिया कमबख्त तूने,
वो हंसी और बोली – मैं जिंदगी हूँ पगले
तुझे जीना सिखा रही थी।

– कुलदीप कुमार
बी0ए0 तृतीय वर्ष

वक्त!!

वो तो आता ही है, चले जाने को,
देखते ही देखते जिंदगियां बदल जाने को;
कभी भागे, कभी रुक जाए, हमें बहलाने को,
चाल उसकी नहीं आती, समझ हम जमाने को;
कभी फिसला दें, कभी करें इशारा, संभल जाने को,
नासमझों को लाचार करें, उसके कदमों में झुक जाने को;
ये वक्त बड़ा बहुरूपिया
हमें पल पल नाच नचाए
अपनी अहमियत समझाने को।

– दीपिका भट्ट
बी.ए. तृतीय वर्ष

सुन्दर रूप इस धरा का

सुन्दर रूप इस धरा का,
आँचल जिसका नीला आकाश।
पर्वत जिसका ऊँचा मस्तक,
उस पर चाँद सूरज की बिंदियों का ताज
नदियों–झरनों से छलकता यौवन
सतरंगी पुष्प–लताओं ने किया श्रृंगार
खेत–खलिहानों में लहलहाती फसलें
बिखराती मंद–मंद मुस्कान,
हां, यही तो हैं ....
इस प्रकृति का स्वछंद स्वरूप
प्रफुल्लित जीवन का निश्छल सार।

– सुमन शर्मा
बी0ए0 तृतीय वर्ष

दोस्ती

कहते हैं कि दोस्ती का रिश्ता
बड़ा ही खूबसूरत होता है।
अगर दोस्ती ही बेवफा जो जाये
तो यही रिश्ता बदसूरत होता है।
दो दोस्त अगर बिछड़ जायें
तो यही रिश्ता सबसे वीरान है।
दोस्ती दो दिलों को जोड़ती है
वो बड़े दुख का असर तोड़ती है।
अकेले में दोस्त ही काम आता है
खुशी में भी दोस्ती का जाम आता है
दोस्त को कभी न खोना तुम
हमेशा दोस्त को दिल में बसाना।

– शाईना
बी0ए0 प्रथम वर्ष

हिन्दी भाषा का महत्व

विश्व की प्राचीन और सरल भाषाओं की सूची में हिन्दी को अग्रिम स्थान मिला है, हिन्दी भारत की मूल है। यह भाषा, हमारी संस्कृति और संस्कारों की पहचान है। हिन्दी भाषा हमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान और गौरव प्रदान करवाती है। विश्व की सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा में हिन्दी का स्थान दूसरा आता है।

भारत देश में यह भाषा सबसे ज्यादा बोली जाती है इसलिए हिन्दी भाषा को 14 सितम्बर 1949 के दिन आधिकारिक रूप में राजभाषा का दर्जा दिया गया। भारत ही एक ऐसा देश है, जिसकी राष्ट्रभाषा एक ही है। जो यह साबित करता है है कि भारत देश में हिन्दी का कितना महत्व है।

हिन्दी भाषा का जन्म लगभग एक हजार वर्ष पहले हुआ था। ऐसा माना जाता है कि हिन्दी का जन्म देवभाषा संस्कृत की कोख से हुआ है।

संस्कृत, पाली, प्राकृत, अपभ्रंश, अवध, हिन्दी यह हिन्दी भाषा का विकास क्रम है। हिन्दी एक भावात्मक भाषा है जो लोगों के दिल को आसानी से छू लेती है। हिन्दी भाषा देश की एकता का सूत्र है।

एक स्वतंत्र देश की खुद की एक भाषा होती है जो उस देश का मान–सम्मान और गौरव होती है। भाषा और संस्कृति ही उस देश की असली पहचान होती है। विश्व में कई सारी भाषाएं बोली जाती हैं, जिसमें हिन्दी भाषा का विशेष महत्व है। यह भाषा भारत में सबसे अधिक बोली जाती है और विश्व में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषाओं में दूसरा स्थान है।

यह एक ऐसी भाषा है, जो सभी धर्मों के लोगों को जोड़े रखने का काम करती है। यह सिर्फ एक भाषा का काम ही नहीं करती बल्कि यह एक देश की संस्कृति, वेशभूषा रहन–सहन पहचान आदि है।

हिन्दी भाषा के प्रति हमारा सभी का यह कर्त्तव्य है कि हमें हिन्दी के विस्तार के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। हमें सभी को यह समझना चाहिए कि हिन्दी का प्रयोग करना हीनता का प्रतीक नहीं बल्कि यह हमारा गौरव है।

– बन्दना
बी0ए0 तृतीय वर्ष

जीवन क्या है ?

मुख से कभी न आह करे जो, वह जीवन है। जीए स्वयं, जीना सिखलाए, वह जीवन है। जीवन, हमारे जन्म से मृत्यु के बीच की कालावधि ही जीवन कहलाती है, जो कि हमें ईश्वर द्वारा दिया गया एक वरदान है।

तूफान के बीच मचलते,
पल के लिए न प्रण से टलते,
एकाकी कुटिया में जलते,
मिट्टी के नन्हें दीपक से मैंने पूछा –
सखे! तनिक मुझको बतलाओ, जीवन क्या है
बोला, जो तिल–तिल जल जाए,
पर स्वध्येय पर आंच न आए,
परहित में निज प्राण लुटाए,
जो न मौत से डरना जाने, वह जीवन है
संघर्षों से हार न माने, वह जीवन है।
भर उमंग से पागल–सा बन,
दीपशिखा से कर आलिंगन,
अर्पित करने को निज तन–मन,
भगे जा रहे मत शलभ से मैंने पूछा –
ठहरो दो क्षण मीत! बताओ वह जीवन है।
बोला, जो मन में बस जाए,
नेह न उससे घटने पाए,
प्रतिपल गीत प्रीत के गाए,
चढ़े प्यार के बलिवेदी पर, वह जीवन है।
प्रिय पर सब कुछ करे न्यौछावर वह जीवन है।
द्वार–द्वार पर अलख जगाते,
मधुऋतु का संदेश सुनाते,
सुरभित सुमनों पर मंडराते,
झूम–2 कर मस्ती में सरवर पर गाते,
रसिक भ्रमर से मैंने पूछा – वह जीवन है।
बोला, जो दुःख को दुलराए,
कांटो से तन को बिंधवाए,
अवरोधों में प्रीत निभाए,
प्रिय की हरदम चाह करे जो, वह जीवन है।
मुख से कभी न आह करे जो, वह जीवन है।
निज आलोख बिछा जल–थल में,
मीढ मनाते तारक दल में,
दूर चमकते नभ–मण्डल में,
पूनम के मनहर चंदा से मैंने पूछा –
बन्धु! तनिक मुझको बतलाओ, जीवन क्या है ?
बोला, उन्नत भाल किए जो,
उर में सौ–सौ घाव लिए जो,
विष–अमृत सुख मान पिए जो,
जीए स्वयं, जीना सिखलाए, वह जीवन है।
निज प्रकाश जग में फैलाए, वह जीवन है।
नभ में उमड़–घुमड़ घहराते,
विद्युत के संग रास रचाते,
तप्त धरा की तपन मिटाते,
जल बरसाते, नवजीवन दायक जलधर से,
पूछा, प्यारे जलद! बताओ जीवन क्या है ?
बोला, जो कुछ कर दिखला दे,
हर्षित हो, तो फूल खिला दे,
रूठ जाए तो प्रलय मचा दे,
भग्न उरों में साहस भर दे, वह जीवन है।
जर्जर को अनुप्राणित कर दे, वह जीवन है।

अतः अंत में मैं यह कहना चाहती हूँ कि जीवन एक ऐसा वरदान है जिसे परमात्मा ने हमें Test करने के लिए दिया है, मतलब हमारा Testing time होता है। इस प्रकार अपने धर्म में रहते हुए अर्थ और काम से आगे बढ़कर मोक्ष प्राप्त करना, शून्य में विलीन हो जाना ही हम सबका मकसद है।

–तेनजिंग लामो
बी0ए0 तृतीय वर्ष

जीवन बदलाव की कहानी

एक गाँव में एक व्यक्ति रहता था जो अपने जीवन को लेकर बहुत चिंतित रहता था। उसे लगता था कि उसके जीवन में किसी भी तरह की परेशानी न रहे। उसके पास खूब धन हो और उसकी खूब प्रसिद्धि हो। वह जहाँ जाए उसे सम्मान मिले। परन्तु उसके जीवन में कुछ भी नहीं बदल रहा था। क्योंकि वह कुछ करने की जगह बस सही समय का इंतजार कर रहा था और समय उसके कुछ करने का इंतजार कर रहा था। उसकी इसी आदत के कारण वह मन बनाता तो अचानक उसके मन में विचार आता कि ये काम सही ढंग से नहीं हो पाएगा। उसे लगने लगा कि शायद वह कुछ करने लायक ही नहीं है। इसका परिणाम यह हुआ कि उसका जीवन पहले से भी ज्यादा दुखमय हो गया। उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह इस परिस्थिति से कैसे बाहर निकले। कैसे वह कोई ऐसा काम करे जिसमें वह सफल हो सके।

उसी दौरान उनके गाँव में एक साधु आए। जिनकी प्रसिद्धि दूर–दूर तक थी। सब ऐसा कहते थे कि उनके पास हर समस्या का हल मिल जाता है। जब उस व्यक्ति ने ये सुना कि साधु उनके गाँव में आए हैं तो वह बिना कुछ सोचे–समझे अपनी समस्या लेकर तुरंत उनसे मिलने चला गया। साधु को प्रणाम कर उसने अपनी समस्या बताई। उसने बताया कि वह अपने जीवन में बदलाव चाहता है। उसे कोई राह नहीं मिल रही इसीलिए उसके मन में नकारात्मक विचार आते रहते हैं। कोई काम करने जाता हूँ तो मन में विफलता का विचार पहले ही आ जाता है।

साधु ने पूरी बात सुनी और उस व्यक्ति को दूसरे दिन उसे सूर्योदय के समय आने के लिए कहा। दूसरे दिन वह व्यक्ति साधु के पास जा पहुँचा। साधु पूजा–पाठ करने के बाद उसे सैर के लिए चलने को कहते हैं। चलते–चलते वह एक खेत के पास जा पहुंचे। गेहूँ की फसल की तरफ इशारा करते हुए साधु ने पूछा, "क्या तुम बता सकते हो इस खेत में यह फसल कैसे उगी होगी?"

"जी पहले खेत को जोता गया होगा। फिर उसमें बीज डाला गया होगा। उसके बाद समय–समय पर पानी दिया गया होगा। तभी यह फसल उगी होगी। थोड़ा आगे चलने पर उन्होंने देखा कि एक खेत में घास ही घास थी। एक बार फिर साधु ने उस व्यक्ति से पूछा, "क्या तुम बता सकते हो कि इस खेत में घास किसने उगाई होगी?"

"महाराज, घास कौन उगाता है ? ये तो अपने आप उग जाती है। जब खेत में किसी और चीज़ का बीज़ नहीं डाला जाएगा तो घास ही उगेगी।"

"तब साधु ने कहा बस इन्हीं उत्तरों में तुम्हारी समस्या का हल छिपा है।" साधु ने कहा, "मानव मन भी खेत की तरह होता है, इसमें तुम जो भी बीज डालोगे तुम्हें वही सफलता मिलेगी। अगर तुम इस तरह काम करते रहोगे, इसमें सकारात्मकता के बीज बोते रहोगे तो यह तुम्हें सफलता की ओर बढ़ाएगा और

यदि तुम अपने भविष्य की चिंता में वर्तमान का समय भी नष्ट करोगे तो दिमाग में नकारात्मकता की वृद्धि होगी। मन के कहे पर मत चलिए बल्कि मन को अपने कहने पर चलाइये। हम में से कई लोग ऐसे होते हैं जो आज का काम कल पर या यूँ कहें हमेशा के लिए टालते रहते हैं। इसके साथ ही शिकायत भी करते हैं कि न जाने कब सफलता मिलेगी। इस कहानी के माध्यम से हमें यह शिक्षा मिलती है कि हमें मन के कहे पर नहीं बल्कि मन को अपने कहने पर चलाना चाहिए।

– अंजली
बी0ए0 तृतीय वर्ष

वो थे पापा ...

जब मम्मी डाँट रही थी तो,
कोई चुपके से हँसा रहा था,
वो थे पापा ...
जब मैं सो रहा था तब
कोई चुपके से सिर पर हाथ फिरा था,
वो थे पापा ...
सपने तो मेरे थे पर,
उन्हें पूरा करने का रास्ता कोई और बताए जा रहा था
वो थे पापा ...
मैं तो सिर्फ अपनी खुशियों में हँसता हूँ,
पर मेरी हंसी देखकर कोई अपने गम भुलाए जा रहा था
वो थे पापा ...
खुश तो मुझे होना चाहिए कि वो मुझे मिले पर,
मेरे जन्म लेने की खुशी कोई और मनाए जा रहा था
वो थे पापा ...
मैं अपने बेटा शब्द को सार्थक बना सका या नहीं
पर कोई बिना स्वार्थ के 'पिता' शब्द को सार्थक बनाए जा रहा था
वो थे पापा ...

– राकेश कुमार
बी0ए0 तृतीय वर्ष

चुटकुले

पप्पू – यार शादी के जोड़े कौन बनाता है ?
राजू – भगवान बनाता है।
पप्पू – ओ तेरी की, मैं तो दर्जी को दे आया ...

***

मेहमान – और बताओ बेटा आगे का क्या प्लान है ?
बच्चा – बस आपके जाते ही बिस्कुट खाऊँगा ... वैसे भी नमकीन और मेवा तो आपने छोड़ा नहीं है।

***

रमेश (नौकर से) – जरा देख तो बाहर सूरज निकला या नहीं।
नौकर – बाहर तो अंधेरा है
रमेश – अरे! टार्च जलाकर देख ले कामचोर।

***

पति – सुनो, तुमने मुझ में ऐसा क्या देखा था जो मुझसे शादी के लिए हां कर दी ?
पत्नी– मैंने आपको बालकनी से एक–दो बार बर्तन साफ करते हुए देखा था।

– नितिन जरयाल
बी.ए. तृतीय वर्ष

कोरोना से बचाव

सजा मिली है, विकास की,
दूर–देश विहार की,
माँ–बाप से विरहा की,
धन संचय क्रिया की,

समय है, पूर्ण पश्चाताप का,
भूलों की सुधार का,
गलतियों की पहचान का,
अपनों से बचाव का,

समय है, साथ मिलकर रहने का,
साफ–सुथरे पहने का,
आभक्ष के त्याग का,
प्रकृति के सुधार का,

समय है, परिजन संग समय बिताने का,
स्नेह दीप फिर जलाने का,
स्वच्छता को अपनाने का,
अंतर्मन को जगाने का,

समय है, कार्य, घर से करने का,
शांत, मन रखने का,
जीवन मूल्य, जानने का,
अहिंसा को मानने का।

समय है, कोरोनो को मिटाने का,
मानवता को जिताने का,
स्व–परिवार को बचाने का,
घर से बाहर नहीं जाने का।।

नियम से सब रहे, संयम धारण सब करें,
"कोरोना" हार जाएगा, रुठा ईश्वर मान जाएगा।

– दामिनी शर्मा
बी0ए0 तृतीय वर्ष

एक राष्ट्र, एक भाषा

हिन्दी का अस्तित्व बचाना, ये कर्त्तव्य हमारा है
इसका अस्तित्व जहाँ पर, देश वो सबसे प्यारा है।।
क्यों भूलते हो हिंदी को, हिंदी से तुम बड़े हुए
हिंदी से ही पढ़ लिख के तुम, अपने पाँव पे खड़े हुए।।
इस भाषा में जन्में हम और, जीवन इसमें बीता है
जिसने समझा इसका मूल्य, वो हिंदी को जीता है।।
न हिंदी केवल है विषय, न हिंदी केवल भाषा है
ये राष्ट्र के निर्माण की जगी हुई एक आशा है।।
जो अंग्रेजी से अहम करे, वो इसकी करता निंदा है
हिंदी से है राष्ट्र हमारा, इससे संस्कार जिंदा है।।
कई हुए हैं इससे ज्ञानी, कोई इससे बलवान हुआ।
इस भाषा की देन है जिसमें, साकेत और गोदान हुआ।।
काव्य गद्य का रूप निहारे, हिंदी एक आधार है।
हिंदी में शृंगार झलकता, और झलके अंगार है।।
इसमें नौ रस छंद अलंकार, व्याकरण का ज्ञान है।
हिंदी देती इतना कुछ, ये हिंदी बड़ी महान है।।
मान सको तो मान लो, ये राष्ट्र की रक्षक हिंदी है।
सब कुछ ज्ञान कराने वाली, अपनी शिक्षक हिंदी है।।

– विशाली
वनस्पति विज्ञान,
बी.एस.सी. तृतीय वर्ष

यही है मेरा हिमाचल

हिमनद हो या फिर हिमानी
बस्ती यहां भोले बर्फानी
बहती नदियाँ कल–कल–कल
बहते झरने, झर–झर–झर
यही है मेरा हिमाचल।
भोले–भाले यहां के लोग,
बड़े मीठे हैं उनके बोल,
यहां खुशियाँ है, हर पल
यही है, मेरा हिमाचल।
पहाड़ों जैसे वीर यहाँ पर
इसके जैसा स्वर्ग कहां,
देवों का है, बसेरा यहां,
यही है मेरा हिमाचल।
सेब–नाशपती के हो बाग,
या फिर हो सरसों का साग,
आपस में है मेल यहां पर
यही है मेरा हिमाचल।
धाम हिमाचल की पहचान,
सिड्डू का भी है फिर नाम,
दिल मोहते फूल और फल,
यही है मेरा हिमाचल।
कांगड़ा, मंडी हो या शिमला–किन्नौर,
सोलन, हमीरपुर या सिरमौर,
तत्पर है नया सूरज उगने को कल,
यही है मेरा हिमाचल।
ऊना बिलासपुर की अब लोर,
चलो नई किरण की ओर,
कुल्लू, चंबा, स्पीति लाहुल,
यही है मेरा हिमाचल।

– ईशिका
बी0एस0सी0 तृतीय वर्ष

संकल्प

वक्त का इंतजार करोगे?
तो वक्त चला जाएगा
वक्त को वक्त दोगे,
तो वह तुम्हारा हो जाएगा
हो जिस आशा को तुम लगाए बैठे
वह भी सच में बदल जाएगा
अगर दम होगा तुम्हारे सपनों में
तो साकार अवश्य होकर दिखाएगा
काम सपने देखने में नहीं
उन्हें पूरा करने में लगाओगे
तो कायनात भी कमजोर हो जाएगी
और खुद को कामयाब पाओगे
कब तक ख्वाब देखोगे
अब तो जाग जाओ
कब तक बहाने बनाओगे
अब तो होश में आ जाओ
लाखों बहाने तुम पा सकते हो
कुछ ना करने के
लेकिन एक दृढ़ संकल्प चाहिए
कुछ कर दिखाने में
यदि तकदीर ही सत्य होती
तो हाथ, पाँव, दिमाग की कोई जरूरत न होती।

– रिद्धी गुलेरिया
बी0ए0 प्रथम वर्ष

विज्ञान

आओ बच्चो तुम्हें दिखाऐं, झांकी विज्ञान की,
न्यूटन की गति और ग्राहम बेल के फोन की।

एडिसन ने बल्ब को खोजा, वही प्रकाश राज है,
बेवेज ने कंप्यूटर खोजा, तकनीकी सम्राट है।

देखों ये तस्वीरें, अपने गौरव के अभिमान की,
आओ बच्चो तुम्हें दिखाए, झांकी विज्ञान की।

देखो अपने बॉयल, चार्ल्स के ताप–दाब संबंधों को,
जिसने सारा जीवन काटा, खोजों और प्रयोगों पे।

ये है अपना प्रोटॉन, नाज इसे रदरफोर्ड पे,
इलेक्ट्रान को थॉमसन और न्यूट्रॉन को चैडविक पे।

देखों ये तस्वीरें, अपने गौरव के अभिमान की,
आओ बच्चो तुम्हें दिखाऐं, झांकी विज्ञान की।

देखो मिट्टी का उपजाऊ, वोहलर का यूरिया था,
उगर रही है कण–कण से बंजर भूमि का सोना था।

टेलिस्कोप नाम था, मुट्ठी में सारा ब्रह्मांड था,
बोली हर–हर गैलीलियो की, बच्चा–बच्चा बोला था।

देखो ये तस्वीरें अपने गौरव के अभिमान की,
आओ बच्चों तुम्हे दिखाए, झांकी विज्ञान की।

अलेक्जेंडर फ्लेमिंग आए, पेंसिलीन से घाव भराये,
आनुवांशिकी का दान कर लो, मेण्डल का सम्मान।

एक्स किरण है, मैक्स प्लाक की मेहनत का ईनाम,
सरल जीव से सृष्टि आयी, हो गया डार्विन का नाम।

देखो ये तस्वीरें अपने गौरव के अभिमान की,
आओ बच्चो तुम्हें दिखाऐं, झांकी विज्ञान की।

देख रेडियो मारकोनी का, मन उमंग से भरा सभी का,
हरगोविंद खुराना तोफा लाये, अपने कृत्रिम जीन का।

किजान प्रगति का है सपना, ज्ञान हो विज्ञान का,
सब पढ़े सब बढ़े, नाम हो भारत देश का।

यहाँ वैज्ञानिकों ने लगा दी बाजी, अपने ज्ञान की,
आओ बच्चो तुम्हे दिखाऐं, झांकी विज्ञान की।

– तन्नू गौतम
बी.एस.सी. प्रथम वर्ष

पिता और बेटी का रिश्ता

शाम हो गई अभी वो घूमने चलो न पापा
चलते–चलते थक गई कंधे पे बिठा लो न पापा।
अंधेरे से डर लगता है सीने से लगा लो न पापा।
मम्मी तो सो गई
आप ही थपकी देकर सुलाओ न पापा
स्कूल तो पूरी हो गई
अब कॉलेज जाने दो न पापा
पाल पोस कर बड़ा किया
अब जुदा तो मत करो न पापा
अब डोली में बिठा ही लिया तो
आँसू तो मत बहाओ न पापा
आपकी मुस्कराहट अच्छी है
एक बार मुस्कराओ न पापा
आप ने मेरी हर बात मानी
एक बात और मान जाओ न पापा
इस धरती पर बोझ नहीं मैं
दुनिया को समझाओ न पापा।

– आशिमा कपूर
बी.ए. द्वितीय वर्ष

प्रकृति का संदेश

चिड़ियों से है उड़ना सीखा,
तितली से इठलाना।
तेज लिया सूरज से हमने,
चांद से शीतल छाया।
टिम–टिम करते तारों की,
हम समझ गए सब माया।
सागर ने सिखलाई हमको,
गहरी सोच की धारा।
गगनचुम्बी पर्वत से सीखा,
हो ऊंचा लक्ष्य हमारा।
समय की टिक–टिक ने समझाया,
सदा ही चलते रहना।
मुश्किल कितनी आन पड़े,
पर कभी न धीरज खोना।
प्रकृति के कण–कण में है,
सुन्दर सन्देश समाया।
ईश्वर ने इसके द्वारा ज्यों
अपना रूप दिखाया।

– आंचल
बी.ए. तृतीय वर्ष

पेड़ों का महत्व

पेड़ बचेंगे तो धरती बचेगी।
जीवन बचेगा कल बचेगा।
पेड़ से ही तो वर्षा होगी।
नदी बचेगी जल बचेगा।
जब खेतों में होगा अनाज।
थालियों में भोजन बचेगा।
जीवन में होगी खुशहाली।
जब धरती पर पेड़ बचेगा।

– विजय ठाकुर
बी.ए. तृतीय वर्ष

कहानी बिगड़े स्टुडैंट की

आओ मित्रो तुम्हें सुनाएं कहानी बिगड़े स्टुडैंट की
कपड़े से महक निकलती, जिनके अंग्रेज़ी सैंट की।
खुशबू वाला तेल डालकर, तिरछी मांग निकाली है,
हाथों में दो–चार कापियाँ, मुँह में चिउंगम डाली है।
शोभित है मोबाइल जेब में, पैन इंक से खाली है।
हीरो बनकर चले सड़क पर, जेब में कंघी डाली है।
जूता पहना पालिश वाला, क्रीज वाली पैंट डाली है,
सुबह उठकर सिग्रेट का हवन खाट पर करते हैं।
रगड़–रगड़ कर क्रीम पाउडर से चमकाते हैं गालों को,
इधर–उधर से पलट–पलट कर रोज सजाते बालों को
आओ मित्र तुम्हें सुनाए कहानी बिगड़े स्टुडैंट की।

– विशाल कुमार
बी.एस.सी. तृतीय वर्ष

मनुष्य

जब अपने आप से डरता मनुष्य,
पता नहीं क्या–क्या करता मनुष्य।
अपने मन की जो करता मनुष्य,
अपनी ही मौत मरता मनुष्य।
खोट हो अगर जरा सा भी मन में,
अपनी परछाईं से डरता मनुष्य।
सोच में जब घुलने लगता,
तो सूखता ही सूखता मनुष्य।
भूत–प्रेतों से अब नहीं डरता,
मनुष्य से ही डरता मनुष्य।
(यह तो थी मतलब की कहानी,
किसका पानी भरता मनुष्य।
मतलब समझ नहीं आया
हो अगर 'अभय' ठण्डे रिश्ते,
दोपहर की धूप से भी डरता मनुष्य)।

– अभय
बी.ए. प्रथम वर्ष

मेरा परिवार

मोती की माला की तरह है परिवार,
इससे दूर रहना हमको नहीं स्वीकार।
हर पल साथ निभाता है,
सही गलत का पाठ पढ़ाता है।
परिवार अगर एक मंदिर है,
पिता उसकी छत है
मां घर की मजबूत नींव है
बाकी सदस्य घर के स्तंभ हैं
ये हमें साथ रहना सिखलाता है
खाने को बांटकर खाना बतलाता है
परिवार समर्पण का उदाहरण है
यहीं पर हमारा जीवन मरण है।

– आकांक्षा,
बी.ए. तृतीय वर्ष

BHAGSU

2020-2021

English Section

Teacher Editor:
Dr. Arti Chandel

Student Editor :
Shasta
(BA-III, Eng. Major)

Index

Sr.No.	Topic	Writer	Page No.
1.	Message from student editor	Shasta	1
2.	'Aspire to inspire before we expire'	Shasta	2
3.	Sustainability	Monika Thapa	3
4.	College life	Rithwik Sharma	4
5.	Associate with positive people	Amisha	5
6.	Self-Confidence	Amisha	6
7.	Ways to change your Life positively	Shasta	6
8.	Self Control	Shasta	7
9.	Student	Palak	7
10.	Emotions : Important part of our life	Pankaj Kumar	8
11.	Believe in yourself	Pankaj Kumar	8
12.	Kindness	Pankaj Kumar	9
13.	Don't quit	Pankaj Kumar	9
14.	Freedom	Mrinal Manhas	10
15.	Are NFT's the next big thing	Ishika	10
16.	Peace	Akhileshwer Mehta	11
17.	Advertisement As a source of information	Sonam Yishey	11
18.	Chandrataal lake-Lahaul and Spiti	Hemant	12
19.	Hydropower project Kinnaur	Tenzin Norsang	13
20.	Cell Phone in our college	Kalzang Tashi	14
21.	Key Monastery	Chhodon Zangmo	14
22.	Girl Education	Sonam Dolma	15
23.	Student life in college	Rohit	15
24.	Status of women in Indian Society	Palak Jamwal	16
25.	Pandemic : A Boon for Environment	Shreya Dhiman	16
26.	Coronavirus pandemic in history	Abhishek	17
27.	Don't count on overnight success	Amisha	18

Message from the Student Editor.....

I feel privileged to represent the English Section of College Magazine "BHAGSU" for the session 2020-2021 College magazine is not a mere collection of articles but a depiction of the hard work that is put in by the students in every aspect. It brings out the hidden writer and helps the students to groom as a person. It shows the reflecting ideas of the students.

Each page of the college magazine is a bead which completes the rosary called 'Bhagsu'. It also motivates the readers to come up with the new ideas and shows the hidden talents. All the sections of Bhagsu are worth reading.

I am very thankful to the teachers of the English Department for their guidance and continuous support. I am thankful to all the writers of this section who gave their contribution to this rosary named as 'Bhagsu'.

My message to the readers is a quote by Buddha :

> "What you think, you become. What you
> feel you attract. What you imagine, you create."

Shasta
B.A. IIIrd Year
Roll .No. 1900103
English Major

“Aspire to Inspire before we Expire”

George Elliot aptly says that “It is never too late to be who you might have been”.

By aspiring your dreams before you expire is one thing that will inspire a lot of people who are aiming to achieve. Fulfill your innermost desires while respiring because the time when you will expire you will realise the importance of satisfaction that is only achieved by fulfilling your goals. Work Hard, Achieve well, achieve pride and immense love but all these things can be only achieved by aspiring in fact, aspiring your dreams to your level best. You have a yearning or desire to do something and strive to do it. An individual who is aspiring, is the one who is fully ambitious, hopeful, courageous, enthusiastic. Encouragement also plays a vital role in it. If you are encouraged not only extrinsically but intrinsically then you have the ability to stimulate creative activity well. The one who is aiming to achieve something, one should have that continuous fire in himself because ultimately that fire will encourage and motivate you to give your best and to aspire each and everything that you have dreamt of and this particular thing will also inspire a lot of people out there who are just wishing to do the same . Ask yourself that if you are able to achieve everything that you have wanted once ? If not, then stand up and encourage yourself internally and come into an action that might seems you harming but ultimately it will bear fruits and these fruits contain seeds and these seeds are tomorrow’s fruits.

Shasta
B.A. IIIrd Year
R.No. 1900103
English Major

Sustainability

"Treat the earth well. It was not given to you by your parents . It was loaned to you by your children" .

The above quoted Kenyan proverb aptly marks the punjent need of an hour, i.e. 'sustainable and eco-friendly life style'. Eco-friendly or going green is the latest way of life. 'Eco-friendly' refers to those goods & services which are considered to have negligible or no harm on the environment . Sustainable development refers to a system which uses resources in such a way as to preserve the resource for both the present and future generations. 'Using of renewable and alternative resources of energy and conservation are two aspects of sustainable development 'Rain water harvesting', 'saving trees', 'conserving energy', etc. are modes of sustainability.

Some of the most important natural resources are limited and non-renewable like fossil fuels, etc. The need and desires of human beings are increasing so there is an increasing trend in demand for natural resources. Hence, the natural resources are depleting at a rapid pace.

According to the various scientific studies, the natural resources would soon deplete completely and result will be no power and total black out and collapse of sophisticated lifestyle and activities of mankind .

Not only the depletion of natural resources but also awareness about the environmental degradation has led the society to look for alternative resources which are both eco-friendly and renewable at the same time. In a bid to save environment, more and more people are opting for eco-friendly goods and services. There are host of eco-friendly goods and services available these days.To save non-renewable resources, alternative resources of renewable energy are being used. Hydro-power, solar energy, biomass energy, geothermal energy, oceanic energy, etc. are being used as they all are natural eco-friendly and renewable sources of energy.

Eco-friendly living and sustainable development are surely too much needed novice ways to save our mother earth. It is our turn how to contribute our bit to mother earth by adopting measures of eco-friendly living and sustainable development .

Monika Thapa
B.A. IIIrd Year
R.No. 1900008

College Life

Both school life and college life is the most memorable time of person's life, but both of them are quite different from each other. While in School life, we learn everything in a protected environment, college life exposes us to a new environment where we have to learn new things and face new challenges by ourselves. We spend half of our young life in school, thus we get comfortable in that environment. But college life is for three years only, where every year introduces new challenges and lessons to us. While, in school our teachers teaches and friends always protect and guard us, in college life, we form a relationship with our mentors and they don't protect us all the time as our school teachers did. Unlike school life we do not have many limitations in college life, and it is up to us how are want to spend our college life. College life is considered a bridge in our lives between our school days and our career. It prepares us with the finest academics and platform to generate dreams into realities. It acts as a transition to prepare us to be more independent in college regarding studies, travelling, decision-making, and financially independent after college. It is a valued and very smooth transition where we do not realise that we have become important.

Talking about my college life, I am enjoying my college life to the fullest and having some of the best days in college of my life. I am a student of one of the most reputed college in Himachal Pradesh. Currently I am studying in B.Com. Department. It is a beautiful college with many courses in streams like Arts, Science and Commerce with outstanding academic record.

When I took admission in this college, I was really afraid as all the people were new to me. But soon, I started enjoying my college life and made some friends. I loved everything about my college and participated in the events in my college. One of the best things about my college life is that you get a new experience every day. In my college life along with studies, I and my friends enjoyed a lot. We travelled a lot of places, had new experiences and learn many things. Our canteen of college was a remarkable place in my college life as whenever we got time, we used to chill in the canteen.

Conclusion

College life is a remarkable and essential time in person's life and everyone should enjoy it. College life teaches us many things and build our confidence to face the challenges and struggles in our future. Instead of just focussing on the study, a person must participate in other activities and socialize as much as possible in his/her college life as all these things help in the overall development of a person .

Rithwik Sharma
B.Com. IInd Year

Associate with Positive People

Toxic People and Nourshing people

"We become part of what we are around"

In today's literature, we see the terms toxic people and nourishing people. As you might expect, toxic people are the ones who always dwell on the negative.The dictionary defines toxic as "poisonous", toxic people continually spew their verbal poison. In contrast, the dictionary definition of nourishing is " to promote the growth of". Nourishing people are positive and supportive. They lift your spirits and are a joy to be around.

Toxic people will always try to drag you down to their level. They hammer away at you with all of things you can't do and all of the things that are impossible. They barrage you with gloomy statements about the lousy economy, the problems in their life, the problems soon to be in your life and the terrible prospects for the future. If you're lucky, they might even throw in a few words about their aches and pains.

After listening to toxic people, you feel listless and drained. Motivational speaker Les Brown refers to these people as " Dream Killers" Psychologist Jack Canfield describes them as "energy vampires"- because they suck all the positive energy out of you.

Have you ever been with a negative person - and felt as if that individual were physically taking energy from you ? I think we've all had that experience many times. One thing is certain: spend time with toxic people and their negative messages will wear you down.

On the other hand, how do you feel when you're around people who are positive, enthusiastic and supportive ? You're energized and inspired. There's something truly amazing about positive people. They seem to have a positive energy that lights up a room. When you're around them, you start to pick up their attitude and you feel as if you have added strength to vigorously pursue your own goals.

Amisha
B.A. 3rd Year
R.No. 1900068

Self - Confidence

We all know that self-confidence means having a belief in yourself and your abilities. It is freedom from doubts. It is something that needs to be developed internally. It cannot be taught but it is very important for a healthy and positive lifestyle. With self-confidence, one can achieve anything in life, it boosts up your power and ability to do things that might fear you down. One cannot achieve his/her goals without self-confidence. Self-confidence makes a person independent, eager, optimistic, loving and positive by nature. And all these Characteristics are important to achieve goals in life. Self-confidence is a key to success and plays a significant role in the life of an individual. I am telling you, you're the best version of yourself. So believe in yourself. And be confident of what you are. You can achieve anything.

Amisha
B.A. 3rd Year
Roll No. 1900068

Ways to Change Your Life Positively

Change allows us to move forward in life and experience new and exciting things . When you don't actively work on envolving yourself, life can become stagnant. Being open to change, learning new skills or working on your inner self can bring about changes you never knew were possible.

Being natural, simple living and high thinking are some things which can have a positive impact on our lives. Being natural makes you believe in yourself, enhances your confidence, makes you value your life. Raises your esteem and makes you follow what you want.

Change can open doors to other things, new friends, new ideas and a new confidence in life. Change can bring excitement or fear of the unknown and that's usually due to whether the change is predictable or takes us by surprise.

A college degree opens up more opportunities, even in fields that aren't in your major. Improve discipline and Develop Strong Character.

Shasta
B.A. 3rd Year
Roll No. 1900103

Self - Control

Self-Control, an aspect of inhibitory control, is the ability to regulate one's emotions, thoughts and behaviour in the face of temptations and impulses. It's an ability to manage your actions, feelings and emotions.

Common goals such as exercising regularly, eating healthy, giving up bad habits and saving money are just a few worthwhile ambitions that people believe require self-control. The one who has better self-control tend to be healthier and happier, both in short term and long-term. The benefits of self-control are not limited to academic performance. One long term study found that high levels of self-control during childhood predicted greater respiratory and dental health in adulthood, as well as improved financial status.

There is a fine quote by Aristotle,

"The Self-Controlled man craves for the things
he ought, as he ought and when he ought".

Self-Controlled people can be thought of as having acquired three habits. The one is self-preservation, self-assertion , self-fulfillment etc. Self-Control allows us to enjoy the good things of life in moderation, without wanting too much , and knowing when we have had enough .

Self-Control is about using reason to master instinct.

Shasta
B.A. IIIrd Year

STUDENT

Who is Student ?

What are the aims in a student life ?

A student is one who studies or one who is engaged in the task of acquiring and extending knowledge. Education is an unending progress, contiming through the whole span of man's life . No age limit can be fixed for a student. Whoever is interested in learning, no matter if he is grey beared or a senior professor of a college. Learning is the primary goal of a student's life. Education is not just a means of earning a livelihood but means of turning man from a beast into divine being. So the goals of a student life is to manifest the divinity or perfection already present in him by developing a whole and wholesome personality and to evolve into a useful member of the society.

Palak Jamwal
BA. 3rd Year (English)

Emotions : Important Part of our Life

As there is a rapid change in today's world, the life is becoming busier day by day but emotions are still important for human beings without the emotions we are not able to understand one another. All the emotions dominate our day to day life. If you would go for logical thinking in your life fully you are not able to live and cope up with the kind of agony, stress from which you suffer. Emotions are the juicier part of our life. One should be emotionally that much strong so that one can cope up every situation and can handle every problem. One should be emotionally strong and for that you have to self - evaluate and gather yourself. Emotions are juicier part of our life. Emotions are the important part of life and they will build your confidence. Emotions make your life juicier. Emotions can be very powerful force of movement if one knows how to gather them . If one is incapable of gathering his emotions when needed, than emotions are just pure madness. Once you are overtaken by emotions, you do not see anything the way it is everything gets disturbed.

If you are just emotion, you can be a lot of deception. Emotions have their beauty, they are the juice of life.

Shasta
B.A. IIIrd Year
Roll No. 1900103

BELIEVE IN YOURSELF

You can achieve it. If you believe in yourself. This saying holds true in our walk of life. If we make realistic goals and strive towards it then success is no more a dream. Some achieve success without much efforts and a few others with rentless efforts. Life is challenging with lots of ups and downs, but that doesn't mean that we are going to give up, we have to fight for our dreams to make them come true . We need not run away from the battle-field but stay on till the war is over. Do not afraid of challenges because every challenge or lesson of life makes us a stronger person. Never consider yourself inferior to others. Always believe in yourself because there's no one better. We have to keep ourselves motivated whenever we struggle with our tasks. The pain you are suffering will make you a strongest person. Just look in the mirror and see a better you. You will meet many people in your life who will try to tear you down. Who will tell you that you can't do it but your self belief can help you to prove them wrong. So get up and start moving ahead .

Pankaj Kumar
B.A. IInd Year
Roll No. 2002027

KINDNESS

The strength of kindness is infinite . An act of kindness actually means a selfless act performed by an individual in order to make someone happier without any compensation. Anybody should be kind, without any reason to not be nice. It is true act of kindness, which create honest and lasting friendship, relationships. When kids want to be humble at a younger age, we will be showing children how to take responsibility and how to set priorities and determine. In fact, acts of kindness bring a magical feeling of honesty, purity, joy and integrity. We must live in this world so that behaviour actions and even our thoughts do not harm others. Kindness is the beautiful act which makes you happy when you do that task. Always be kind to others. Showing kindness to others and your fellow friends contributes to developing a positive social environment. Even the little decisions and selfless acts of kindness can contribute to the creation. So be kind and make this world a beautiful place to live.

Pankaj Kumar
B.A.2nd Year

DON'T QUIT

When things go wrong, as they sometimes will,
When the road you're trudging seems all uphill,
When the funds are low and the debts are high,
And you want to smile, but you have to sigh
When care is pressing you down a bit,
Rest, if you must, but don't you quit.
Life is a little bit complicated,
As every one of us sometimes learns
And many a failure turns about,
When he might have won had he stuck it out,
Don't give up though the pace seems slow
You any succeed with another blow.
Often the goal is nearer than
It seems to a faint and faltering man,
Often the struggler has given up,
When he might have captured the victor's cup,
And he learned too late when the night slipped down
How close he was to the golden crown.
Success is failure turned inside out,
The Silver tint of the clouds of doubt,
And you never can tell how close you are,
It may be near when it seems so far,
So stick to the fight when you're hardest hit,
It's when things seem worst that you must not quit.

Pankaj Kumar
B.A. 2ndYear

FREEDOM

Freedom from fear is the freedom
I claim for you my motherland!
Freedom from the burden of the ages, bending your head,
breaking you back, blinding your eyes to the beckoning call of the future,
Freedom from the shackles of slumber where with,
You fasten yourself in night's stillness,
Mistrusting the star that speaks of truth's adventurous paths,
Freedom from the anarchy of destiny.
Whole sails are weakly yielded to the blind uncertain winds,
And the helm to a hand ever rigid and cold as death,
Freedom from the insult of dwelling in a puppet's world,
Where movements are started through brainless wires,
Repeated through mindless habits,
Where figures wait with patience and obedience,
For the master of show, to be stirred into a mimicry of life.

Pankaj Kumar
B.A. 2nd Year

ARE NFT's THE NEXT BIG THING

2022 the most volatile market of this year are NFT's. People are buying cheap and pixelated J.peg for money then can set an average man on for the rest of his life .But how did it all started ? How was a non existing marked was not only created but has more volume ever than before. And the credit goes to Gary Vee. An American entrepreneur who made a non existing market so profitable and earned millions in the proceeds. So he made a plan with his friends to just get into hit markets and buy a lot of them and then he started to advertise it with the help of celebrities. As you have seen how days a lot of celebs have some animations. Instead of their picture e.g. Neymer Eminem, Justin Bieber etc. These are called NFT's, through these brilliant and subtle advertisement, He was able to attract a lot of people to this new markets and people are spending millions of these J.peg. and some of them even go for millions of dollars and after Crypto NFT's are the next big thing

Mrinal Manhas
B.A. 3rd Year

PEACE

Its humanity that we have lost,
Its cruelty that we need not.
Its hatred that has filled our minds,
Its love that we've always fought.
Its harmony that we desire to bring,
but there's not much that we've got.
Its true we can't change the society,
or break the bonds in which we're caught.
So come out and join hands for the cause of Peace.
by simply making a crying child laugh...
by simply making a crying child laugh...

Ishika
B.Sc. 3rd year
Major Maths

ADVERTISEMENT : AS A SOURCE OF INFORMATION

Advertisement play an important role in our day to day lives. We see them in our newspaper and magazine, watch them online and on television and listen to them on radio. It is while watching TV we generally dislike the commercial breaks because they are shown too often, ads can seem annoying. Yet, a number of advertisements do add to our information.

The purpose of advertisement is to reach out to the mass in the shortest time possible, with a product or an idea, which may appeal to them. Some ads tell us about the price of a product, whether it is a new launch or its price has changed or it is on sale. Others tell us about the product itself, make, quality, use, unique value etc. These sectors influence our decision as we consider and reconsider all these sectors before buying a product and makes us aware of what, why, when, where and how we should buy a product.

There are advertisements, which are more of a way of communication between companies, NGO's or the Government and Customers. They are issued mainly in the public interest. Such ads spread social awareness amongst the mass and appeal to their emotional, human side. Therefore, it is suffice to say that advertisements to some extent are a source of information.

Akhileshwar Mehta
B.A. 3rd Year
English Major

CHANDERTAAL LAKE (Spiti & Lahaul)

Introduction:

Chander Taal or Chandra Taal simply Moon lake is a barren but beautiful lake located at a height of 14100 feet in Himachal Pradesh in northern India. It comes after Spiti and Lahaul district of Himachal Pradesh and situated at a distance of six km from Kumzum Pass .

Origin :

Chander Taal is the origin point and source of the river Chandra, which is one of the tributaries of river Chenab.

Tale of two Lovers :

Legend has it that Chandra was the beloved daughter. Bhaga was the only son of Suryadev, the Sun God. Both of them once ran into each other at Baralacha and it was love at first sight. Their love however was not approved by their parents and they were not allowed to marry each other. Sun God wanted to entrust his son the task of bringing light to the world in the form of days. The Moon God wanted to assign the job of lighting the nights in the world to his daughter Chandra. Their disapproval of their parents broke the heart of the young lover but they were not so easily defeated. Together they both decided to elope, meet at Baralacha Pass again where they had first met, and perform their eternal marriage without their parents consent. They both came down to the agreed spot but Chandra reached a little ahead of time than Bhaga. When she didn't find Bhaga at Baralachala, she wandered off in search of him towards Kumzum pass and then started to circle back to Baralacha again. Just when she reached Taudi, she saw Bhaga coming down from the opposite direction looking for her. They both consequently met and the celestial marriage was performed. The route that Chandra taal took from Baralacha la pass to Chandra Taal is today several tracking enthusiasts follow. Here, Her route from Kunzum pass back towards Baralacha La is where the river flows in the present days.

Chandra Taal is believed to named after Chandra and Suraj taal after Bhaga, him being the son of Sun God.

Sonam Yishey
B.A. 3rd Year

HYDRO POWER PROJECT (KINNAUR)

Kinnaur is located in South Eastern part of the Himachal Pradesh. Area of 6,401 $Km^{2,}$ Kinnaur is also known as land of Gods & Apples and it's famous for it's mesmerizing valley and road trip and remain close for six months due to snowfall. Satluj river flow through Kinnaur valley which is one of the longest among five rivers in India. Due to which there are 53 planned hydro power project at which 17 are large project above (25MW).

These Hydro power project in the name at clean and green resources over Satluj river start to threatens life, livelihood and ecology in the Basin. The river has been clammed at multiple places along the valley to create an additional feature to Kinnaur's identity as Himachal's Hydro power hub. Which locals believe is a malediction.This is not the first that the cold desert has witnessed such a contestation over the past two decades, such struggles had become an annual phenomenon.

The Satluj has taken the biggest load at the state hydro power ambition since the early 90's out at the total installed capacity, 56% (5720MW) is done in the Satluj basin.

In other words, 92% of the river will either be flowing through tunnels or will be part at Reservoirs, such a cumulative scale at disturbance with the river's nature state drastically impacted the life, livelihood and ecology in the Satluj basin and the diversion at water will involve construction at a 12 Km long tunnel. As my experience as a citizen of Kinnaur. Hydro-power project has created lot's of problem and life at tribal people and destruction at nature. Limited use at Hydro power project is good and effective in the development at Kinnaur but these project has been crossing their limit and start disturbing the ecology system at Kinnaur.

Recently people of Kinnaur has been raising voice against these project and running valleys to stop them by saying .

" No Means No"

Save Kinnaur

Hemant
BA. 3rd year

CELL PHONE IN OUR COLLEGE

Cell Phone have been an issue in college ever since they became a big thing amongst teenagers. Sixth grader Amber H. says, “There could be an emergency that no one knows about and there might not be time to reach a phone!” In a lot of college teacher take it to far. They take students cell phone even when they aren’t using them and they are turned off and hidden so that they don’t disturb anybody. Teachers should not be allowed to take cell phones when they are not even bothering anyone they are put on silent and they are hidden from other classmates.

But according to me cell phone are all the rage on most college campuses. Because cell phone technology has now gone beyond placing a simple call, college students, instructors and staff can use their phones to keep up with assignments and class schedules communicated with friends and colleagues, and became aware of campus alerts and warnings but while there are many benefits of using a cell phone in a college campus.

Tenzin Norzang
BA. 3rd Year

KEY MONASTERY

The biggest centre of Buddhist learning in Spiti valley, Key Monastery is over 1000-year old. It is the oldest training centre for lamas. It is located at a height of 13,668 feet above mean sea level in Lahaul Spiti district of Himachal Pradesh in North India. Founded : by Dromton, a famous disciple of teacher Atisha in the 11th century. The monastery used to house about 350 lamas at one time. The Monastery is famous for its architecture called Pasada style. The monastery is spread about 3 floors. Underground is mainly utilized for storage. Key Monastery was destroyed by invaders and rebuilt several times. In 1840 it caught fire and in 1975, it suffered extensive damage due to an earthquake. Some of the scenes of bollywood movie Paap, highway are shot at Key Monastery. Best time for visiting Key Monastery is during summers. From May to October end, Rohtang Pass remains closed due to snowfall.

Kalzang Tashi
BA. 3rd Year

GIRL EDUCATION

"Education is the most powerful instrument you can use, to change the world". This education refers to Human education. All whether a girl or boy have the right to change this world, that is to get access to education.

At first, if we go through our great Indian history of another parts of the world, we find that at that days, girl education did not have any importance. That days girls were considered as home makers and expected to be good housewives and mothers. Girls were given a low status as compared to men. Their education was not at all a topic for serious discussion.

But now the people changed and so the world. Now women are enjoying same rights as that of men, and the same right to education. Women empowerment has developed a lot in these days. Girls education brings equality in society by bridging the gap of gender inequality. Education can make girls self-reliant which the society used to think a burden. Education a girl helps her to share the responsibility of her family and reduce the burden of the head of the family. Girl education can also help uproot social evil like child marriage, honour killing, dowry, domestic violence etc. Education of girls is important for bringing a balance in society.

Chhodon Zangmo
B.A. 3rd Year

STUDENTS LIFE IN COLLEGE

College life is one of the most remarkable and joyable times of an individual's life. Unlike school life, college life has a different experience, and a person needs to have this experience in his/her life. People who go to college are incredible. We go to classes. We read and absorb and are comprehensively tested on heavy amounts of various materials. We sleep very little. Someone is always sick. Someone is always complaining. We become attached to close friends. Lucky are those who get the chance to enjoy their college life, as many people don't get this chance due to their circumstances or financial issue.

We all have separate lives, families, backgrounds and pasts. We live totally different from how we used to live. We are frustrated and sometimes want to give up, but we never stop trying. We disregard health. We eat awful foods. We are forced to think about the future. We are scared and confused. We try to sort out our minds, which are filled with studies, worries, problems, memories, emotions powerful feelings. We keep going, though, because above all else, we never stop learning, growing,

changing and most important dreaming. While some people spend their college life partying with friends, other become more cautious about their careers and study hard. Whatever the way, every individual enjoy their college life and always wishes to relieve that time once it is over.

Sonam Dolma
BA. 3rd Year

STATUS OF WOMEN IN INDIAN SOCIETY

Women held high status and position in ancient times. In later ages, her status deteriorated evidently, a majority of the women still do not enjoy equal status. Women's position in the family depends upon the level of their education. Higher the level of her education, greater equality she enjoys in the family.

It appears that Indian women is still not treated as same as man in social and family life. The educated women even today though earning, are in acquiescence with the doctrine of the male domination. The education may have made them economically independent, but they still lack the needed self-confidence.

The reason seems to be that they have been brought up under the old cultural atmosphere and they have not been able to shake off its influence even after the acquisition of modern education. However, in our times, her role has changed in society. Society has started recognizing her contribution. There is need for complete equality among men and women. She has all rights to command equal status with men.

"Respect Women"

Rohit
BA.3rd Year(English)

PANDEMIC : A BOON FOR ENVIRONMENT

The novel Corona Virus Pandemic Disease (Covid-19) poses a cruel preference to the world the society and the economy. It has discovered the vulnerabilities and strengths of every country and has taught us a sequence of life long lessons. It was started in Wuhan, China and now spread all over the world. Most of the countries implemented lockdown in their countries to control this Pandemic and slow down its spread. Lockdown due to Covid-19 has drastic outcomes on social and economic fronts. On the other hand, lockdown also has some positive impact on the natural environment. Coronavirus is a vaccine to the environment to which we humans are

the virus. There are very positive effects on the environment. Since there has been a complete shutdown of public transport, Educational institutes, Business Centers, and all other social interaction points.

The Air pollution, Water pollution, Noise pollution etc. have reduced a lot in these few months of lockdown which took place all over the world. According to the recent data released by NASA and ESA, the pollution in some of the epicentres of Covid-19 has reduced upto 30%. The second most populated nation, India has also seen a drop in the pollution level. While the complete shutdown of India's economy was done by our Prime Minister to stop the spread of this Coronavirus, it is having an additional health benefit of clearing the air that millions of people were choking on. The Central Pollution Control Board of India's Environment Ministry has also shown a 71% decrease in the level of Nitrogen dioxide. The quality of the air will sooner be pure because of the less vehicular traffic and rise in temperature. This research paper will compile a deep study and analysis of the situation of the environment pollution post this coronavirus and how due to the lockdown, a measure taken by the government to control this virus helped the environment to heal itself and reduce the pollution to some extent. Along with this, we will look after the effect of this virus on other countries and how it has affected the environmental status of those countries. A comparative study of the pollution will be done with the help of graphs and charts as well. A study on the changes occurred in the Ozone layer due to this environment change will also be dealt with. The researches will also examine how far this control of the pollution will help and sustain.

Shreya Dhiman
English Major

CORONAVIRUS PANDEMIC IN HISTORY

The Novel human Coronavirus disease Covid-19 has become the fifth documented pandemic since the 1918 flu pandemic. Covid-19 was first reported in Wuhan, China and subsequently spread world wide . The Coronavirus was officially named Severe Acute Respiratory Syndrome Coronavirus 2 (SARS-COV-2) by the international committee on Taxanomy of viruses based on phylogenetic analysis SARS-COV-2 is believed to be a spillover of an animal coronavirus and later adapted the ability of human-to-human transmission. Because the virus is highly contagious it rapidly spreads and continuously evolves the human population. In this review article, we discuses the basic properties, potential, origin and evaluation of the novel human coronavirus. These factors may be critical for studies of pathogenicity, antiviral designs and vaccine development against the virus.

Currently people all over the world have been affected by Coronavirus disease 2019 (Covid-19) which is the fifth pandemic after the 1918 flu pandemic. As of now we can trace the First report and subsequent out break from a cluster of novel human pneumonia cases in Wuhan city, China, since late December 2019. The earliest date of symptom onset was 1 December 2019 . The symptomatology of these patients including fever , Dry Cough was called Wuhan pneumonia by the press because of the area and pneumonia symptoms. Whole income sequencing results showed that the causative agent is a novel coronavirus.Therefore this virus is the seventh member of the Coronavirus to infect human.The World Health Organization temporarily termed the new virus 2019 Novel Coronavirus (2019-n Cov) on 12 Jan 2020 and then officially named this infectious Coronavirus desease 2019 (Covid-19) on 12 February 2020. Later the international committee on Taxonomy of viruses (ICTV) officially designated the virus as SARS Cov-2 based on phylogeny, taxonomy and established practice.

Abhishek
Major English

DON'T COUNT ON OVERNIGHT SUCCESS

First of all, Positive thinking doesn't mean that you'll achieve your goals overnight. It's not as if you start thinking about making more money and the next morning you wake up and find a stack of dollar bills at your bedside. Not a long shot. Success requires effort, commitment and patience. And secondly, positive thinking doesn't mean you won't have any more problems. Believe me you'll have plenty of setbacks along the way. However, if you continue to believe in yourself, take action and persist, you'll overcome those obstacles.

Remember, you are constantly moving in the direction of your dominant thoughts. Everything you achieve in your lifetime flows from your thoughts and beliefs. Negative thinking yields negative results and positive thinking produces positive results. Keep your attitude window clean and bright so that the positive thoughts can come shining through. It simply makes no sense to think negative thoughts unless you want to get negative results. And I know you don't want that to happen.

So, from this point forward, choose your thoughts wisely and use this powerful principle to get fantastic results in your life !

Amisha
B.A. 3rd Year

भागसू

संस्कृत अनुभाग

सत्र : 2020-21

प्राध्यापक सम्पादक :
प्रो० कुमार कैलाश

छात्र सम्पादक :
सोनिया झा

अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विषय	लेखक का नाम	पृ.सं.
1.	संस्कृत गौरवम्	प्रो0 कुमार कैलाश	1
2.	मम् विचार	साक्षी कोंडल	2
3.	अस्माकं हिमाचल प्रदेशः	प्रीति	2
4.	वन्दना	प्रीति	3
5.	विद्याधनं सर्वप्रधानम्	प्रीति	3
6.	कर्मयोगः	देसराज	4
7.	विद्या	प्रीति	5
8.	देश भक्ति	रितिका देवी	5
9.	वाङ्मय तपं	पिंकी देवी	6
10.	वृक्षः	दीपिका	6
11.	सूक्तयः	मीनाक्षी चौधरी	7
12.	राष्ट्रीय कविता	मीनाक्षी	7
13.	प्रकृतिः	अनीषा कुमारी	7
14.	जिज्ञासा	गुलशन	7
15.	संस्कृत भाषा का महत्व निबंध	प्रिया चौधरी	8
16.	जलम्	राधा	8
17.	परोपकारः	शिल्पा	9
18.	ज्ञान–विज्ञान योग	मलका	9
19.	मम् मातृभूमि	प्रितिका	9
20.	संस्कृत में वेद व्यास पर निबंध	रूची	9
21.	भारतीय संस्कृति	प्रियंका देवी	10
22.	अनुशासनम्	किरन बाला	10
23.	गीता के श्लोक	रितिका देवी	11
24.	संस्कृत में वेद व्यास पर निबंध	ईशा चौधरी	11
25.	प्रकृति	पल्लवी	12
26.	ॐ श्री परमात्मने नमः	दीपिका	12
27.	भारतवर्षः	काजल	12
28.	स्मृति–चित्र	कनिका मैहरा	12
29.	संस्कृत के महत्व पर निबंध	शालिनी	13
30.	नीति श्लोक	रीचा भारती	13
31.	संस्कृति संस्कृताश्रिता	सीमा	14
32.	आतंकवादः	शिल्पा	14

संस्कृत गौरवम्

संसारे विविधभाषाः प्रचलिताः सन्ति। तासु संस्कृत भाषा प्राचीनतमा भाषा वर्तते। इयम् भाषा सर्वासु श्रेष्ठातमा समृद्धा च अस्ति। भारतस्य सर्वासु भाषासु संस्कृत भाषाया प्राणाः संचरन्ति। अतः संस्कृत–भाषा सर्वेषाम् भाषाणाम् जननी अपि कथ्यते। विश्वस्य सर्वे प्राचीनाः ग्रन्थाः वेदाः संस्कृत भाषायामेव लिखिताः। तेषाम् गौरवम् संस्कृत भाषायां एव प्राप्तम्। संस्कृत भाषा देववाणी गीर्वाणवाणी नाम्ना अपि एयाता अस्ति। संस्कृत भाषा भारतस्य संस्कार भाषा अस्ति। अत्र प्रतिदिन संस्कार कार्येषु अस्या प्रयोगः भवति। इयम् भाषा अतीव सरसा सरला च वर्तते। अस्याम् कदापि विकारः न दृश्यते इयम् भाषा सर्वैः प्रकारैः शुद्धा अस्ति अस्याः शब्द भण्डार अति विशालः अस्ति। संसारस्य प्रचुराः जनाः भुविसंस्कारस्य सूक्ति सूक्ति दिशन्ती च विहरति। जनानाम् हृदयेषु समता ममता समादराणाभाव प्रसरति अस्याः सूक्तयः अभ्युदयाय प्रेरयन्ति वयम् च ध्येयवाक्या रूपेण सूक्ति–प्रयोग–पश्यामः। 'सत्यमेव जयते' एतत् वाक्यं भारत शासनस्य मुद्राभाम अंकितम् अस्ति यत् संस्कृतस्य महत्त्वं गौरवम् च उद् भावयति।

पाली प्राकृत अपभ्रशादयः भाषाः अपि अस्मादेव निसृताः। हिन्दी भाषायां सह तु अस्याः निकटतमः सम्बन्ध वर्तते। विकासः तु संस्कृत–भाषायाः एव अभवत्। अस्माकं धार्मिक ग्रन्था काव्य नाटक कथाः गीत साहित्यमपि च संस्कृत भाषायाः ज्ञानमपि अपूर्णम अस्ति। संस्कृत भाषायाः व्याकरणेन एव हिन्दी भाषाया व्याकरण पुष्टम भवति। चिकित्सा क्षेत्रे, गणितस्य क्षेत्रे, ज्योतिष क्षेत्रे अर्थात ज्योतिष–शास्त्रे, भौतिक रसायने, जीवन–विज्ञान, आयुर्वेदे, खगोल–विज्ञाने, नक्षत्र–विज्ञाने वास्तुशिल्प विज्ञाने च अस्माभिः अभूतपूर्णाः सिद्धयः संप्राप्ताः। संस्कृत भाषायामेव भारतीय–सभ्यतायाः मूल मंत्रत् विद्यते –

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःख भाग्भवेत्।।

अतः संस्कृत भाषायाः अध्ययनं अति आवश्यकम् अस्ति। अद्यपि इयम् भाषा संसारस्य विश्वविद्यालयेषु पाठयते। संस्कृत भाषायाम् एव अस्माकं सम्पूर्ण प्राचीनतमः इतिहासः सुरक्षित अस्ति। अतः प्राचीन भारतीय संस्कृतेः ज्ञानाम संस्कृतस्य अध्ययन अनिवार्यम् अस्ति।

प्राध्यापक सम्पादकः

प्रो0 कुमार कैलाशः

मम् विचार

1. गतः कालो च नायति।
   अर्थात् : गया वक्त हाथ नहीं आता।
2. पद हि सर्वत्र गुणै निधीयते।
   अर्थात् : हर जगह गुणी का सम्मान होता है।
3. मौन सर्वार्थ साधनम्।
   अर्थात् : मौन सबसे श्रेष्ठ है।
4. सत्य जायते नानृतम्।
   अर्थात् : सत्य की जीत होती है झूठ की नहीं।
5. प्रेम ईश्वरः द्वितीय नाम अस्ति।
   अर्थात् : प्रेम ईश्वर का दूसरा नाम है।
6. अन्यैः भावना अवगम्यते सुगुणः अस्ति।
   अर्थात् : दूसरों की भावना को समझना एक अच्छा गुण है।
7. बुद्धि बिना न सिद्धि प्राप्नोति।
   अर्थात् : बुद्धि के बिना सिद्धि नहीं होती।
8. सर्वदा सर्वे सह सद्भावनाः एवं मधुरमवदित।
   अर्थात् : सदा सभी के साथ सद्भावना रखो और मीठा बोलो।
9. न रत्नमन्विष्याते मृग्यते हि तत्।
   अर्थात् : हमें रत्न नहीं खोजते हमें उन्हें खोजना पड़ता है।
10. आचारः परमो धर्मः
    अर्थात् : सदाचार सर्वश्रेष्ठ धर्म है।

– साक्षी कोंडल
बी0ए0 द्वितीय वर्ष

अस्माकं हिमाचल प्रदेशः

अस्माकं प्रदेशस्य नाम हिमाचल प्रदेशः अस्ति। अस्य निर्माणं 1948 ई0 संवत्सरे अभवत्। पुनः अस्य विशालरूपं 1970 ई0 अजायत्। अधुना अस्मिन द्वादश जनपदाः सन्ति। एषः हिमालयस्य अंचले स्थितः अस्ति। एषः प्रकृते सुदरं प्रांगणम् अस्ति। एषः भारतस्य मुकुटः कथ्यतेः।

एते स्वभावे देशभक्ताः अतिथि भक्ताः च भवन्ति। सर्वे हिमाचलनिवासिनः परस्परं शान्तिपूर्वकम् च निवसन्ति। एते शान्तिप्रियाः कलाप्रियाः च सन्ति।

अस्य प्रदेशस्य प्रधानः व्यवसायः कृषि अस्ति। केचित् जनाः पशून् अपि पालयन्ति। सर्वेषु अस्य प्रदेशस्य भविष्यम् उज्जवलं दृश्यते। वयं सर्वे अस्य जय–जय कारं वदामः। एषः ऋषि मुनीनाम् तपोभूमिः अस्ति।

प्रीति, बी0ए0 तृतीय वर्ष

वन्दना

1. ॐ भद्रं कर्णेभिः शृणुयाम् देवाः भद्रं पश्येमाक्षभिर्यजत्राः।
स्थिरैङ्गैस्तुष्टुवासस्तनूभिर्व्यरोम देवहितं यदायुः।।

हे देवताओ! हमारा जीवन सदा परमात्मा की आराधना में लगा रहे। हम सदा कामों से कल्याणकारी वचन सुनें। नेत्रों से मंगलकारी दृश्यों को देखें। हमारे शरीर का प्रत्येक अंग सुपुष्ट और सुदृढ़ रहे ताकि हम आराध्य देव परमात्मा की स्तुति करते रहें और हमारी आयु ऐसे कामों में लगे जिसे देखकर परमात्मा प्रसन्न हो।

2. ॐ शंनो मित्रः शं वरूणः शंनो भवात्वर्यमा। शं न इन्द्रो बृहस्पतिः। शंनो विष्णुरूक्रमः।
नमो ब्रह्मणे। नमस्ते वायो। त्वमेव प्रत्यक्षं ब्रह्म वदिष्यामि। ऋतं वदिष्यामि। सत्यं वदिष्यामि।
तन्मामवतु तद्वक्तारम् अवतु। अवतु माम्। अवतु वक्तारम्। ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।

मित्र देवता हमारे लिए कल्याणकारी हो। वरूण देवता हमारे लिए कल्याणकारी हो। अर्यमा देवता हमारे लिए कल्याणकारी हो। इन्द्र देवता और बृहस्पति हमारे लिए कल्याणकारी हो। विशाल डगों वाले विष्णु हमारे लिए कल्याणकारी हो। ब्रह्म को नमस्कार। हे वायु! तुझे भी नमस्कार। तुम ही प्रत्यक्ष ब्रह्म हो। तुम्हें ही ऋत कहूंगी। तुम्हें सत्य कहूंगी, आचार्य की रक्षा करें। मेरी रक्षा करें। शान्ति हो, शान्ति हो, शान्ति हो।

– प्रीति, बी0ए0 तृतीय वर्ष

विद्याधनं सर्वप्रधानम्।

संसारे अनेक धनानि विद्यन्ते – यथा पुत्रधनम् गजधनम्, वाणिधनम्, भार्याधनम्, तपोधनम्, सन्तोषधनं, विद्याधनम् इति। एषु धनेषु यत धनं यस्य प्रियं भवति तत् प्राप्तुं सः यतते। परम् उपर्युक्तेषु धनेषु विद्याधनस्य महिमा सर्वाधिकः। नहि किमपि धनं विद्याधनंतुल्यं वर्तते। विद्या धनं बिना तु मानवस्य जीवनमेव निरर्थकम् यथोक्तं केनापि विदुषा –

'शुनः पुच्छमिव व्यर्थ जीवनं विद्यया बिनां'।

विद्याधनं अन्यायि सर्वाणि धनानि अतिशेते। अस्मिन् धने ये गुणाः विद्यन्ते अन्येषु न दृश्यन्ते। अन्यानि धनानि चौराः चोरयन्ति, अतः तानि न स्थिराणि। परं विद्याधनस्य हरणम् असम्भवम्। इदं हि सुगुप्तं सुरक्षितम्, आन्तरिकं च धनम्। वस्तुतः विद्याधनं विलक्षणम् धनम्।

विद्या ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम्।
पात्रत्वाद धनमाप्नोति धनाद् धर्मं ततः सुखम्।।

प्रीति, बी0ए0 तृतीय वर्ष

कर्मयोगः

1. कर्मण्येवाधिकारस्ते, मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्व कर्मणि।।
अर्थात् : हे अर्जुन! तेरा कर्म करने में ही अधिकार है, फलों में तेरा अधिकार कभी कम न हो। तू कर्मों के फल का हेतु मत बन, तेरी कर्म न करने में भी आसक्ति ना हो।

2. नियतं कुरू कर्मत्वं, कर्म ज्यायो कर्मणः।
शरीरयात्रापि च ते, न प्रसिध्येदकर्मणः।।
अर्थात् : हे मनुष्य तू निर्धारित कर्म को कर। कर्म न करने से कर्म करना उचित है, क्योंकि बिना कर्म के शरीर यात्रा भी सिद्ध नहीं होती है।

3. न कर्माणाममपरम्भान्नैष्कर्म्य पुरूषोऽश्नुते।
न च सन्नपसनादेव सिद्धिं समाधि गच्छति।।
अर्थात : मनुष्य न तो कर्मों का आरम्भ करने अर्थात् अगर वह कर्म नहीं करता है, तो इसका मतलब यह नहीं कि वह निष्कर्ष है, और न कर्मों के त्याग से सिद्धि को पाता है।

4. यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्रदेवेतरो जनः।
स यत्प्रमाणं कुरूते, लोकस्तदनुवर्तते।।
अर्थात : श्रेष्ठ व्यक्ति जो आचरण करता है, लोग उसका ही आचरण करते हैं, वह जो प्रमाण देता है, लोग उसका अनुसरण करते हैं।

5. न हि कश्चि त्क्षणमपि जातु तिष्ठत्यकर्मकृत।
कार्यते हि हियवशः कर्म सर्व प्रकृतिणा नैर्गुणैः।।
अर्थात : कोई भी व्यक्ति क्षण मात्र ही बिना कर्म किये नहीं रहता। प्रकृति के वश हुए समस्त प्राणी समूह से प्रकृति जनित गुणों द्वारा कर्म कराया जाता है।

6. न बुद्धिभेदं जनयेदनानां कर्मसङ्गिनाम्।
जोषयेत्सर्वकर्मणि विद्वान् युक्तः समाचरेन्।।
अर्थात् : भगवान से जुड़ा व्यक्ति कर्मो में आसक्ति रखने वालों के मन से भ्रम न पैदा करे, सब कर्मों को अच्छी तरह करता हुआ उनसे भी कर्मों का सेवन कराये।

– देसराज
बी0ए0 द्वितीय वर्ष

विद्या

1) विद्या ददाति विनयं विनयाद्याति पात्रताम्।
पात्रत्वाद्धनमाप्नोति धनाद्धर्मस्ततः सुखम्।।

सरलार्थ : विद्या विनम्रता देती है। विनम्रता से योग्यता प्राप्त होती है। योग्यता से धन प्राप्त होता है, धन से धर्म और धर्म से सुख प्राप्त होता है।

2) गुरू शुश्रषया विद्या पुष्कलेन धनेन वा। अथवा
विद्यया विद्या चतुर्थ नैव साधनम्।।

सरलार्थ : विद्या प्राप्ति के तीन साधन हैं। गुरू की सेवा करने से, बहुत धन से अथवा विद्या से विद्या प्राप्त की जा सकती है। इन तीनों के अतिरिक्त विद्या प्राप्त करने का चौथा साधन नहीं है।

3) मातृपितृ कृताभ्यासो गुणितामेपि बालकः।
न गर्भच्युतिमात्रेण पुत्रो भवति पण्डितः।।

सरलार्थ : माता–पिता द्वारा प्रारम्भ में किए गए अभ्यास से बालक गुणों को प्राप्त करता है। यह बात नहीं हो सकती कि केवल मां के गर्भ से निकल कर कोई पण्डित नहीं बन जाता है।

– प्रीति
बी0ए0 तृतीय वर्ष

देश भक्ति

देशं प्रति मानवस्य स्नेह स्वाभविकः। एषः स्नेहः सर्वत्र दृश्यते। एषः न केवलं मानवेषु अपितु पशुषु, पक्षिषु, लता–पादपेषु अपि अवलोक्येते। मानवः देशस्य कणे–कणे स्निह्यति। देशस्य लता–पादपाः पशु–पक्षिणः पर्वत–सागराः नद–नद्य उत्सवाः तस्या मानसं सदा आकर्षन्ति। एतत् एव कारणम् यत मानवः विदेशे वसन् अपि स्वदेशस्य वारं–वारं स्मरति। यदा देशः परतंत्रः जायते, तदा असौ तस्य स्वतन्त्रतायै निज प्राणान् अपि ददाति। भारतम् परतंत्रम् आसीत्। देशभक्तानां बलिदानेन एव एतत् स्वतन्त्रम् अभवत्।

– रितिका देवी
बी0ए0 द्वितीय वर्ष

वाङ्मय तपं
(वाणी का तप)

1. शारदा शारदाम्भोजवदना वदनाम्बुजे।
सर्वदा सर्वदाऽस्माकं सन्निधि कियात्।।

भावार्थ : शरद् ऋतु के कमलों के समान मुख वाली सरस्वती विद्या – हमेशा हमारे मुख कमल में श्रेष्ठ कोष बनकर निवास करें

2. अपूर्वः कोऽपि कोशोऽयं विद्यते तव भारति।
व्ययतो वृद्धिमायति क्षयमायाति सञ्चयात्।।

भावार्थ : हे विद्या की देवी सरस्वती तुम्हारा यह कोई निराला ही खजाना है, जो कि खर्च करने से वृद्धि को प्राप्त करता है और इकट्ठा करने से विनाश को प्राप्त करता है।

3. नास्ति विद्यासमंचक्षुः नास्ति सत्यसमं तपः।
नास्ति रागसमं दुःख नास्ति त्यागसंयम सुखम्।।

भावार्थ : विद्या के समान दूसरी आंख नहीं है। सत्य के समान कोई तप नहीं है। आसक्ति के समान कोई दुःख नहीं है तथा त्याग और दान के समान कोई सुख नहीं है।

– पिंकी देवी
बी0ए0 द्वितीय वर्ष

वृक्षः

वृक्षाः जनाः स्वच्छम् वायुः ददाति। वृक्षः पणै पुष्पैः च शोभन्ते। अस्य वर्ण हरितः भवति। वृक्ष CO_2 ग्रहति O_2 वमति। वृक्षाः प्राणरहिताः जडपदार्थाः ना तेषामपि प्राणोऽस्ति। तेऽपि रोगग्रस्ता भवन्ति। वृक्षाः पादैः पातालं स्पृशन्ति। वृक्षाः पादैः (मूलैः) जलं पिबन्ति। वृक्षे काकः, चटकः शमेन च तिष्ठन्ति। वृक्षेषु भ्रमराः श्रमन्ति मधुपानं च कुर्वन्ति। वानराः वृक्षेषु कुर्दन्ति। वृक्षेण फलानि विकसन्ति। जनाः वृक्षाणाफलानि भक्षन्ति। वृक्षाः परोपकाराय फलन्ति।

– दीपिका
बी0ए0 तृतीय वर्ष

सूक्तयः

1. शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्।
   शरीर निश्चय ही धर्म का पहला साधन है।
2. अति सर्वत्र वर्जयेत्।
   अति को सब जगह छोड़ देना चाहिए।
3. संशयात्मा विनश्यति।
   सन्देह करने वाला नष्ट हो जाता है।
4. कः पर प्रियवादिनाम्।
   प्रिय बोलने वालों के लिए कोई पराया नहीं।
5. उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्।
   उदार हृदय व्यक्तियों के लिए तो पृथ्वी ही परिवार हैं।
6. स्वभावो मूर्हिन वर्तते।
   स्वभाव सबसे ऊपर होता है।

– मीनाक्षी चौधरी,
बी०ए० द्वितीय वर्ष

प्रकृतिः

प्रकृतिः माता सर्वेषाम्, बहूनाम् अपि फलानाम्।
बहूनाम् अस्ति वृक्षाणाम्, पुष्पाणाम् चापि भातेयम्।
भ्रमराणां, पशूनां, पक्षिणां च मातास्तिं।
जलेभ्यः जीवनं सदा, ददाति प्रकृतिः माता।
अस्ति सा तु मनोहरी, मातृणाम् अयि मातास्ति।
प्रकृतिः माता सर्वेषाम्, नमोऽस्तु ते माही प्रकृत्यै।

– अनीषा कुमारी
बी0ए0 तृतीय वर्ष

राष्ट्रीय कविता

हिमाचलो नाम मम प्रदेशः
यथा नदीषु सरिदस्ति गंगा,
यथा नरेषु रम्यश्च रामः
तथैव देश किल भारतोस्मिन्
हिमाचलो नाम मम प्रदेशः।।
राष्ट्रीय प्रहरी शिख्योन्नतस्य
धवलः किरीट दिशि उत्तरायाम्।
शैलो दुरूहः हिमवांश्च शुभ्र
हिमाचलो नाम मम प्रदेशः।
वृक्षा विशाल विलसन्त्यरण्ये,
ते देवदारू तालास्माला,
लतास्पुष्पाः बहुद्या लसन्ति,
हिमाचलो नाम मम प्रदेशः।।

– मीनाक्षी
बी0ए0 द्वितीय वर्ष

जिज्ञासा

यदि त्वं जीवितुमिच्छसि किं कर्त्तव्यम् ?
– तर्हि जीवनेन सह संघर्ष कुरू।
यदि त्वं त्यक्तुमिच्छसि किं कर्तव्यम् ?
– तर्हि त्यज दुर्गुणम्।
यदि त्वं वक्तुमिच्छसि किं कर्तव्यम् ?
– तर्हि सत्यं वद्।
यदि त्वं किमपि ग्रहीतुमिच्छति ?
– तर्हि आशीर्वादं गृहणातु।
यदि त्वं किमपि दातुमिच्छसि ?
– तर्हि ज्ञानदानं कुरू।
यदि त्वं किमपि कर्तुमिच्छसि ?
– तर्हि उद्यमं कुरू।

– गुलशनः
बी0ए0 तृतीय वर्ष

संस्कृत भाषा का महत्व निबंध

संस्कृत भाषा अस्माकं देशस्य प्राचीनतमा भाषा अस्ति। सर्वे प्राचीनग्रन्थाः चत्वारो वेदाश्च संस्कृतभाषायामेव संति। प्राचीनकाले सर्वे एव भारतीयाः संस्कृत भाषाया एव व्यवहार कुर्वत स्म। कालान्तरे विविधाः प्रान्तीयाः भाषाः प्रचलिताः अभवन किंतु संस्कृतस्य महत्वम् अद्यापि अक्षुण्णं वर्तते। संस्कृत भाषायाः यत्स्वरूपम अद्य प्राप्यते तदेव अद्यतः सहस्त्रवर्षपूर्वम् अपि आसीत्।
संस्कृतभाषा भारतराष्ट्रस्य एकतायाः आधारः अस्ति।
अस्य व्याकरणं पूर्णत् तर्कसम्मत सुनिश्चितं च अस्ति।
संस्कृतभाषायाः स्वरूप पूर्णरूपेण वैज्ञानिक भाषा च अस्ति।
आधुना सङणकस्य कृते संस्कृत भाषा अति उपयुक्त अस्ति।
विद्या के अलावा और कोई ज्ञान नहीं है।

– प्रिया चौधरी
बी0ए0 तृतीय वर्ष

जलम्

जलम् एव जीवनम् इति उक्त्यनुसारम् अस्माकं जीवने जलस्य आवश्यकता वर्तते। जीवनाय जलम् आवश्यकं वर्तते। तृष्णायां सत्या जलेन एव निवारणं भवति। पृथिव्याः जीवानां कृते आवश्यकं तत्वम् अस्ति जलम्। अस्माकं सौभाग्यम् अस्ति यत् पृथिवी जलीयः ग्रहः वर्तते। जलं सौरमण्डले दुर्लभं वर्तते। अन्यत्र कुत्रापि जलं नास्ति। पृथिव्यां जलं पर्याप्तम् अस्ति। अतः पृथिवी नीलग्रहः इति उच्चयते। जलं निरन्तरं स्वरूपं परिवर्तते। सूर्यस्य तापेन वाष्पस्वरूप, वर्षामाध्यमेन जलस्वरूपं धरति। जलं महासागरेषु, वायुमण्डले, पृथिव्यां च परिभ्रमति। जलस्य तत्परिभ्रमणं जलचक्रं कथ्यते। अस्माकं पृथिवी स्थलशाला, इव अस्ति। अलवणस्य जलस्य मुख्यं स्त्रोतः नदी तडाग, हिमनदी च वर्तते। महासागराणां, समुद्राणां च जलं लावण्यं वर्तते। तस्मिन् जले सोडियम् क्लोराइड, पाचकलवणं च प्राप्यते।

– राधा
बी0ए0 तृतीय वर्ष

परोपकारः

परेषां उपकारः परोपकारः कथ्यते।
परोपकारः सज्जनानाम् महत् गुणः कथ्यते।
परोपकारम् कृत्वा ते हर्षम् अनुभवन्ति।
न केवलं मनुष्याः अपितु सर्वाः प्रकृतिः।
अपि परोपकारः संलग्ना दृश्यते।
वृक्षा परोपकाराय फलन्ति,
नद्या परोपकाराय वहन्ति,
गावाः परोपकाराय दुग्धं यच्छन्ति,
मेघाः परोपकाराय वर्षन्ति,
महापुरूषः जीवने परोपकाराय जीवन्ति।
दधिचिः ऋषि अपि परोपकाराय निज अस्थीनि ददौ।
ये जनाः परोपकारम् कुर्वन्ति ते महत् पुण्यं अर्जन्ति।
परोपकार एव प्राणीनां स्वभाविक गुणाः भवन्ति।
परोपकार एव जीवनस्य लक्ष्य भवितव्यम्।
अस्माभिरपि एष गुणः निज जीवने धारणीयः।

— शिल्पा
बी0ए0 तृतीय वर्ष

ज्ञान-विज्ञान योग

मय्यासक्तमनाः पार्थ योगं युञ्जनमदाश्रयः।
असंशयं समग्रं यथा ज्ञास्यमि तत्शृणु।।
ज्ञानं तेज्हं सविज्ञानमिंद वक्ष्याम्यशेषतः।
यज्ञात्वा नेह भूयोऽन्योज्ञातव्यमवशिष्यते।।
भूमिरापोऽनलो वायुः खां मनो बुद्धि रेव च।
अहङ्कार इतीयं मे भिन्ना प्रकृतिरष्टधा ।।

—मलका

मम् मातृभूमि

"जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी।" मातृभूमि जन्मतः आरभ्य मृत्युपर्यन्तम् अस्माकं रक्षण पोषण च करोति। माता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः' इति वेद वाक्यम् अस्ति। मातृभूमि सर्वैः नरै वन्दनीया भवति। येन—केन प्रकारेण मातृभूमेः रक्षणं करणीयम्।

— प्रितिका
बी0ए0 तृतीय वर्ष

संस्कृत में वेद व्यास पर निबंध

वेदव्यासः हिन्दुपरम्परायां प्रमुखः। महाभारतस्य रचनाकारः भगवान व्यासः। वेदानां विभागः अनेन कृतः इत्पतः वेदव्यासः इति एतस्य नाम। द्वीपे अस्य जन्म अभवत् इत्यतः 'कृष्णद्वैपायनः इत्यति एतस्य नाम। एतस्य पिता पराशरमुनिः माता च सत्यवती। व्यासस्य शैली अपि वाल्मीकेः इव सरला एव महाभारतम् अपि आधिक्येन अनुष्टुप्छन्दसा एव उपनिबद्धम् अस्ति। भगवान वेदव्यासः महर्षः पराशरस्य पुत्रः। एषः कैवर्तराजस्य पालितपुत्र्याः सत्यवत्याः गर्भे जन्म प्राप्तवान्। एषः कश्च्न अलौकिकः शक्तिसम्पनः: महापुरूषः अपि च महानाकारक पुरूषः आसीत्।

— रूची
बी0ए0 तृतीय वर्ष

भारतीय संस्कृति

सम उपसर्गपूर्वकात कृ धातोः क्तिन प्रत्ययेन संस्कृतिः शब्दो निष्पयते। कस्यापि देशस्य राष्ट्रस्य वा जनैः योऽपि व्यवहार आचारश्च क्रियते। तत सर्वं तस्य देशस्य संस्कृतिः कथ्यते।

विश्वस्य सर्वासु संस्कृतिषु भारतीया संस्कृतिः सर्वाधिक प्राचीना उत्कृष्टा च वर्तते। अस्याः वैशिष्टयमेतदेव यत् अनेकैं वैदेशिकं आक्रान्ताः एनां नष्टुं प्रयत्न कृतम् किन्तु एषा न नष्टा, अपितु अद्यापि अक्षुण्णा एव दृश्यते।

वस्तुतः अस्या ईदृशानि तत्वानि सन्ति, कानिचित् यैरेषा दीर्घकालानन्तरमपि अद्य सवोत्कृष्टतां अध्ययन अपेक्षितम् संस्कृतभाषायाः प्रतिकाव्यं स्वस्मिन भारतीयसंस्कृतेः उदात्तरूपस्य गाथा वर्तते।

भारतवर्षस्य प्रतिग्रामं अस्याः स्वरूपं कथयति। वस्तुतः वयं अद्यापि स्वसंस्कृति प्रति गौरवं अनुभवामः। अस्याः मुलाधारो वेदाः सन्ति वेदाश्च विश्वस्य प्राचीनतमानि पुस्तकानि सन्ति। इत्यर्थ संस्कृतिरेषा विश्वसंस्कृतिषु प्राचीनतमा विद्यते। ऋग्वेद भपितमस्ति।

– प्रियंका देवी
बी0ए0 तृतीय वर्ष

अनुशासनम्

1. समाजे नियमानां पालनम् अनुशासनम् भवति।
2. अनुशासनं बिना किमपि कार्य सफलं न भवति।
3. जीवने अनुशासनस्य विशेषं महत्वं भवति।
4. छात्रेभ्यः अनुशासनम् परमावश्यकम् अस्ति।
5. प्रत्येके पदे अनुशासनम् आवश्यकं भवति।
6. सामाजिक व्यवस्था हेतु अनुशासनं अत्यन्तावश्यकम् अस्ति।
7. अनुशासितः सर्वेभ्यः प्रियं भवति।
8. शिक्षकस्य अनुशासने छात्राः निरन्तरं उन्नतिं पदे गच्छन्ति।
9. यस्मिन् समाजे अनुशासनं न भवति तत्र सदैव कलः भवति।
10. यः नरः पूर्णतया अनुशासनं पालयति सः स्वजीवने सदा सफलः भवति।
11. प्रकृतिः अपि ईश्वरस्य अनुशासने तिष्ठति।
12. अतः अनुशासनस्य पालनं जीवने बहु आवश्यकम् भवति।

–किरन बाला

गीता के श्लोक

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूमा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि।।

अर्थ : श्री कृष्ण कहते हैं कि हे अर्जुन! कर्म करना तुम्हारा अधिकार है। परन्तु फल की इच्छा करना तुम्हारा अधिकार नहीं है। कर्म करो और फल की इच्छा मत करो अर्थात् फल की इच्छा किए बिना कर्म करो क्योंकि फल देना मेरा काम है।

वासांसि जीर्णानि यथा विहाय, नवानि गृहाति नरोऽपराणि।
तथा शरीराणि विहाय जीर्णा, न्यन्यानि संयाति नवानि देही।।

अर्थ : श्री कृष्ण भगवान कहते हैं – जिस प्रकार मनुष्य पुराने वस्त्रों को त्याग कर नए वस्त्र धारण करता है, ठीक उसी प्रकार जीव आत्मा भी पुराने शरीर को त्याग कर नए शरीर को धारण करती है, इसलिए ज्ञानी पुरूष कभी किसी के मरने का शोक नहीं मनाते।

यदा यदा ही धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

– रितिका देवी
बी0ए0 द्वितीय वर्ष

संस्कृत में वेद व्यास पर निबन्ध

वेदव्यासः हिन्दुपरम्परायाः कश्चन प्रमुखः।
महाभारतस्य रचनाकारः भगवान् व्यासः।
वेदानां विभागः अनेन कृतः इत्यतः वेदव्यासः।
इति एतस्य नाम। द्वीपे अस्य जन्म अभवत् इत्यत 'कृष्णहौ पायन' इत्यापि एतस्य नाम।
एतस्य पिता पराशरमुनिः माता च सत्यवती,
व्यासस्य शैली अपि वाल्मीके रूप सरला एवं महाभारतम्
अपि आधिक्येन अनुष्टुप्छन्दसा एव उपनिबद्धम् अस्ति।
भगवान वेदव्यासः महषेः पराशरस्य पुत्रः।
एषः कैवर्तराजस्य पालितपुत्र्याः सत्यवत्याः गर्भे जन्म प्राप्तवान्।
एषः कश्चन् अलौकिकः शक्तिसम्पन्नः महापुरूषः अपि च महानाकारक पुरूषः आसीत्।

– ईशा चौधरी
बी0ए0 तृतीय वर्ष

प्रकृति

प्रकृतिः माता सर्वेषाम्
बहूनाम अपि फलानाम्
बहूनाम अस्ति वृक्षाणाम्
पुष्पाणाम् चापि मातेयम्।
भ्रमराणां, पशूनां ,
पक्षिणां च मातास्ति
जनेभ्यः जीवन सदा
ददाति प्रकृतिः माता।।
अस्ति सा तु मनोहरी
मातृणाम् अपि मातास्ति
प्रकृतिः माना सर्वेषाम्
नमोऽस्तु ते मात्रे प्रकृत्यै।

– पल्लवी
बी0ए0 तृतीय वर्ष

भारतवर्षः

अस्माकं देशः भारतवर्षम् अस्ति अयं हि हिमालयात् रामेश्वरम् पर्यन्तम् पूरीतः द्वारका पर्यन्त प्रसृतः अस्ति। अत्र कलकता, बम्बई, मद्रास, कानपुर, नगर्यः सन्ति। अत्रैव राम–कृष्ण गौतमः जाताः। गांधी नेहरू पटेल प्रमुखाः महापुरूषाः अत्रैव उत्पन्ना अयं देश ग्रामप्रधान कृषिप्रधान कथ्यते। संस्कृत भाषाया आत्मना अस्ति।

– काजल
बी0ए0 तृतीय वर्ष

।। ॐ श्री परमात्मने नमः ।।

।। अथ श्रीमद्भगवद्गीता अथ प्रथमोऽध्यायः।।
धृतराष्ट्र उवाच्च
धर्मक्षेत्रे कुरूक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः।
मामकाः पाण्वाश्चैव किमकुर्वत सञ्जय।।2.21।
सञ्जय उवाच।
दृष्ट्वा तु पाण्डवानीकं व्यूढं दुर्योधनस्तदा।
आचार्यमुपसंगम्य राजा वचनमब्रवीत्।।
पश्यैतां पाण्डुपुत्राणामाचार्य महतीं चमूम्।
व्यूढां द्रुपदपुत्रेण तव शिष्येण धीमता।।

– दीपिका
बी0ए0 तृतीय वर्ष

स्मृति-चित्र

आकृति फिर वही
फिर वही उभरी है
देखते–देखते
घेर कर बैठ गई हैं।
अपनी जगह कैनवस पर
बांह से जुड़ा एक चेहरा
तिरछी काट में मेज पर टिका।
चेहरा वह
खिसक आया है मेरे और करीब
पूछता हुआ मुझसे –
क्या तुम वही हो ?

– कनिका मैहरा
बी0ए0 तृतीय वर्ष

संस्कृत के महत्व पर निबंध

प्राचीनकाले भारतस्य जनभाषा संस्कृतम् आसीत् इति सर्वे जनाः विदाङकुर्वान्ति। संस्कृतस्य महत्वं वर्तमानपरिप्रेक्ष्ये अधिकम् अस्ति। अमेरिकायाः सर्वोकृष्ट अनुसंधान संस्था "नासा" अस्ति। तस्याः अभिमतम् अस्ति यद आंतरिक्षे संवादं प्रेषयितुं संस्कृतमेव उपयुक्तम् अस्ति। यतोहि, यदा "नासा" इति संस्थायाः वैज्ञानिकाः अन्यभाषायां संवादं प्रेषयन्ति तदा संवादान् नैव सत्यकतया आन्तरिक्षमुपगच्छन्ति। किन्तु संस्कृतभाषायाः इदमेव वैशिष्टयम् अस्ति, यत् संगदानाम् विपरीत अवस्थायामपि कोऽपि भेदो भवति एतदर्थ वैज्ञानिकाः संस्कृत भाषयामेव संवादान् प्रेषयितुं समर्थाः संजाताः। इदानीं केचन जना स्वीकुर्वन्ति यत् संस्कृत भाषा केवलं पौरोहित्य, कर्मकाण्डादि, नित्यनैमित्तिक, कर्मणान् कृते एव अस्ति। किन्तु अयं सिद्धान्तः तर्कहीनः वर्तते। संस्कृते ज्ञानस्य सर्वाः विधाः समुपलब्धाः सन्ति। इति वैदोशिकाः विद्वांसः अपि स्वीकुर्वन्ति। अस्माकं परमकर्तव्यमस्ति यद् भारतीयसंस्कृतेः रक्षणाय भारतस्य प्रतिष्ठां स्थापनाय च संस्कृतभाषायाः अध्ययनम् अध्यापनम् चं नितराम् अस्माभिः कर्तव्यम्।

— शालिनी
बी0ए0 तृतीय वर्ष

नीति श्लोक

1) केपूराणि न भूषयन्ति पुरूषं हारा न चन्द्रोज्ज्वलः
न स्नानं नविलेपनं न कुसुमं नाउलंकृता मर्धजाः।
वाण्येका समलकरोति पुरूषं पा संस्कृता धार्यते,
क्षीयन्ते खलु भूषणानि सततं वाग्भूषणं भूषणम्।

2) लभेत सिकतासु तैलमपि यत्नतः पीडयन,
पिबेच्च मृगतृष्णिकासु सलिलं पियासदितिः।
कदाचिदपि पर्यटश्विषाणमासाऽयेत,
न तु प्रतिनिविष्ट मुर्खजनचित्त माराधयेत्।

3) स्वायत्तमेकान्तगुणं विनिर्मियतं छाडनमनजतायाः।
विशेषतः सवेविटां समाजे विभूषणं मौनमपण्डितानाम्।

— रीचा भारती
बी0ए0 तृतीय वर्ष

संस्कृतिः संस्कृताश्रिता

साक्षात्कृतर्धाणः ऋषयो बभूवरिति यास्ककथनं प्रतिपादयति यद् ऋषिभिर्यत्किञ्चिपि निर्दिष्टं चिन्तितञ्च, तत्सार्वकालिकं श्रेयस्करञ्चास्ति।

कस्यापि देशस्य, समाजस्य क्षेत्रविशेषस्य, वाऽऽचारो व्यवहारञ्च तस्य सांस्कृतिकः पक्षो भवति।

'जनैः परस्परं कथ व्यवहर्तव्यम, दैनिको व्यवहारः कीदृशो भवेत्, परिवारे पारस्परिक सम्बन्धः कीदृशः स्यात्, के के नैतिकादर्शाः परिपालनीयाः, कानि–कानि कर्माणि ज्याज्यानि इत्यानि सम्बन्धे शास्त्रेषु सिद्धान्ताः निहिताः सन्ति। आचार व्यवहार सम्बन्धे ऋषिमतानि एव भारतीय संस्कृतेः स्रोतांसि सन्ति। तेष्वेव चेयं संस्कृतिराश्रिता। अत एवोच्यते – 'संस्कृतिः संस्कृताश्रिता। 'धर्मार्थकाममोक्षाणं सतम्भेषु संस्कृति संबंधे आश्रिता संस्कृतिरियं सर्वेभ्यः सुखदात्री क्षेमकारी, मंगलप्रदा च। संस्कृतग्रन्थेषु संस्कृति संबंधे संग्रहीतानां शास्त्रनिर्दिष्टानां सिद्धातानां सार्थकतां प्रासंगिकतां चाभिलक्ष्यैव प्राचीन ग्रन्थानां महत्वं वैशिष्टयं च प्रतिपादयन् पाश्चात्य–विद्वान विण्टरनित्जः कथयति –

इत्थं स्पष्टं यत् संस्कृताश्रिता संस्कृतिः विश्वसंस्कृतेः
आधारस्वरूपा, अस्मिन सम्बन्धे यजुर्वेदोद्घोषः नितरां सार्थकः।

– सीमा
बी0ए0 तृतीय वर्ष

आतंकवादः

आतंकवादः विश्वस्य गुरूतमा समस्या वर्तये। संसारस्य प्रत्येक देशः अनेन केन–केन प्रकारेण पीडितः अस्ति। आतंकवाद स्वविनाश लीलया विश्वं ग्रसितु तत्परोऽस्ति। अनेक विश्वस्य अनेकानि क्षेत्राणि रक्त लिप्तानि जातानि। अनेन अनेक निर्दोषः जनाः प्राणान् अत्यजन महिलाः विद्यवाः जाता बालश्च अनाथाः अभवन्। आतंकवादे वे एव जनाः सम्मिलिता भवन्ति ये स्व स्वार्थ–पूर्ति कर्तुम् इच्छिन्ति संसारे च अशान्तेः वातावरण स्थापयितु कामयन्ते। शान्तीच्छुकैः देशौः आतंकवादस्य विनाशाय मिलित्वा प्रयत्नं कर्त्तव्यम् अन्यथा एषा समस्या सुरसामुखमिव अनुदिनं बौर्द्धपर्याएव।

– शिल्पा
बी0ए0 तृतीय वर्ष

BHAGSU

Session 2020-2021

SCIENCE SECTION

Teacher Editor
Dr. Anjana Kharyal
Assoc. Prof.
Dept. of Botany

Student Editor
Vishali
B.Sc. IIIrd Year
Botany Major
Roll No. 1910074

INDEX

S.No.	Topic	Name	Page No
1.	Message from the student Editor	Vishali	1
2.	Amazing, Funny, Interesting Facts about Plants	Vishali	2
3.	Green Algae	Samriti Sharma	3
4.	Magnetism	Priyanshu Garg	3
5.	Golden Rule	Ishika	4
6.	Three Golden Rules	Rohan	4
7.	Ice Stupa Artificial Glacier of Ladakh	Anchal	5
8.	The impact of Covid-19 on Student Equity and Inclusion	Priyanka	6
9.	Amazing Facts	Anshika	6
10.	Significance of Wild Flowers	Purnima Sood	7
11.	Fascinating Facts about Anatomy	Rigzin Dorje	8
12.	Global Warming & Climate Change	Gourav Sharma	9
13.	All About Science	Ishika	10

Message From the Student Editor

I feel privileged to represent the Science section of College Magazine "Bhagsu" for the session 2021. Colleg Magazine is not a mere collection of articles but a depiction of hard work that is put in by the students in every aspect. It brings out the hidden writer in a student & provides an opportunity to depict their creativity.

Each page of he college magazine is a bead, which completes the rosary called 'Bhagsu'. It reminds one about the various achievements of his/her contemporaries as well as the college. It also motivates the readers to come up and showcase their hidden talents. All the sections of Bhagsu are worth reading and mesmerizing.

I am indebted to the teachers of the Science Department for their guidance and support. I am thankful to also the writers of this section who gave their contribution to the Science section. I hope the readers will read it with delighted hearts and open minds.

My message to the readers is a quote:

We are what our thoughts have made us, so take care about what you think.

Words are secondary.

Thoughts live; They travel far.

Vishali
B.Sc. 3rd (Botany Major)
Roll No. 2190310709

Amazing, Funny, Interesting Facts about Plants

They surround us. They make our world a happier and beautiful place to live in. They nurture and nourish us. They are plants! Thriving in refreshing hues of green with bright & bold coloured flowers, a glance of green beauties is enough to make you feel good, innately.

But have you ever paused to admire them beyond their ever green beauty? Perhaps No! ! Therefore we have got down 10 amazing facts about plants that will make you feel more connected to your Natural buddies & will also water the roots of your brain making it flourish densely like the plants in your home or garden.

1. 70,000 plant species are utilised for medicinal & healing purposes. In all likelihood you may be nurturing indoor plants species for natural healing & a robust future.

2. Many plant species are used as natural cloth dyers. One of the oldest blue dyes comes from a plant called 'Word' that has been used since Neolithic times–more than 6000 years ago. For the betterment of your health and of the mother earth, grow plants for natural colours.

3. Eat natural, eat healthy because earth embraces more than 80,000 species of edible plants. Now, this is one of the interesting plant facts we bet you were clueless about.

4. One of the facts about plants, you should know is all teas (black, green, white) come from the plant of *camellia sinensis*. Different processing methods give them their unique characteristics.

85% of plant life is found in oceans. You only have 15% to take care of.

Vishali
B.Sc. 3rd Year
(Botany Major)
Class Roll No. 1910074

Green Algae

Forgetting that
It was a tree
The green algae
Climbed my feet
And my feet
Wanted to grow into earth
For some roots
And my hands
Growing into stems
with water

The flowers are
But grown in my heart
My breath its fragrance
My smiles its colors
The fruits are the abstractions

And the ideas
To consume.
Flowers all around me
Flowers of your sweet company

And the laughter
Like white butterflies
Flying from beneath those red lips

And talk like a bird's lament
In early cold dawn
After a long sleep in those nest
The roots and the stems
Fruits and flowers
So we are in this beauty
of surrounding

In swinging motions
In the breeze
That connects us together
Butterflies and Birds
Laughters and songs

Samriti Sharma
B.Sc. 3rd Years (Botany Major)
Class Roll No. 1910034

'MAGNETISM'

North - North
South - South
Poles of magnets
will rebel
against each other
push away
just like people
they repel
Like from like
Same from same
Spinning round
a circle game
'Fil North and South

Stay together
Just like people
Friends forever
Quiet- loud
Friendly-shy
It is an earthly fact
our planet is a magnet
opposite attract.

Priyanshu Garg
English Major
B.A. Ist Year
Class Roll No. 2100097

GOLDEN RULE

You told me about a golden rule where life was divided into infinite possibilities. But somewhere along that divided live.
I fell from grace and became only a remainder in time Quietly I count my mistakes hoping to shape a solution, to multiply the odds and finish my sufferings.

Ishika
B.Sc. 3rd Year
(Maths Major)
Class Roll No. 1911518

THREE GOLDEN RULES

Control the three
Tongue, habit and anger
Everyday pay respect to three
Mother, Father and Guru.
Remember the three in difficulties,
God, Friend and Death
Fight for the three,
Freedom, Justice and Honesty
Don't forget three,
Favour, Advive and Kindness
Dile for three
Religion, Country and friend,
Try to avoid the three
Bad Company, Selfishness & Sleep

Rohan
B.A 2nd Year
(Geography Major)
Roll No. 2004009

Ice Stupa Artificial Glacier of Ladakh

Ice Stupa was invented by Sonam Wangchuk in Ladakh and the project is undertaken by NGO Student's Education and Cultural Movement of Ladakh (SECMOL)

What is Ice Stupa?

It is form of glacier grafting technique that creates an artificial glaciers which are used for storing winter water in the form of comical shaped ice-mountain or heap.

As during summer water is short, the Ice Stupa melts to increase water supply for crops. This artificial glaciers was established in October 2013, 8 years ago in Ladakh. As Ladakh is cold desert and during the season of winter agriculture is not practised due to frozen or chilled soil and low air temperature,

During spring season, water requirement for sowing increases, whereas at the same time rivulets dry up. With annual rainfall of less than 50 millimeters, agriculture in Ladakh is entirely dependent on glacier and snow melt water due to climate change, the region experiences hotter summers with increase in melts along with shift in timing and ppt. of the melts. Subsequently, during the spring season water is more scare with in turn impacts the agricultures and food supplies of that area.

In October 2013, Sonam Wangchuk created the Ist frame work of 6 meters, Ice Stupa by freezing 1,50,000 l in Leh without any shade from Sun. Water was piped from upstream using gravity. There was no use of electricity or machinery for pumping water. Ice Stupa did not melts fully till 1 May 2014, even when the temperature was above 20^0C. With when the aim to promote artificial glacier and save water for irrigation, Ice Stupa competition was held in 2019 and 2020. In 2019, 12 Ice Stupas were built, in 2020 around 25 Stupas are being built. Sonam Wangchuk was awarded Rolex Awards for Enterprise (2016), Roman Magsaysay Award (2017), Global Award for sustainable architecture (2013) and also others. This project of making Ice Stupa is still in its infancy, and more work is needed, from technical aspects, such as ways to avoid water freezing in pipelines and site selection, to a better understanding of local micro climates and an improved distribution of H_2O across multiple users and villagers. There is need of such artificial glaciers in our country.

Anchal
B.Sc. 3rd Year (Botny Major)
Class Roll No. 19110084

The Impact of Covid-19 on Student Equity And Inclusion

The Corona virus (COVID-19) pandemic is having a profound impact, not only on peoples health , but also on how they learn work and live. Among the most important challenges created by COVID-19 is how to adapt a system of education built around physical schools. At its peak, more than 188 countries, encompassing around 91% of enrolled learners worldwide, closed their schools or colleges to try to contain the spread of the virus. School /College closures have a very real impact on all students, but especially in the most vulnerable ones who are more likely to face additional barriers. Children and youth from low-income and single-parent families, immigrant, refugee, ethnic minority and Indigenous, background and those with special education needs suffer by being deprived of physical learning opportunities, social and emotional support available. In schools and extra services such as school meals. These students are likely to lose the most in terms of educational outcomes and the support provided by schools if countries take insufficient measures to promote educational equity and inclusion. Beyond School / Colleges closures, this policy brief also examines the issue of school re-opening by presenting countries, current measures and providing policy pointers aimed to ensure that the pandemic does not further hinder the inclusion of vulnerable students in education systems.

Priyanka
B.Sc. 2nd Year
(Math Major)

Amazing Facts

- The human brain (when awake produces enough electricity to power a 40 watt lightbulb for 24 hours.
- When you sneeze all body functions stop–even your heart.
- The three smallest bones in the human body are found in your ear, where they vibrate in response to sound.
- The only part of the body that has no blood in the cornead of the eye. It receives oxygen directly from the air.
- Human's eyes are always in same size from birth, but the nose and ears keep growing till earth.

Anshika
B.Sc. 2nd Year
(Maths Major)

Significance of Wild Flowers

Nature in our environment and vegetation in nature plays an important role in our life. We see many beautiful species of trees and plants around us.

Although all trees, plants have their own importance, but there are some plants that are harmful to cultivation, which are called wild flowers and people often destroy them. While those wild flower plants also have many medicinal properties. In this way if we talk about plants, then all the plants have medicinal use. But it has often been seen that the medicinal knowledge of all types of plans in vegetation is not known to everyone. As I am talking about wild plants, which have medicinal uses. But some people due the to ignorance do not pay much attention to such plants and destroy them. There are example of some wild plants whose medicinal properties are very useful for the treatment of many diseases. For eg. I would like to tell here about the medicinal properties of two wild plants such as :-

1) Lantana Camara : Common name–Lantana

This is an agricultural weed, But due to its medicinal uses many managements prevent the Lantana plant from becoming an agricultural weed.

Medicinal Uses of Lantana: Its leaves are used for treating meana chickenpox, asthma, ulser, malaria, swelling, eczema, tumor, high blood pressure, bilious fever, sores, measles, fever, cold and high blood pressure.

2.) Ipomoea flower : Common name : Morning Glory

A number of pharmacological properties such as diuretic, blood purifier, deobstruent, laxative, carminative and anti-inflammatory actions have been described to this plant, besides its use to treat abdominal diseases, fever, headache and bronchitis.

At the end I would like to say that all types of plants found in nature have medicinal properties. Thats why we should preserve them instead of destroy them. Rather we should take a mature tour and take pictures of all kinds of plants present in the vegetation around us and find out about their medicinal properties,

Purnima Sood
M.Sc. Chemistry Sem-I
Roll No. 2120024

Fascinating Facts About Anatomy

Fact No-1 : The brain grows the fastest upto 5 years of age and the weight of an adult human brain is 1.5 kg.

Fact No.- 2 : The right -hand side of the human brain controls the left part of the body whereas the left side of the brain controls the right part of the body.

Fact No-3 : The human tongue is the strongest muscle and the jawbone is the hardest in the human body.

Fact No-4 : The liver is the largest external oxygen in he human body and the average weight of a human liver ranges between 1.44 kg and 1.66kg. This is the only organ, which gets dual blood supply from the hepatic arteries and hepatic portal.

Fact No-5 : The stomach is the widest, hollow, muscular, expendable and important organ of the human digestive system, which has a capacity to hold upto 1.5 litres of drinks or food.

Fact No -6 : The human egg or the ovum is the largest cell in the human body and it is produced by the female reproductive system.

Fact No.7 : The largest blood vessel is the aorta. On average, there are 100,000 miles of blood vessels in an adult human body.

Fact No- 8 : Kidneys are the excretory organ, which functions by purifying the blood by removing waste materials from the blood,

In males, the kidneys weigh 115 to 155 grams & in females, the kidneys weigh around 125 to 170 grams.

Fact No-9 : Lungs are the only organ in the human body that can float on water. The left lung is smaller than the right lung.

Fact No.-10 : There are more than millions of nerve cells in our central nervous system. These include 100 billion neurons in the human brain and about 13,500,000 neurons in the spinal cord,

Rigzin Dorje
B.A. Ist Year
Major Political Science
Roll No. 2102086

Global Warming And Climate Change

Global warming and climate change have emerged as a big problem for the whole world today. Statistics shows that by the end of 19th century the Earth's surface temperature has increased by 1.62^0F. Apart from this, the sea level has also increased by 8 inches.

What is Climate Change?

When there is a change in the average weather of a particular region. It is called climate change. Climate change can be felt in a particular place and also in the whole world.

Reasons of Climate Change

There is a layer of green house gases on the earth, In this layer there are gases like methane, nitrous oxide and carbon dioxide. In the modern era, as human activities are increasing, In the same way green house gases are also increasing and because of this global temperature is increasing.

Effects of Climate Change

Due to climate change the whole world affected by the rise in temperature. Agriculture will also have a very bad effect on the water cycle. Due to this there will be very bad effect on the health of human beings. The sea level will rise and flood situation will arise in the low-lying coastal areas.

Climate change and global warming are very big problems. It is time to get serious about these problems and reduce their effects. Today, there is a need for an internationally comprehensive plan for the inclusive and sustainable development of the global community on a global scale.

Gourav Sharma
B.A. Ist Year (Economics)
Roll No. 2101577

All About Science

Energy is everywhere, this almost everyone knows.
It's in wind, Hydrogen and even in the sun that glows.
Solar panels gives us solar energy, and windmills gives us wind energy Now you know that even people like you, have energy to spend just like me.
Elements are in everything, we use.
All is for gold, it's in the jewellery we hold,
and if you say "No way!" I would have no excuse.
H_2O is water, O^2 is oxygen.
The air use to fill balloons is known as Helium.
DNA is in all of us, and it holds every gene.
Don't be confused by the pants "Jean" cause that's not what I mean
DNA can be blood or even hair.
DNA is everywhere.
There are two types of Changes.
Physical and chemical
Physical is like eating a banana and chemical is like banking cookies.
Those are the changes for all you rookies.

Ishika
B.Sc. 3rd Year
Math Major
Roll No. 1941518

Bhagsu

Planning Forum Section

Session : 2020-21

Teacher Editor :
Dr. Sonika

Student Editor :
Shagun Bains

Table of Contents

Sr. No.	Topic	Writer	Page No.
1.	Editorial	Shagun Bains	1
2.	Tourism beyond Covid-19	Sejal	2
3.	Monetary Policy and Interest Rates	Amit Choudhary	3
4.	Digital Marketing	Riya Pathania	4
5.	Economic, Political and Social impact of Covid-19 Pandemic	Sapna	5
6.	Cryptocurrency	Sakshi	6
7.	Electronic Commerce	Askhita Goswami	8
8.	E-Tourism	Sakshi	10
9.	Startup India	Riya Pathania	11
10.	Does money make using things	Tamanna	12
11.	Mutual Funds	Kanika Kumari	13
12.	The Economics of Social Security	Aksha Thapa	14
13.	GDP of Himachal Pradesh	Mansi	15
14.	Industrialisation in Himachal Pradesh	Priyanka Awasthi	16
15.	Commerce-A Job Oriented Course	Shagun Bains	17
16.	Role of ICT in Online	Rishika Mahal	18
17.	कोविड ने बदली हमारी दिनचर्या	प्रिया देवी	19
18.	My Heaven's Bank Account	Amrisha Guleria	20
19.	Role of Tourism in Himachal Pradesh	Pallavi Sharma	20
20.	Rights and Responsibilities	Akshu Dhiman	21
21.	Pradhan Mantri Kaushal Vikas Yojana (PMKVY)	Bhavya Gupta	22

Editorial

I feel highly privileged that Dr. Sonika, Staff Editor of "Planning Forum" has given me a chance to represent Planning Section in "Bhagsu" magazine 2020-21 edition as a student editor. I wish to thank Dr. Sonika and student writers from bottom of my heart for their valuable contribution. Planning Section is not a result of individual efforts, but result of collective efforts of all who have taken initiative.

Planning Section of Bhagsu magazine encourage students to write and provide sample source of knowledge for readers and help them in understanding the various economics and financial aspects, that are integral part of our society. The niche of this section is to make readers aware of new economic and financial changes, formulation of new policies and about the problems related to economy their causes, efforts on society and on economy as whole, and solution to those problems. Hope you will read the content and imbibe well. For readers enjoy the section and always remember.

A reader lives a thousand lives before he/ she dies ...

- Shagun Bains
B.Com. IIIrd Year
Student Editor

E-Tourism beyond Covid-19

Introduction :

Since being first reported by Chinese government to World Health Organisation (WHO) on December 31, 2019 and later declared as a pandemic by the WHO on March 11, 2020 (WHO 2020), the Covid-19 virus, within a short period of only several months, has caused an unprecedented global series with enormous impacts on our political, social and economic system. As May 18th 2020 more than 316,000 deaths have been recorded with more than 4.8 million people infected. As its negative effects continue to ripple throughtout the world, governments at both regional and national levels have so far issued and implemented policies involving travel bans, community lock down stay– at home orders, self or mandatory - quarantine and other business specific constraints to a varying degress. As a result, travel and tourism have literally come to a halt, and the economic activities of the airline industry to be prior to the pandemic. While some economies are gradually reopening, the overall situation remains volatile due to high contagiousness of the virus and the lack of an immediate treatment of vaccine.

Tourism as a field of study :

In many ways e-Tourism research has not necessarily been affected by crisis while physical tourism have come to a stand-still past and potential tourists have been busy ruminating about past trips on social media by sharing vaccation memories and dreaming about future vaccations on destination or travel agency websites. Museums have opened virtual doors to their exhibitions and bound wannabe tourists stuck in quarantine are flocking to these and other virtual experiences. Disappointed tourists standed on trips and make complaints.

Consequently, e-Tourism research could continue as crucial, adapting its theories, methodologies, data and designs efforts to new business / government requirements and travel realities.

Closing Remarks :-

The prominent American biologist and Pulitzer Prize winner E.O. Wilson once said, "The real problem of Humanity is the following : We have Palelithic emotions, medieval institutions and godlike technology. The Covid-19 crisis has revealed the problematic nature of this situation to great extent from selfish panic buying of toilet paper to motions and corporations racing to re-establish the status quo to an almost religious belief in technology as the ultimate saviour indeed, much of the Covid-19 recovery efforts in tourism during and post Covid-19.

- Sejal
B.Com. IInd Year

Monetary Policy and Interest Rates

It is generally believed that monetary policy is transmitted to the economy through effect on market interest rates. According to a standard view, a restrictive monetary policy by the federal reserve pushes up both short and long term interest rates leading to less spending by interest sensitive sectors of the economy such as housing consumer durable goods etc.

During the recent crisis many specific credit markets became blocked. For instance central banks blocked. For instance Central Banks set up a special facility to buy commercial paper to ensure business to continue access to working capital.

Thus monetary plays a vital role in controlling money supply and thus also effect the interest rates. It depends upon the government that how they influence the policy for betterment of country.

- Amit Choudhary
B.Com. IIIrd Year

Digital Marketing

So what is Digital Marketing ? Is it selling up of goods and rendering services only ? Or is it marketing up of only digital items ? Is it safe for the customers ? Yes here is an answer to all of our questions!

Digital Marketing has a very wide scope starting with promotion of different brands products through advertisements, short clips and many more.

Today's youngsters are too lazy to go out and have shopping of products and asking to render services, digital marketing have provided a scope to all these problems. All we have to know is to know work online, choose among varieties of brands the thing which is best suited to us or our needs.

Digital Marketing is a combo of two skills Digital platforms and Marketing Science. One has to excelling in both to be expertise in it. From competitive advantages point of view by using Internet platforms, businesses can create competitive advantage through various means. Through this a business can create a system in which they are able to pinpoint behavioural patterns of clients and feed back on their needs.

If we talk about today's time, then there are number of institutes over world and India which provide knowledge about digital marketing. Digital Marketing have not only made work easy of customers, but it have provided employment to various people, it is exploring day by day and plans to lead over the globe. The first objective is 'Customer Satisfaction' and then earning of profit.

If we talk about safe zone of customers then we have cash on delivery option use of debit or credit cards or other electronic payment systems as per there convenience and we have a separate department to look after the grievance and complaints of customers to look after it.

Digital Marketing is not free not cost effective, it is more productive, it's a two way communication.

- Riya Pathania
B.Com. IInd Year

Economic, Political and Social impact of Covid-19 Pandemic

Covid-19 is a respiratory disease caused by the virus SARS-COV-2, was identified in Wuhan, China in Dec. 2019 and quickly spread to other parts of the world, closing the borders was the first step most government took to stop the spread of Corona, followed by complete lockdown and limiting the opening of business and shops.

Covid-19 epidemics have caused huge negative impacts on population, health of the economy, education and even national and international security, global cities like New York, London, Mumbai looked like ghost towns at the height of Covid-19.

To enforce social distancing business where people gather have been forced to close, major companies in India temporarily suspended or significantly reduced operations.

The entertainment industry consisting of movie theatre, sports centers, concerts etc. are recling under this constraints.

Another sector, that has been affected more is the service industry including restaurants, beauty parlour, spas etc.

Stock market have crashed and plenty of large and small business had failed to service. The Covid-19 Pandemic has impacted politics both international and domestic by affecting the governing and political system of multiple countries, causing suspensions of legislative activities, isolation or deaths of multiple politicians.

This pandemic has affected all segments of society Covid-19 has created a global health crisis where countless people are dying, human suffering is spreading and people lives are being upended people with no home or shelter, such as refugees, migrants or displaced person will be suffering disproportionately, both during the pandemic and its after month.

Children being out of school, might forget some fact as well as there will be impact of their learning capacity.

Older people are particularly affected by Covid-19, they need special attention during the Covid-19 crisis and their voice, options and concerns are important in formulating responses, people with disabilities, are more likely to experience isolation

and other forms of mental distress as a result of pandemic.

The overall economic system has deteriorated due to this pandemic, and it will greatly affect the social, political and economic aspect of the lives of the people in future. The government is doing its best with a most effort to reduce the impact of Corona Virus.

- Sapna
B.Com. 2nd Year

Cryptocurrency

A cryptocurrency or crypto, is a virtual currency secured by cryptography. It is designed to work as a medium of exchange, where individual ownership records are stored in a computerised database.

The defining trait of a cryptocurrency is that they are not issued by the government agency of any country making them immune against any interference of manipulation from them.

Cryptocurrency is a digitlised assets spread through multiple computers in a shared network. The decentralised nature of this Network shields them from any control from government regulatory bodies.

The term 'Cryptocurrency in itself is derived from the encryption techniques used to secure the Network.

Types of Cryptocurrency

The first type of crypto currency was Bitcoin, which to this day remains the most-used, valuable and popular. Bitcoin was launched in 2009 by an individual or group known by the pseudonym 'Satoshi Nakamoto'. As of March 2021, there were over 18.6 million bitcoins in circulation to with a total market cap of around $ 927 billion.

Some other Cryptocurrency

Bitcoin, Peercoin, Namecoin, Etherlum, Cardana and so on.

Today, the aggregate value of all the cryptocurrencies in existence is around

$1.5 trillion - Bitcoin currently represents more than 60% of the total value.

Cryptocurrency work

A cryptocurrency (or "Crypto") is a digital currency that can be used to buy goods and services, but uses an online ledger with strong cryptography to secure online Transactions.

Cryptocurrency is a form of payment that can circulate without the need for a central monetary authority such as a government and bank. Cryptocurrencies are created using cryptographic techniques that enable people to buy, sell or trade them securely.

Cryptocurrency operates on a blockchain, the digital ledger of cryptocurrency transactions, ensuring that the same coin is never used twice.

Transactions are processed on a blockchain Network made up of thousands of machines and in return for the efforts of these machines, owners can earn cryptocurrency.

Advantages of Cryptocurrency

- Funds Transfer between two parties will be easy without the need of third party like credit / debit, banks.
- It is a cheaper alternative compared to other online transactions.
- Payments are safe and secured and offer an unprecedent level of anonymity.
- Modern Cryptocurrency systems come with a user "Wallet" or account address which is accessible only by a public key and private key. The private key is only known to the owner of the wallet.
- Funds transfer are compared with minimal processing fees.

Disadvantages of Cryptocurrency

- The almost hidden nature of cryptocurrency transactions makes them easy to be the focus of illegal activities such as money laundering, Tax-evasion and possibly even terror-financing.
- Payments are not irreversible.
- Cryptocurrency are not accepted everywhere and have limited value elsewhere.

- Sakshi
B.Com. IInd

Electronic Commerce

In the 21st century, the rapid development of information technology and the rapid increase in information exchange have brought new drives and innovative ideas to the whole society. The wide adoption of information technology by the community has led to great changes. These changes are not simply in the context of data processing or computing. They are changes which affect how we communicate with each other, how we organise our daily activities, how we educate the younger generation, and how we run business. The great development and acceptance of information technology, computer network and internet have transformed the mode of operation of many businesses, and at the same time have brought along unprecedented business opportunities. Businesses are now able to conduct transactions across geographical boundaries, across time zones and at a high efficiency. E-commerce has become the market trend of the century. Life has become very busy these days. Odd working hours, hectic schedules and time constraints have changed how people shop these days. Hence, E-Commerce has become the preferred method of shopping for many people. They love the ease with which they can shop online from their home at any time of the day or night. Purchasing options and are quick and convenient with the ability to transfer funds online. Consumers save time and money by searching for items and making their purchases online. It can take several days of physically going from location to location, costing time and fuel, to purchase a hard-to-find item. Moreover, E-Commerce is an efficient retail method for business transactions. Start-up costs for establishing an E-Commerce business is far less than expanding your business with more brick and mortar locations. Fewer licenses and permits are required to start an online business than that of a physical store location. You will also save money by using fewer employees to perform operations such as managing inventory and billing customers. You won't have to search for an appropriate geographic location or worry about paying high utility costs for the facility.

Advertising done well on the web can get even a small firms's promotional message out to potential consumers in every country in the world. A firm can use electronic commerce to reach narrow market segments that are geographically

scattered. The web is particularly useful in creating virtual communities that become ideal target markets for specific types of products or services.

E-Commerce is the basic buying and selling of goods and services, or the transmitting of funds or data, over an electronic network, primarily the internet. It means business transactions through the internet, telephone, credit card, etc. without the help of cheque or physical payment of money on the part of the buyer. The money is paid by the bank or company. It is the most modern method of transaction and is in practice in the developed countries of the world. E-Commerce is especially convenient in import and export businesses. It requires the company to have the ability to satisfy the multiple needs of different customers and provide them with a wider range of products. An importer in one country can know about a commodity he/ she wishes to import from another country and order for it through the internet without being physically present there. He/she may even see the commodity on the screen and be sure of its quality. Thus money, labour and time are saved in the transaction through the E-Commerce system.

The prospectus are, in no doubt, great for E-Commerce and its followers. But still, there are some consumers who are reluctant to embrace E-Commerce because of privacy issues. Making an online purchase often requires disclosing personal information such as an address, number and banking details. While many feel making an online purchase does not compromise their personal information, some still prefer not to take a chance of having their account information accessed by a third party and will only make their purchases at a storefront operation.

- Akshita Goswami
B.Com. II Year

E-Tourism

E-Tourism also known as travel technology or "e-Travel", e-Tourism/ Travel is the growth of Tourism and Travel contribute in social, culture, education and economic sector of Nation. The new form of E-Tourism offering major opportunities for all Tourism.

E-Tourism provide Tour & Travel information and services through webPage.

The definitions of tourism innovation (e.g. product, service and technological innovations) remains unclear, with the exception may be of the Internet. New technologies can produce an essential contribution to Tourism development.

For Tourism businesses, the Internet offers the potential to make information and booking facilities available to large number of tourists at relatively low costs. It also provides a tool for communication between tourism suppliers intermediaries, as well as and consumers. OECD (2000) revealed that the advent of Internet based electronic commerce offers considerable opportunities for firms, to expand their customer base, enter new product markets and rationalise their business. WTO (2001) also indicated that electronic business offers SHEs the opportunity to undertake their business in new and more cost effective ways.

According to WTO, the Internet is revolutionising the distribution of tourism information and sales. An increasing proportion of Internet users are buying online - and Tourism will gain a larger and larger share of the online commerce market. The Internet is having a major impact as a source of Information for Tourism.

The Internet is already the primary source of Tourist destination information for Travelers. About 95% of web users use the Internet to gather travel related information and about 93% indicate that they visited tourism web sites when planning for vacations. Tourism information system are a new type of business systems that serves and support e-Tourism and e-Travel organizations such as airlines, hoteliers, car-rental companies and travel agencies.

- Sakshi
B.Com. IInd Year

Startup India

Startup India is an initiative by the Government of India for generation of employment and wealth creation. Startup India is a flagship initiative intended to build a strong eco-system that is conductive for the growth of startup business to generate large scale employment opportunities and to enhance the growth of nation.

The campaign was first announced by Prime Minister Narendra Modi during his speech in 15 August, 2015. The scheme launched on January, 16, 2016 (5 years ago) in Vigyan Bhawan New Delhi. The event was inaugurated by the former Finance Minister of India Arun Jaitley. The scheme working under the Ministry of Commerce and Industry (Department for promotion of Industry and Internal Trade). Under this initiative, the Government has launched in 19-point startup India action plan which anticipates several incubation (growth) centres, easier patent filing, tax consumption, case of setting business. INR 10,000 crore startup funding pool and a faster exit mechanism. This scheme aim at providing 'ease of business' by removing license Raj permission from various authorities. The scheme provide youth a platform for showing their skills and fulfiling their ambitions from this. They can avail cheaper loans through MUDRA scheme – an initiative which aims to provide, micro-finance, low interest rate loans, to entreprenuers. Initial Capital of Rs. 20,000 Crore, has been allocated for this scheme. This scheme has provide a mile stone and Government has left no stone unturned to make this scheme a successful one. This, has provided a freedom from tax for first 3 years of operations. It aims at creating innovation hub, an initiative, to set up over 75 such startup support hubs in the National Institute of Technology (NIT's) , the Indian Institutes of Information Technology (IIT's), the Indian Institutes of Science Education and Research (IISERs) and National Institutes of Pharmaceutical Education and Research (NIPERs). The states has actively participated in scheme, include, active participation of 22 states and 3 Union Territories. According to the result announced of states startup. Ranking on 11 Sep 2020, the Best performer are Gujarat, Andaman and Nicobar Islands, Top-performers Karnataka, Kerala, leader Maharashtra, Udisha, Rajasthan, Bihar, Chandigarh.

Aspiring leaders : Telangana, UK, Haryana, Jharkhand, Pb, Nagaland.

Emerging startup Ecosystems : Chattisgarh, HP, AP, TN, MP, UP, Assam, Delhi, Mizoram, Sikkim.

The states has initiated government startup model agency, supports startup ecosystem, by means of different components such as infrastructure. Human Capital Development, Funding, Governance, Public-Private partnerships, Global collaborations, scaling, existing and establishing new startup ventures.

In 2021, India became world second largest, startups, after USA with a capital of $38 billion dollar.

With the vision of making India, a place of job creators, instead of job seekers can be achieved through this scheme. This initiative has created an atmosphere of innovative ideas and many entrepreneurs availing the benefits of standing their own business in India. To increase employment and make India an easier place to invest in have been fairly achieved through this.

- Riya Pathania
B.Com. 2nd Year

Does Money Make Many Things ?

Now a days people work like machines just to earn more money from more than one source and they feel that they can get everything with money. In trying to earn money they miss small and precious pleasures that life offers to humans.

There is no end to that want of earning. And at a peak stage, they feel that they are the only persons responsible for their huge success. But it is sad that at that stage most of the people forget taking care of their parents and other family members, supporters, and friends who made them strong to be in that position and overcome the difficulties that life poses them.

There is a saying "Money makes many things" which may be good or bad depending on how we use it. Now people earn lakhs of salary per month. Are they happy with that money? No, because they miss something, something which money cannot buy. Something which they cannot have by just working like a machine i.e. they miss the feel of being alive and spend the quality time with family.

How much money should a person earn in his life ? It is enough if he earns to satisfy the basic needs of the family and education and future of the children. But people wish to have a lavish and luxurious life. With this aim they work like slaves and become slaves of money.

At the end, they realise that they couldn't take even a single rupee with them. The great Alexander is the best example for this. This is the reality of life. Depending on how you use money can either free you or enslave you. So lets spend money wisely by donating some to the needy. With this perspective, if a person earns there will be no regrets due to lack of money. And we can spend time with our beloved parents who gave us such a wonderful life and this world. Money is only something that we need but not everything in life.

-Tamanna
B.Com. 2nd Year

Mutual Funds

जब भी कोई व्यक्ति Savings करता है तो उस Savings को या तो वह अपने Bank Account में रखता है। जो कि Inflation के नजरिए से देखा जाए तो ठीक नहीं है। क्योंकि इससे Money की Value कम होती रहती है। या वह उन पैसों को अलग–अलग जगह invest कर देते हैं। हमारे देश में ज़्यादातर लोग Savings Account, Fixed Deposit, Gold या Jewellery or Real estate में Invest कर देते हैं। कुछ लोग यदि ज्यादा रिस्क उठाना चाहते हैं तो वह स्टॉक मार्केट में भी invest कर देते हैं। जब भी कोई Investment की जाती है तो उसमें तीन चीज़ें होती हैं – Return, Risk, Time

Return :- यानि आपको अपनी Investment से कितनी Return आ रही है। मान लो यदि Inflation rate 4% है तो आपकी Return इससे ज्यादा होनी चाहिए तभी हमें profit मिलता है।

Risk :- यानि आप कितना Risk लेते हो।

Time :- यानि आप कितने Time के लिए Invest करते हो।

यदि Risk ज्यादा है Time ज्यादा है तो Return भी ज्यादा ही मिलता है।

Saving Account, Fixed Deposit में सबसे कम Risk है उसके बाद Gold में Invest कर सकते हैं।

लेकिन Stock Market में सबसे ज्यादा Risk है क्योंकि इसमें हमें Loss भी हो सकता है और Return भी मिल सकती है।

इसलिए हम जब भी पैसा Invest करें हमें अलग–अलग जगह Invest करना चाहिए ताकि जब हमें loss हो तो कम हो या हम उसे दूसरी Investment से पूरा कर सकें।

Mutual Funds एक Special Investment है इसमें हम Diversify Investment कर सकते हैं। एक जगह Invest करके।

AMC (Asset Management Company) वह Company है जो Mutual Funds खोलती है। यानि आप अपना पैसा AMC को देगें और वह कंपनी उस पैसे को अलग–अलग जगह Invest कर देती है। इसके लिए Experts की help ली जाती है और जब Return मिलती है तो उसमें से कुछ प्रतिशत (1 या 2) AMC अपने पास रख लेती है और बाकी पैसा हमें वापिस मिल जाता है।

ICICI, Aditya Birla, Tata यह Bank or Company के उदाहरण हैं जिनकी AMC हैं।

हर कंपनी अलग–2 Type के Mutual Funds निकालती है। Mutual Funds में भी Risk होती है। यह निर्भर करता है कि आप कौन से Mutual Funds में Invest कर रहे हैं।

- Kanika Kumari
B.Com. Final Year

The Economics of Social Security

Economists view social security differently than does the public at large. Many journalists and politicians speak of social security as if it were a defined-contribution pension plan.

Economics security or financial security is the condition of having stable income or other resources to support a standard of living now and in the foreseeable future.

Low economy made wage growth undercuts the effects of wage indexation as average wages fall along with individual wages. It includes probable continued solvency, predictability of the future cash flow of a person or other economic entity, such as a country and employment security or job security.

The Four Biggest Problems facing Social Security :-

1. A falling worker :- to beneficiary ratio :- One of the biggest problems facing social security is a demographic shift - namely the retirement of baby boomers. Between 2010 and 2030 we're liable to see more than 70 million baby boomers enter retirement, which means a big surge in the no. of eligible beneficiaries. The architects of social security simply couldn't predict there would be such an incredible surge in birth rates.

2. Rising life expentancies :- Another big demographic shift for the program relates to rising life expentancies. In the mid 1960s, the life expentancy of the average adult in the United States was about 70 years. By the mid 2010s, the life expentancy has risen to 78.8 yrs. This improved life expentancy can be attributed to better health education, growing access to medial care and improved pharmaceutical options.

3. Near - record-low bond yields :- For the consumer and business falling interest rates have been a blessing. Near-record-low rates have allowed home owners to refinance their mortgages and new homeowners to purchase homes with low 15 to 30 years mortgage rates. Low interest rate had the opposite effect on people and funds looking to make money from fixed income assets. The OASDI specifically invests in special issue bonds available only to Trust funds, as well as a small no. of certificates of indebtedness.

4. The care for Raising the Retirement age :- Increasing the social security Full Retirement Age (FRA) adversely affects all workers because an increase in equivalent to an across-the-bold cut in benefits. Rasing the FRA leave workers with two bad choices : working longer or living on reduced monthly benefits for the rest of their lives.

- Aksha Thapa
B.Com. IIIrd Year

GDP of Himachal Pradesh

The era of economic planning started in Himachal Pradesh in 1948. The first five year plan allocated about Rs. 52.7 million to Himachal. More than 50% of this expenditure was spent on transport facilities since it was felt that without proper it, the process of planning and development couldn't be carried.

Economy of Himachal Pradesh

Statistics

GDP	Rs. 1.82 lakh crore
GDP Rank	22nd
GDP Growth	7.3%
GDP per Capita	₹ 2,08,513
GDP by Sector	Agriculture 13%
	Industry 47%
	Service 40%
Unemployment	8.6%

The community development programme which was launched in 1952 in Himachal in certain selected areas was later extended to the entire rural Himachal. In Mandi and Kangra, package programmes were undertaken in collaboration with the West Germany for popularising modern techniques of cultivation among the farmers. Suitable agricultural machinery and animal husbandry were introduced in these areas. Well equipped soil testing laboratories, dairy farms and agricultural workshops were set up at various centres, besides an Agriculture University at Palampur. Himachal is one of those states in India which was rapidly transformed from the most backward part of the country to one of the most advanced states. At present Himachal ranks fourth in respect of per capita income among the states of the Indian Union. Himachal education system is well established, its agriculture is enough for its self-sufficient, its horticulture is highly impressive in the country and even in abroad, its road connectivity system has emerged as the best in the mountainous areas in India, the infrastructure for its industrial development.

- Mansi
B.Com. Final Year

Industrialisation in Himachal Pradesh

Himachal Pradesh is one of the fastest growing states in India. Being a sub-Himalayan state, Himachal Pradesh has a varied climate that changes with altitude. Known as the land of Gods is famous for its topographic diversity and pristine natural beauty.

At current prices, Himachal Pradesh's gross state domestic product (GSDP) is estimated at Rs. 1,72,174 Crore (US$ 20.58 billion) in Financial Year 2022, an increase of 3% YOY. The state's GSDP is estimated to increase at a CAGR of 7.06% between 2015-16 and 2021-22. Tertiary sector witnessed the fastest growth at a CAGR of 10.76% between 2011-12 and 2020-21.

According to the Department of promotion of Industry and Internal Trade (DPIIT), the cumulative PDI inflows in Himachal Pradesh were valued at US$22.83 million between October 2019 and March 2021.

Himachal Pradesh has made significant achievements in the field of industrialisation in past few years. The rich natural resources of the states are favourably suited for investments in major sector such as procurement of agricultural produce, hydroelectrical power, cement and tourism. Himachal Pradesh has made significant achievements in the field of industrialisation in the past few years.

The four agro climatic conditions in the state support cultivation of multiple crops, vegetables and fruits around the year. The state government is focusing increasing productivity levels besides diversification towards high value crops. In 2019-20 the total production of horticulture crops in the state was expected to be 2722.80 thousand metric tonnes and area under production was 332.12 thousnd hectares. The total production of vegetables and fruits in the state was estimated at 1856.80 thousand metric tonnes and 828.23 thousand metric tonnes, respectively.

Tourism sector of Himachal Pradesh contributes 7% to the state GDP. Domestic tourist inflow in the state reached 16.83 million in 2019, while foreign tourist arrival reached 383000. As of December 2019, there were 3679 registered hotels in the state.

In April 2021, National Highway Authority of India (NHAI) awarded a contract to JRB Infrastructure Developers Ltd. (JRB) worth Rs. 828 crore (US$ 113.40 million) to upgrade and rehabilitate to four lane outline to strengthen the Punjab/ HP border.

To provide infrastructure support to entrepreneurs, Himachal Pradesh Government has developed 41 Padestrial areas and 15 industrial estates. Solan, Sirmour, Kangra and Una districts lead in terms investments attracted. In October, 2020, the Atal Tunnel at Rohtang in Himachal Pradesh was inaugurated by PM Mr. Narendra Modi. The 9.02 km long tunnel, passes through the Rohtang Pass, is the world longest highway tunnel, linking Manali with the Lahaul-Spiti valley.

- Priyanka Awasthi
B.Com. Final Year

Commerce - A Job Oriented Course

Commerce education is the bedrock of an economy today as its closely linked to business, trade and industry. It stresses in developing people to make optimum utilization of available resources. Globally, a professional degree in commerce education is the most popular career option among the students.

Courses Offered :

Commerce has a significant positon in the education system and encompasses subjects such as Accountancy, business-law, Auditing and Taxation. Commerce graduates may acquire professional qualifications including CA, ACCA, CMA, CIMA, CFA and CS leading to fasater career progression.

Indian economy has been considerably stable despite being affected by the Covid-19 pandemic. The economy has withstood this impact due to its self-sufficiency and the presence of varied sectors.

Careers in Commerce :

Commerce is a job oriented course and most of these jobs come with a high salary tag. These include Chief Financial Analyst, Chief Public Accountant, Cost Accountant and much more. Employability with commerce has witnessed a steady growth, despite the pressure exerted by the Covid-19 pandemic.

- Shagun Bains
B.Com. III Year

Role of ICT in Online

Information and communication Technology (ICT) is materialised in the term simplified means any technology that has to do with information and communication. Information can come in many forms such as sound, video, text, and images, so when you think of what technology it is available that produces these aspects of information and sometimes a combination of all these, we refer to such technology as mobile phones, digital cameras, video cameras. Today information and communication technologies are the one thing and so the repertoire of technologies expands further to encompass computer and computer related products, email, MMS, and other forms of communication. Today we do not need to go any further than our home or even room, to see from of ICT in our lives.

Importance of ICT in Education :-

1. E-learning or Online learning :- The presence of ICT in education allows for new ways of learning for students and teachers. E-learning or online learning is becoming increasingly popular and with various unprecedented events taking place in our lives, this does not only open opportunities for school to ensure that students have access to curriculum material whilst in the classroom but also allows them to ensure students outside the classroom such as at home or even in hospitals can learn.

2. ICT brings inclusion :- The benefits of ICT in education is of such that students in the classroom can all learn from the curriculum material. Students with special needs are no longer at a disadvantage as they have access to essential material and special ICT tools can be used by students to make use of ICT for their own educational needs.

3. ICT use motivates learning :- Society's demands for new technology has not left out children and their needs. Children are fascinated with technology and it encourages and motivates them to learn in the classroom.

- Rishika Mahal
B.Com. Final Year

कोविड ने बदली हमारी दिनचर्या

एक बार सोचिए – आखिरी बार कब आप बिना डर के अपनों के गले लगे थे, कब घूमने फिरने का आनन्द बिना भय लिया था, कब पाठशालाओं में हंसते–मुस्कुराते बच्चे दिखे थे और कब आपने अपने आसपास के चेहरों को बिना मास्क देखा था ?

जवाब होगा :– एक लम्बा अरसा हुआ करीब दो वर्ष पहले तक चलने वाली सामान्य जिन्दगी कोरोना के प्रकोप के चलते आज अस्त–व्यस्त सी दिख रही है।

वास्तव में इस महामारी से हमारी निजी आदतों में आया है बार–बार हाथ धोना, बाहर से आने पर कपड़े बदलना, सेनिटाइजर को प्रयोग नियमित रूप से करना। बाहर से आने वाली हर वस्तु को साफ करना। मास्के के प्रयोग को अनिवार्य करना इत्यादि हमारी दिनचर्या का अब हिस्सा है।

दूसरा बड़ा परिवर्तन हमारी सामाजिक तथा पारिवारिक आदतों में आया। घूमना–फिरना, थियेटर में फिल्में देखना, पिकनिक पर जाना, खुले आम बाजार में खरीददारी करना, पारिवारिक आयोजनों तथा उत्सवों में पूरे परिवार के साथ जाना आदि अब ना के बराबर हो गया है।

सबसे बड़ी क्रान्ति 'ऑनलाइन क्रियाकलाप' क्षेत्र में आई। कोरोना के चलते एक छोटे बच्चे से लेकर वृद्धावस्था तक के स्त्री–पुरुष आज अपने मोबाइल, लैपटॉप तथा कम्प्यूटर के इतने आदि हो गए हैं कि जीवन सामान्य होने पर भी इन का विकल्प नजर नहीं आ रहा। पाठशालाओं में बच्चों की पढ़ाई अध्यापकों द्वारा ऑनलाइन कक्षाएँ, दफ्तरों में कागज रहित कार्य को बढ़ावा तथा ऑनलाइन लेन–देन, वर्क फ्राम होम, ऑनलाइन शॉपिंग इत्यादि ऐसा कौन सा क्षेत्र नहीं है जिसे हमने अपनी आदत न बना लिया हो। कोविड ने बेशक हमारी जिन्दगी बदल कर रख दी है। हँसते–मुस्कुराते चेहरे मास्क के पीछे कैद हो कर रह गए हैं। खेलते–कूदते बच्चों पर अभिभावक द्वारा पहरा लगा दिया है।

ऐसा नहीं है कि कोविड ने हमारी ज़िन्दगी में नकारात्मक प्रभाव ही डाले हैं। इस के सकारात्मक प्रभावों में हमने सीखा कि सीमित संसाधनों का प्रयोग कर के शांति से जीवन व्यतीत कर सकते हैं। दौड़–धूप की ज़िन्दगी में शायद पहली बार सकून के पल अपने परिवार के साथ बिताए। इस दौर में हम स्वास्थ्य के प्रति जितना सजग हुए। वो पहले कभी न था। कोरोना काल में हम एक–दूसरे की तकलीफ़ ज्यादा समझने लगे हैं और यथासंभव मदद की भी कोशिश करते हैं। लोग साफ–सफाई पर पहले से ज्यादा ध्यान देने लगे हैं तथा सफाई बढ़ी है। लॉकडाउन में अस्थाई रूप से ही सही परंतु प्रदूषण में बहुत कमी आई।

कमजोर हमारा वक्त है हम नहीं /
हिम्मत हौंसले भी हमारे कुछ कम नहीं
हौंसलों के आगे नहीं कुछ तकदीर होती है/
हर काले बादल के नीचे भी रोशनी की लकीर होती है।

– प्रिया देवी
बी0कॉम0 द्वितीय वर्ष

My Heaven's Bank Account

I looked into my Heaven's Bank Account
To see how much I had placed in.
But when I opened up the Book
Nothing seemed to be entered in.
I thought I had invested something
At least ... some of what I thought.
However it seems I had nothing at all,
Nothing invested ....all of it was lost.
Now what was I to use ... I thought ?
How would I enter in ?
The gates of Heaven ... The Price is much
When Jesus died... for all our world's sin.
What didn't do ... that I have nothing now?
In my Heaven's saving Book ?
I thought I did all I could
But there was one thing ...that it look.
To ask my lord's forgiveness
To go and spread His word to many
And may be ... my Heaven's Bank Account
would have atleast ... a penny ?

- Amrisha Guleria
B.Com. IInd Year

ROLE OF TOURISM IN HIMACHAL

Tourism is sum total of activities, services and industries that provides a journey or travel experience. It includes transportation, services, accomodation facilities, food and beverages, retail outlets, entertainment, leisure businesses, hospitality service and other recreational facilities provided for an individual, teams and corporate groups travelling away from their native places. Tourism plays an important role in the economic development and growth of a state and nation as well. Tourism being one of the major sources for generating revenue in Himachal, several steps and measures are taken into use for promoting the same. Overall, Himachal has secured a spot amidst the top ten states for promoting tourism at its best. The board of tourism in Himachal alongwith local authorities are planning and adopting new measures for development so that it can become the number one tourist destination in India. The tourism sector of Himachal Pradesh contributes 7% to the state GDP. Domestic tourist inflow in the state reached 16.83 million in 2019, while foreign tourist arrivals reached 3,83,000.

As of December 2019, there were 3,679 registered hotels in the state. In November, 2020, Fortune hotels has announced fourth alliance in the state with opening of its maiden property in Dalhousie. A significant rise was noticed in the domestic as well as foreign tourist inflow during last few years but due to COVID-19 there is sharp decrease of 81% in tourist arrival upto December 2020.

- Pallavi Sharma
B.Com. IInd year

RIGHTS AND RESPONSIBILITIES

Rights are essential for every citizen of our country. Every person has right to freedom, right to equality, right to education etc. If you are not able to express your views and ideas infront of people,you have no right to be called as Citizen of India because India is an independent country in which everyone have equal rights. But in many areas of our country, these rights do not follow properly. Especially in the cases of girls and women. Women have no right to go away from home and study in the schools and colleges. Even, in some areas they are forced to marry with such a guy who is so much aged. They have no right to speak for them. Our country is a constitutional country. But rather, people face casteism. Upper castes people make huge difference between them and lower castes people. In this way, we can say that Rights are there, Independence is there, even some facilities are there but AWARENESS among people is not there. Until, they don't change their so called thinking, our country will never success. Until, every person will not understand his/ her value of rights, he or she will not be able to stand by his or her side. It is not only the responsibility of government. This is our country, we made it. We should know the powers of rights. Every single person can move his country in a right direction only if he knows his moral values, and it would only possible when our youth will take responsiblity of rights. Because youth are the pillars of our country. If every person take a vow to follow their rights and responsibility, one day our country truly be called as an 'INDEPENDENT NATION.'

- Akshu Dhiman
B.Com. IInd Year

Pradhan Mantri Kaushal Vikas Yojana (PMKVY)

Pradhan Mantri Kaushal Vikas Yojana (PMKVY) apply, courses list and training centres. PM Sh. Narendra Modi launched PMKVY Scheme (Skill Development Scheme) to enhance our country and provide skill trainings to your all over India

India is the country with the most youth population in the world and youth are indeed the future of a country. They need proper training and skills to become assets for themselves as well as the nation. So, the motto of the PMKVY Scheme is to achieve the same.

PMKVY is the flagship scheme of the Ministry of Skill Development and Entrepreneurship (MSDE) implemented by National Skill Development Corporation (NSDC).

PMKVY Scope :

* Web based learning, e-learning and distance learning.
* Training for self Employment.
* Encourage standardization in the certification process.
* Provide monetary awards to candidates on completion of courses.
* Institutional based skills including vocational schools ITCS/ ITIs / Polytechnics.
* Adult learning, retiring employees and lifelong learning.

Eligibility Criteria for PMKVY :

* You have to be an Indian National with a valid identity proof like a voter's ID, Aadhar Card or a bank account.
* You should be an unemployed youth or should have dropped out of college or school midway through the academic tenure.
* You have to be enrolled in a skill training program.

The focus of PMKVY 3.0 (2020-21) has been shifted from supply based approach to demand based approach. In the wake of distruption caused by Covid-19 and resultant impact on livelihood, the scheme (PMKVY 3.0) will give major focus on upskilling/ reskilling with a focus of future skills (industry 4.0) courses to increase productivity of workforce and provide digital mode of training for wider coverage.

- Bhavya Gupta
B.Com. III

‘‘भागसू’’

सत्र 2020-21

पहाड़ी अनुभाग

प्राध्यापिका सम्पादिका
पूजा दीवान

छात्रा सम्पादिका
आँचल
बी.ए. मुकदा साल

कुथु क्या है?

क्र. सं.	विषय	लेखक का नाम	पृष्ठ संख्या
1.	शहर म्हारा धर्मशाला	शिपाली	2
2.	जीवन दी राह दिखांदें न शिक्षक	रजनी	3
3.	पहाड़ी कविता	शिवानी चौधरी	3
4.	कहानी कांगड़े दी	अक्षय कुमार	4
5.	मेरा हिमाचल	विनायक गुरंग	5
6.	एक विचार	कोमल	5
7.	कौड़े दिल	खुशबू	6
8.	रिड़कू कने खिड़कू राम दे चुटकुले	आँचल	6
9.	पहाड़ी गीत	अदित्य कुमार	7
10.	आदां पहाड़ा दिया	शुभम	8
11.	नया जमाना	अभिषेक भनोट	8
12.	मेरा सोणा देया कांगड़ा	आँचल वालिया	8
13.	बुजुरगां वे दूर हुंदी युवा पीढ़ी	ललिता	9
14.	बसां च बैणे दे कुछ नियम	अकांक्षा	10
15.	पंचायती वोट	विकास गुलेरिया	10
16.	बांसे रिआं डल्लां, छड़ोल, छावियां	साहिल चौधरी	11
17.	आसारी बोली पहाड़ी री पुकार	विनय कुमार	12
18.	सैर मुबारक	सौरभ	13
19.	एक सलाह	अकशत भारदवाज	13
20.	मेरा प्यारा हिमाचल	शिवान ठाकुर	14
21.	अखियां च बसदी बंडेर व्यासा	गुरदयाल सिंह	14
22.	बदला अपनी सोच	सृष्टि	15
23.	करदी मैं हिमाचल दा ब्यान	संजीवना चौधरी	15
24.	लोक गीते	सुष्मिता चौहान	16
25	सच्चाई ऐ झूरा दी	ऋषिता	16
26	पैसे दा उपयोग	अभिषेक	16
27	पहाड़ा रा जीणा	अदित्य खरोटिया	17
28.	माँ बाप रा प्यार	आरुशी धीमान	17
29.	कोरोना	गुंजन	18
30.	कांगड़े च सैरी दा त्यौहार	अखिलेश ठाकुर	18
31.	सत्संगा रा महत्व	नीतिका	19.

शहर म्हारा धर्मशाला

ईकी पासे योल दूसरे पासे चड़ी,
सिर, पर मित धौलाधार रेन्दी खड़ी,
बुनले पासे बगदा चरान मित नाला,
घणा वे निराला शहर म्हारा धर्मशाला

कचैहरियां कोतवालिया च रेन्दी बड़ी
रौनक, इस शहर दी मशहूरी इन्दा
दोआं दी बदौलत, लांबे फेरदे ऐथू
दिन रात माला, बांका ते प्यारा
शहर म्हारा धर्मशाला।

दिल्ली देहरादून बसां जम्मू ताई जांदियां
पटियाला, अमृतसर, अम्बाले ते भी औंदियां
औखा होइ जांदा ऐथू कटणा स्याला
गर्मियां दा स्वर्ग शहर म्हारा धर्मशाला।

खनियारे हन स्लेटा दी खानी
चलदी जिथू हवा नित बरफानी
इसी छड़ने जो नि करदा दिल
म्हारा, हिमाचले दी शान शहर
म्हारा धर्मशाला।

शिपाली
मुकदा साल

जीवन दी राह दिखांदे न शिक्षक

पौंदे न तालु अंसा, तां सांजौ उठांदे न शिक्षक,
जीवन दी राह दिखांदे न शिक्षक।
साडियां अंधेरे ने भरियां जिंदगियां च बनी के दीपक,
जीवन जो रोशन करदे न शिक्षक।
कदी साडियां अंखी जे भरी औदियां,
ता अच्छे दोस्त बनी करी सांजों हसांदे न शिक्षक।
छड़ी दी दुनिया हाय तालु
तां झटपट अपना हाथ बढ़ांदे न शिक्षक।
जीवन बड़ा मुश्किल ए, जीवन युद्ध ए,
जीवने दी कला सिखांदे न शिक्षक।
इसी देश कने दुनिया दे लेई,
इक खरा समाज बणांदे न शिक्षक।
न होएं कुती भी अशांति
बस ए ही पैगाम फैलांदे न शिक्षक
पौंदे न तालु असां, तां सांजौ उठांदे न शिक्षक।

रजनी
तीजा साल (अर्थशास्त्र)

पहाड़ी कविता

''पुराणे दिन याद आई गे''
पुराणे दिन याद आई गे
इतवारे वाले दिन देखनी रंगोली कने शक्तिमान,
लूखने री खेला खेलनी कने रेडियो पर सुनने गाने।
पुराणे दिन याद आई गे
रोज पैदल स्कूल जाना कने मास्टरा ते खानी मार,
गर्मियां च खड्डा नहाना कने बनना बड्डे तैराक।
पुराणे दिन याद आई गे
स्याणेयां ने बैठी ने सुननी कहानियां,
इक था राजा कने इक थी रानी
दानों मरी गे खत्म कहानी।
स्कूला जाना तां रपईये लेने दो,
कने इक रपईये री खानी टॉफियां चार,
पुराणे दिन री आई गी याद

शिवानी चौधरी
(मेजर अंग्रेजी)

कहानी कांगड़े दी

कुथु ते शुरू करिए कांगड़े दी कहाणी बड़ी पराणी है। बोलदे कांगड़े दा 234वां राजा सुशर्मा चंद कौरवां पासे ते महाभारते दे युद्ध विच्च लड़ेया था। उस युद्धे विच्च हारने बाद तिन्नी कांगड़े दा किला बणाया था। कांगड़े दा पराणा ना त्रिगर्त था। त्रिगर्त रियासत दी स्थापना बोलदे माता बज्रेश्वरी देवी दे पसीने ते जन्मेयो भूमि चन्द्रे कित्ती थी। सुशर्मा चन्द्र तिसदा ही अग्गे वंशज था। जलंधर तक त्रिगर्त फैलेया था। 'पदम पुराण' दे साहबे गंगा कने सागरे दा पुत्तर जलंधर राक्षसे दा शरीर जित्थू पिया सै ही जलधंर, त्रिगर्त था अज्जे दा कांगड़ा है। सतलुज रावि कने व्यास दरियाए आला पासा त्रिगर्त था जिसदे दो प्रांत थे जिन्हां 6 विच्च मैदानी इलाके दा मुख्यालय जालंधर कने पहाड़ी पास्से दा नगरकोट था।

डॉ. जी.सी. महापात्रा बाणगंगा खड्डा दे कण्डे 'राहुर' ग्राएं ते 52 पाषाण युगे दियां कुल्लहाड़ियां तोप्पीयां, जिसदा मतलब है कि आदम जाति दे शुरू ते ही इन्हां पाहड़ां पर माणू वस्सेया है। औदुम्बर, कुषाण आदि सम्राज्यां दे सिक्के कांगड़े मिल्लेयो जिस्दा मतलब है कि कियां न कियां बाहरा दियां लड़ाईयां दा कांगड़े पर भी असर पिया। भुगोल शास्त्री प्टोलेमी त्रिगर्त जो कालिंदरेन, पाणिनी ने ऐथू देयां लोकां जो 'आयुद्धजीवी संघ' यानि लड़ने आली जाति गलाया।

कांगड़े दियां पराणीयां गल्लां पर सारेयां ते ज्यादा ध्यान जिन्नी खिचया से था कनिघंम। तिन्नी कांगड़े दिया बराबलिया पास्से सारेया दा ध्यान अन्दा।

अबुल फजल इस ईलाके जो 'विस्ट जलंधरा', उत्बी जेड़ा गजनबी कन्ने आया था इस इलाके जो भीमनगर बोलेया। फरिश्ता इसजो भीमकोट कने अलबरूनी 'जलधंरा' शब्दे दा प्रयोग कित्तेया।

कांगड़े दे राजेयां विच्च सारेयां ते ज्यादा मशहूर महाराजा संसार चंद्र थे जिन्हां दी कोशिश थी सारे पाहड़ी राज्यां जो इक्क करने दी मगर तिन्ना दी से कोशिश पहले गोरखेयां फिरी महाराजा रणजीत सिंहें खत्म करी दित्ती। फिरी भी महाराजा संसार चंदे कांगड़ा चित्रकारी जो संरक्षणे देई ने से पूरी जगातरी विच्च मशहूर करी दित्ती। इसदे अलावा कांगड़े दी चाय जिसे 1849 ई. विच्च डॉ.जेमसन्स ने लाया था से भी बड़ी मशहूर है। मसरूर मंदिर, धर्मशाला, पालमपुर, ज्वालामुखी मंदिर कई सारे पास्से घूमणे ताई हैं। हर साल कई परौणे इस इलाकेयां जो घुमणा ओंदे। कांगड़े दी कहाणी है ता बड़ी लम्मी पर इक्की पेजे पर कितणी ही ओणी। थोड़ी दई लिक्खी ने कोशिश कित्ती है ताकि चार गल्ला जेड़ियां जग मोहन बलोखरा साहब दिया कताबां तां पढीयां थी सारेयां जो सणाई सकें तो ए लेख उस्दा ही नतीजा है।

अक्षय कुमार
बी.ए. तीजा साल (मेजर इंगलिश)

मेरा हिमाचल

साढे देशां रा ईक कोणां
हिमाचल मेरा बड़ा सोंणा
देवी देवता ईथू पूजे जांदें
सारे लोक ईथू दर्शन पांदें
टेढे मेढे रस्ते ऊंचे ऊंचे पहाड़
हरी भरी खेती कने हरा भरा संसार
लोग ईथू दे भोले भाले
ऊंचे–ऊंचे पहाड़ कने बगदे नदी नाले
सिरे च बोझा मुंह च मुस्कान
ठंडा पानी पीकरी आई अंदी जान
कुथी कच्चे कने कुथी मकान पक्के
हुणा त मेरे हिमाचले करी लियो तरक्की
सारे लेग करदे इसा दा गुणगान
मेरे हिमाचले दी बखरी है शान
मेरे हिमाचले दा अलग नज़ारा
लोकां जो लगदा ए बड़ा प्यारा

विनायक गुरंग
बी.ए. तीजा साल

इक विचार

साहड़ी डुग्गर संस्कृति इक विशाल संस्कृति है ते इसदी विशालता इंयै रैही ऐ जे जो बी इत्थे आया, ओही एहदा अपना बनी गेआ। अपने आपै च आत्मसात करी लैने दी विशेषता साहड़े डुग्गर दी इक खासियत रेही ऐ। इस्से विशेषता करी इक अपनापन ते मन–मोही लैने आहली कला साहड़े लौकें च रेही ते समाज भी सभ्य बनाने ते किट्ठा करने दी तांह्ग इत्युआं दे लौकां च आम रेही ऐ। तां गै अस सब्बे लोक हिरख–प्रेम कनै रली–मिलिनैं रौहने आं। इस्से मेलजोल करी इक हिरख–प्रेम आहली लोक संस्कृति साहड़े अन्दर पनपी, जेहड़ी साहड़े सभ्भ समाज दी नींह आक्खी जाई सकदी ऐ। इस्से नें असेंगी सुसंस्कृत बनने दी प्रेरणा दित्ती ते असेंगी ज्ञान प्राप्त होआ ते इस्से मजूब मनुक्खे नै आस्से पास्से इक सुसंस्कृत ते सभ्य समाज दी रचना कीती। जिससै साहड़े मनै च इक तांह्ण पैदा होई होण ते मुनक्खे नै अपने–आले दुआले नजर दौड़ाइने दिक्खेया ते अपने आपै भी सजाने–सुआरने दी कल्पना से किती होण।

इस्सै कल्पना मजूब गैं उसने तर्कशील सुआड़े होने करी अपने आपै भी सुसंस्कृत बनाने दी कोशिश कीती। मुनक्खे नै पढी–लिखिये ज्ञान प्राप्त करियै अपने आपे भी सोआरेआ ते सभ्यता दा विकास करियै अपने समाज गी सभ्य ते सुस्कृत कीता। इन्ही अपनी लोक कलाएं दा विकास करियै माहणू नै शैल–शैल चीजें –सस्ते ते ज्ञान भी कठैरिये अपनी नमीं पीढ़ी गी दित्ता। अज एह ज्ञान ते इनें लोक कलाएं असंगी इन्ना समृद्ध आहे!

कोमल
मेजर इक्नोमिक्स

कौड़े दिल

जीभ मिट्ठी कनैं कौड़े दिल
कुछ ऐसे लोक्कां तोड़े दिल
लुट्टि करी नै सुट्टे कूणा
तिन्हां नी वापस मोड़े दिल
बुरा करदे भुलदे भी नी
यादां भी कैनी छोड़े दिल
हत्थां नै हुण खेल्ला करदे
दे–देयां अग्गैं खोड़े दिल

संभली–संभली नै चला कर
कनैं लाणे घट्ट थोड़े दिल
समेटणां हि पौंछे ''मास्टरा''
जे टुट्टे तां कुनि जोड़े दिल

खुशबू
बी.ए. तीजा साल (अर्थशास्त्र)

रिड़कू कने खिड़कू राम दे चुटकले

- रिड़कू राम कने खिड़कू राम अपणे हिमाचले दे दो बड़े खरे माहणू हन। इना दियाँ गप्पां सुणी करी तुसां जो मजा आई जाणा.... ता चला दिखा इन्हां दियां गप्पां।
- रिड़कू (नौकरे ने) – दिख भला बाहर सूरज निकल्या की नी?
  नौकर – बाहर ता नेहरा है!!
  रिड़कू – फुक्या तेरा मुंड, टार्चा बाली दिखी ले।
- रिड़कू – असां लाड़ा–लाड़ी तमिल सिखना चान्दे।
- खिड़कू– से कजो?
- रिड़कू– असां तमिल मुनू गोद लया तां असां सोचा दे कि मुनू बोलने लगे तां उसते पहले असां तमिल सीखी लैंदे।।
- रिड़कूये दा मुंड फटी गया...
  डॉक्टर – से मुंड कियां फटी गया तेरा?
  रिड़कू–से ईंटा कने पथरे जो तोड़ा दा था ता इक माणु बोल्दा की कदी कदी खोपड़ीया भी लाई लेया कर...
- खिड़कू रूखे च पूठा टंगओया था,
  खिड़कू ते रिड़कू पुछदा– क्या होइ गया तीजो पूठा कजो टंगओया?
  खिड़कू– कुछ नी मैं सिरे पीड़ा दी दोआ खादियो ता से कुतकी पेटे जो ना लोई जाए!!

आंचल
बी.ए.मुकदा साल

''पहाड़ी गीत''

कांगड़े दी संस्कृति बिच ब्याह दे टैमे जालू कुड़ियां वाले कुड़म मुंडू दे घरे जांदे तिस टाईम मुंडू आले तरफा ते ऐ गाणे गांदे। इन्हा जो गालियां भी गलांदे। जिस टाइम कुड़ियां वाले कुड़म खाणा बैठयो होंदे तिस टाईम इन्हा गीतां जो एक मज़ाकिया तरीके ने कुड़मा जो छेड़ने या मजाक ताएं इन्हा गीता जो गांदे हैन।

1. आटा–माटा–खट्टा, माह छोलेयां दा खट्टा।
   मेयो लम्मे पेई करी चट्टा, माह छोलेयां दा खट्टा।
2. नोई डेचकी पर रिजदी कडी, आ हो नोईए डेचकिए।
   कड़ी खाई बजदी फली, आ हो नाईये डेचकिए।
   नोई डेचकी पर रिजदा खट्टा, आ हो नाईये डेचकिए।
   खट्टे आई बजदा जुट्टे दा पटक्का, आ हो नाईये डेचकिए।
3. मिर्चा चरबरियां, चणेया दी दाल प्यारी।
   ये वो छोरू खाणा लगा, खा गया बाट्टी सारी।
   खाई करी और मंगदा, सिरे नाल कढ़छी मारी।
   कड़छी दा खून हो गया, मुकदमा हो गया भारी।
   तिन्हादा 1000 लगदा, म्हारी लगदी बोली।
4. पाणी देणे वाला मुंडा कुंवारा, पाणी देणे वाला मुंडा कुंवारा।
   अपणी भैणा दे दिंदा रवारा, पाणी देणे वाला मुंडा कुंवारा।
   क्या छोरूआ तुहाड़ी भैण प्यारी, क्या छोरूआ तुहाड़ी भैणा कुंवारी।
   साढ़े भाई रै लेई जा रवारा, पाणी देणे वाला मुंडा कुंवारा।
5. छाबडिया भत्त पायो, देणा मैं लगणा वे।
   मैं लगणा–मेरे इस लगणा–मेरे तिस लगणा, मेरे रूणझुणुआ–मेरे छुणछुणआ।
   तेरे घुंडू दी लाणी मैं धोती भला, भत्त देणा मैं लगणा।
6. हल्के बुज्जे या कि पाणी कौण पियाएगा।
   तेरी भैण जाई रेई दूर, सै तां जाई रेई भरमौर।
   तिसा लड़के जन्मे चार, ओ बाबू तुंहाडे बड़े–बड़े थछकौड़।
   पाणी कौण पियाएगा।
   आगई'आ गई–आ गई, पाणी लेकर आ गयी, पाणी ओ पियाएगी।

अदित्य कुमार
तिज्जा साल

आदां पहाड़ा दिया

ऐवे तथा मंडिया रेल, बिजली होर मोटरा सब किछ हुई गईरा, पर ऐक जमाना था, जेबे ये सब किछ नी या म्हीरपुरा ते रूआलसरा रे रस्ते लोक मंडिया जाया कराहा थे। तेस टैम वपार या ता खच्चा ने हुंदा था फेरी माहणु रिया पीठी च्लाहा था। तिन्हा हांऊ मंडिया रे रस्ते कुल्लू गेया था।

मडी बजारा ते किछ परे येकक अधखड उमरा री पहाड़ना जो बैहजा री टोकरी मन्झ साहड़े लेई के सड़का रे कनारे बैठी रे देक्ख्या। पहाड़ी लोक जादातर रेग्स भॉती फल–बल लेई सड़का रे कनारे बखा बैठी जाहां ऐ। होर रस्ते जान्देया रेया हाथा पैसे –2, दुई–2 पैसा रा सौदा बेचदे रहांऐ। खुरमानियां मती बड़ी–2 होर खरिया थी। मेरे नेड़े पूजदे ई तेसो पहाड़ने खिचड़ी पंजाबी मण्झ सुआल कितेया–''क्या तुस्से लहौरा रे रेहणे आले हे? मेरेया नेड़े पुजदे ई तेसे पहाड़ने खिचड़ी पंजाब मंझ सुआल कितेया–''क्या तुस्से लहौरा रे रेहणे आले है? मेरेया कपड़ेया देक्खी के साईत तेसा जो ऐ ख्याल आया हुन्घा जे हाऊं लहोरा रा रेहने आला हुई सकदा सोचेया–क्या से मुंजो पहचाण दी हुन्धी? जवाब दितेया ''हा, हाऊं लहौरा रा रेहणे आला हां''।

तेसारी हाक्खीया खुशी रे मारे चमकी गइया, तिन्ने पुछेया '' तुस्से परसरामा जो जाणहे''।

शुभम

पहाड़ी कविता
''नया जमाना''

आजकल रा समय कितना बदली गया।
हर चीज आजकल आनलाइन होई गई।
रिश्ते भी आजकल आनलाइन होई गए।
इस आनलाइन रे जमाने बीच अहां रे
पहाड़ी लोग आपनी पहाड़ी बोली जो भी भूलने लगी गए।
आजकल रा समय कितना बदली गया।
अहां रे गांव भी बदली गए,
कने गांव रा रहन सहन भी बदली गया।
हर चीज आजकल आनलाइन होई गई।
अपने स्याणेयां री करा सेवा
जमाना नया हो या हो पुराना।

अभिषेक भनोट
बी.ए. त्रीया साल

मेरा सोणा देया कांगड़ा

मेरे सोणे दे कांगड़े दी बहार दिखा
मेरा कांगड़े बिच छोटे–छोटे खड्डा–नालू
कन्नै बर्फा ने ढक्क्यो पहाड़ दिखा
इक पासे नजर मारा तां माता बज्रेश्वरी दुसदी
दुए पासे नजर मारा तां माता जयंती दुसदी
सिधे–सादे लोकां कांगड़े दी शान बढाई
दित्ती कन्नै लोकां दा अपु–पिच्छे प्यार दिखा
मेरे छोटे दे कन्नै सोणे दे कांगड़े
दी बहार दिखा।

आंचल वालिया
बी.ए. त्रिया साल

बुजुरगां ते दूर हुंदी युवा पीढ़ी...

एक जमाना थो, जेब जे समाजे च बड़े–बड़े टब्बर हुआ करूं थे। टब्बरों रा एक ही मुखिया हूं था। पैसा खर्चणे रा अधिकार बी तेजो ई था। करों रे सारे जणै बुजुरंगा रिया सिलाई ते बिना कोई बी काम्म नी करूं थे। खेती–बाड़ी, डोरू–डांगरू, व्याकारज, मरना–पाणणा, तीज–त्वार, कने समाजा रे अन्दर ऐड़ा कोई ही काम्म नी हूं था, जेस च बुजुरग शामिल न हो। कमीज, पजामा, सिरो परो पगड़ी, मुंडे परो परना, हाथ्यों सोठ, आखीं चे पाईके सुरमा सयाणे ठगडे री शान देखई ई ठगु थी, जेब केथी मेले छिंजा च जाउं थे।

यानि के ऐड़ा कोई बी काम्म नी हूं थो जेड़ा बुजुरगां रिया सहमितया ते हुई सको। आज्ज देखणे द आया करदा पई, चार चफेरे, जेते केथी बी देखो अनैतिकता रा ई बोलबाला आ।

आजकल रे जवान छोटु–छोटियां आपणी मनमरजी करूएं। जे समज्यांणे री गल्ल करी तेबे बुरा मानएु। ऐते ई करिके समाजो च नसे री बंमारी बड़दी चालुरी।

मोबाइल होर इंटरनेट ने रंहुंदी खुंदी कसर पूरी करि ती।

युवा पीढ़ी हर वक्त व्हाटस ऐप, फेसबुक परो वीजी रंहुई। या फिरी टेलीविजन या गेमा तिकर ई ईन्ना रा संसार सीमित हुई जाउरा। हर वक्त कल्लै बैठी रैणा, केस, साम्ये न गलांणा न बोलणा, ऐ बी एक सबते बड़ी बीमारी। नौजवान रे अन्दर आपसी मेलजोल, भाईचारा, सादगी होर बुजुरगां रे प्रति आदर पाव दिन व दिन घटदा चलुरा।

सहनशक्ति होर करतव्या ते दूर हुंदी युवा पीढ़ी सब कुछ हुंदे हुए बी घुटन ते निराशा च दिखुंई।

बुजुरगां ने आपणी सारी उमर हंडाई के बहौत किमती गल्लां सिखुरियां हुईयां। ऐथे करिके बोलुएं पई ''ओले रा खादुरा होर स्याणेयां रा गलाउरा बादेच याद आऊंरा'। आज्ज जरूरत ई परिवारों च एक्क ऐडा महोल बणाने री, जेथी बजुगां रा इज्जत मान हो, औरतां रा सम्मान हो, बेटी–बेटा एक्क समान हो। सारे जणे मानदारिया साम्ये आपणा–आपणा काम करो। तेबे साफ–सुथरे समाजो री कल्पना किति जाई सकुई। जे हाएं सोचगे पई बिना बुजुरंगा ते तरक्की हुंगी, एड़ा नी हुई सकदा। ये म्हारे समाजो री शान ए। बिना बुजुरंगा रे आखिर बादे ते जीवन बेकार आ।

ललिता
(Economics Major)

बसा च बैणें दे कुछ नियम्

जालु भी असां बसा च बैठदे ता असां जो यात्रा करने दे नियमां दा पता होणा चाईदा

1. चदलिया बसा च ड्राईवरे ने गल्ल मत करा, बीड़ी मंगी करी पी सकदे।
2. सिर कने बाजू बाहर मत कडा, लता बाहर निकाली सकदे।
3. बसा दिया छता ते समान पीछे से उतारा कणे छलांग अगे ते लाई दिया।

इना नियमा जो याद रखनयो तां कदी भी कोई दुर्घटना होणे दा डर नी रहणा।

अकांक्षा

पंचायती वोट

कुसकी जो पत्याणा लगे कुसकी जो जरकाणा लग्गे...
सैह वोटां जो सरकाणे ताईं तरकीबां खूब बणाणा लग्गे।
कुसकी जो पत्याणा लग्गे कुसकी तो जरकाणा लग्गे।।
बस जोड़ तोड़ है वोटां दी हुण
खुल्ली थैली नोटां दी। ठर्राह पीणे वाले दे
सैह मुम्हे व्हीस्की चुआंणा लग्गे।।
लाल बतियां काले शीशे, नोईयां कारां दे चमकारे
भुल्ले शिमले डेरा लाणे ताईं घर घर अलख जगाणा लग्गे।
देणे वाले मंगणा लग्गे, हुण खंगने वाले संगणा लग्गे।
दिक्खी नजरा फेरदे थे, सेह गोडिया हथ लगाणा लग्गे।।
ऊंच नीच समझणा लग्गे वोटा दी
मुल्ल पाणा लग्गे। खुल्ले नोट बणाणे तांई हन खुल्ले नोट बिछणा लग्गे।।
लारे फिरी लगाणा लग्गे, फिरी भुलेखा पाणा लग्गे।
सपणे फिरी दिखाणा लग्गे, सांझो फिरी ठगणा लग्गे।
बस टारगेट हुण जितने दे, जे बणे कमांडर मिशनां दे।
गुड चणे चबाई के भी हण केई दिना लंगाणा लग्गे।

विकास गुलेरिया
भूगोल

बांसे रिआं डल्लां छड़ोल छावियां

गांवों रे लोक आज बि अपने–अपने बेल्ले टैमे च छोटे–छोटे काम धंधे करदे रैंदे। ऐ घंटों तिनां रि रोजी रोटी रा साधन बि बनी चुकरे। ऐ सब गावां रे लोकां रि आमदन बधांदे। ऐडा हि एक धंधा बास रि डल्ला, छडोलु, छावियां, टोकरियां बगैरा बनाने रा वि हया।

से जे बहुत लोक चावे–चावे करदे। होर खरी कमाई भी करी लैंदे। हुण ता कई लोक बांसे रिआं कुर्सियां, मेज बि बनाने लगुरे। होर ऐ बांसे रा फर्नीचर लगदा वि बड़ा छैल हा। ऐ लेखक बसा च सफर करया करदा था। ता इक जनानी आईके सोगी बैठी गई। तिसा इक छावरी चुकी हो थी। किने रि आई? मैं पुछया। इक सौ बिह रूपईएं दी। क्या करना इसा रा।

रोटियां–राटियां पाणे जो खरीदी होगी। पैहले इआं ही रखदे थे रोटियां। हुण चली पेआ सब कुछ प्लासटिकेरा। बमारियां बि तांहि बढया करादियां।

अपने साबे ता तिसा जनानी ठीक गलाया था। पर गल तां बांसे री टोकरियां छाविया बगैरा बनाने दी लगु गई। ऐ देखने जो तां छोटे–छोटे धंधे लगदे पर कमाइया रा साधन ठीक हे। चाझे खजुरी रि बौंकरा झाड़ू बनाने रा काम धंधा हो या बांसे री टोकरियां बगैरा बनाने दा। काम करने आले जो पैसे ता बणदे ही बणदे, कमाई ता हुंदि ही हुंदि।

टोकरियां, झाड़ू बगैरा दुकानदार रामलाल होरी दसदे पेहि से महिने रा बिह की हजार रूपईए रा ऐडा सामान बेची दिंदे। गांवा रे करिगिर औंदे होर समान देई करी चली जांदे। एक दो ऐड़े बि है से जे बाण लौंदे बेचणे जो। बयुले रा बाण। बांसे री टोकरियां छावियां बगैरा बनाने आले बांस ल्यांदे। फिरी सै छिलणा साफ करना तां जाइके छक्कु, छाबियां, टोकरियां, डल्लां तैयार होदिया। लाल, हरा रंग करी के ऐ समान होर छैल होई जांदा। हुण ता केई लोक ऐ सब अपणियां बैठकां च बि सजाई के रखणे लगुरे। इसदा ता येहि मतलब हा येहि कारिगरि रि पछयाण करने आले बि बहुत है।

साहिल चौधरी
अर्थशास्त्र

आसारी बोली पहाड़ी री पुकार

एड़ी क्या गुस्ताखी, क्या किती मैं बुराई
पढदे–लिखदे ता थे नी, बोलने गलाणे ते भी गवाई।
एड़ी केडी खता हुई मेरे ते ओ, जे मेरे आपणेयां हे किती हांऊ पराई।
क्या सोचदे के कण ही क्या गलान्दी, ने कथी ते आई।
कधे हिंदी बोली, कधे पंजाबी, फेरी अंग्रेजी री किती बडाई।
ज्यादा पढ़ा लिखा लगने खातर, मेरे ते मुंह दित्या फिराई।
बोली भाषा च तबदीली ता हुंदी आई।
पर आसे आपणी बोली रा अस्तित्व दित्या मुकाई।
बचेयां जो मां–बापुए, हिन्दी ता अंग्रेजी हे सिखाई
ए ता पिछड़ी, पुराणी ही, ऐ सोच केथी ते आई।
भई एड़ा भी क्या हुआ, ए ध्याड़ा दित्या दिखाई
पहाड़ा री संस्कृति री पहचान हे दिती मुकाई।
भोटी, किन्नौरी, कांगड़ी, चंब्याली, मुहासवी, सिरमौरी कने मंडयाली
इना सारियां रा नांव हे दित्या मुकाई।
केसी भाषा ने मिंजो बैर नी, हर भाषा छैल हुई।
पर आपणी जो होरी ते छोटा समझना, केथी री रीत हई
अंग्रेजी गाने मॉडर्निटी, ते भ्यागड़े पुराने हुए।
पहाड़ी गलांदा ग्वार, ते अंग्रेजी री गाली मुहां री शोभा बढ़ाई।
हर भाषा बोली सीखा पढ़ा ते बोला, पर आपणी मत देंदे गवाई।
हर बोली री आपणी अहमियत हुई
मेरे बगैर तुसा रा भी क्या वजूद रहंगा ओ भाई।।

विनय कुमार
बी.ए. तीजा साल
मेजर अंग्रेजी

सैर मुबारक

अम्बर पिया गड़ोड़ेयां,
लोक खान पतरोड़ियां।
कदी घीये पेठेयां कदी,
करेलियां खादे कोडियां।
खाई खाई दिल अक्की जायें
खादे माह दे तली पकोड़ियां

मरूदां खाइ खेती खेड़ा,
कईयां चोरिया छलियां तोडिया।
घीये पेट्ठे लगियो भतेरे,
काकड़ियां लगियां थोड़ियां।

काला महीना मुकी गिया,
लगी पईयां मिलणां जोड़ियां

गर्मियां हुण चली पईयां,
सर्दियां हुन बत्ता दोड़ियां।
नेड़े आईयो 'कुशल' सैर,
''रोटियां खानियों थोड़ियां।

सौरभ
भूगोल

एक सलाह

बिना कामे नी निकलणा, भीडों बीचे बार
जाणा मास्क पयनणा, बुरी करोना मार।
सबी दे दूरी राखणी, मलावे न तू हाथ
छाड़ बात तू पयलखी, ठीक दूरों रा साथ।

नईं शादणा पावणा, न जाणा केथी आप
घरे खाणी भले भुकी, करणा प्रभु रा जाप।
माथे पांदे नी लिखा, कुण संक्रमित आज
नई ठोलुया सबु एक, एते रा सई इलाज।

टीके साभी बस असो, थोड़ा बहुत बचाव
पोरा ल्यावे शीघड़ा, जे जानी रा लगाव।
असो रे बुरी बमारी, फशो लई लो जान
नियम तोड़ने दी नई, छोटुओ भुणों शान।
लकीर रे फकीर न बण, खुले समझणी बात
मान कायदे कानून, समझी सब हालात।
जिशे नियम तिशा करना, देणा सबी रा साथ।
रौणा इशा नई सदा, रक्षक अ दीनानाथ।

अक्शत भारदवाज
तीजा साल
मेजर अर्थशास्त्र

मेरा हिमाचल प्यारा

मिन्जो मेरा हिमाचल बड़ा प्यारा है। मैं हिमाचल दे जिला कांगड़ा दे तहसील धर्मशाला ग्रां श्यामनगर च रहंदा। मैं धर्मशाला कॉलेज च पडदा बीऐ मुकदे वर्ष च। हिमाचल च जितने भी त्योहार, मेले हन सारे बड़े ही धूमधाम ने लोग मनांदे हन। व्याह जालू होंदा तां धाम कांगड़ा दी बड़ी ही मशहूर है। जेड़े शहरा च रेहदें से सारे कांगड़ी धाम पसंद करदे हन। कने ए कांगड़ी धाम खाणे दा मौका नी छड़दे। मैं श्यामनगर धर्मशाला च रेहंदा। ऐथू कोई 6 किलोमीटर दी दूरी च दाड़ी नां दा ग्रां है। एथू मेला होंदा जिसजो दाड़ी दा मेला बोलदे। सारे लोकां जो इस मेले दा बड़ा इंतजार रेहदा। ज़िला कांगड़ा च बड़े सारे मन्दिर हन, जियां चामुंडा देवी, बज्रेश्वरी, चिंतपूर्णी, ज्वालाजी, बगलामुखी ये जेड़े हन से खास मंदर हन जिना दे दर्शन करने ताईं लोग बड़ी दूरां ते ओंदे। जालू नवरात्रे होंदे हन तां इना मंदरा च बडी भारी भीड़ होदी है। मेरे हिमाचल जो इक होर नां ने भी सद्दे लागे सै है देवभूमि, हिमाचल जो दूवभूमि भी बोलदे ने। जितने भी देवी देवता हन से सारे ऐथू ही हन कने लोगा जो इन देवी कने देवता च बड़ी श्रद्धा है। लोग मनदे हन इना जो। कुल्लू दा दशहरा, चंबा दा मिंजर इन सारे मेलेयां च देवी कने देवता दी पूजा करदे ने लोक्। जेड़ी इच्छा होंदी से पूरी भी होंदी है। मनाली च हडिम्बा दा मंदिर है जेड़ा बड़ा प्रसिद्ध है कने बड़े सारे टूरिस्ट ओथू जांदे हन। मैं हिमाचली ही मिंजो इस गल्ला दा बड़ा गर्व है। मिन्जो जालू मेरे शहरां च रहदें दोस्त पुछदे तू कुथु रेहदां तां मैं बड़े ही गर्व च बोलदा की मैं देवभूमि हिमाच च रेहदां!

शिवान ठाकुर
मेजर टूरिज्म

अखियां च बसदी बंडेर व्यासा

अखियां च बसदी बंडेर व्यासा
चेते जे आई जांदी तू ओ अडिये
चेते जो आई जांदी तू।।
मिलना बिछुड़ना बड़ी कोई गल नी
सुख दःख जिन्दडी च रहना हर पल नी
पर इस दुखड़े च मिलणे दी गल नी
दूणा बधाई जांदी तू नी गोरिये दूणा
अखियां च बसदी...
दूसदे नी हुण से बढ़ी दे टियालु
डंगरेयां चरांद ओथू गुआलू
गप्पां सुणांई हसांदा था कालू
कितना रूलाई जांदी तू ओ अड़िये
कितना रूलाई जांदी तू ।।
नैणां दे दरवाजे में आई दुकदा
लोरी सुनाई जांदी तू ।।
अखियां च बसदी बंडेर व्यासा
चेते से आई जांदी तू।।

गुरदयाल सिंह
भूगोल

बदला अपनी सोच

बदला अपनी सोच
कुडी कणे मुंडुए च मत
करा कोई भेदभाव, देया
तिना जो बराबरिया दा दर्जा
ऊंदा जालू मुंडू ता मनांदे
बड़िया खुशियां, कने हुंदी
जालु कुड़ी ता मनांदे
बड़ा दुख।
अलग रूप ऐ, अलग रंग
ऐ, जान दोना च इक जई
ऐ, फिरि कयो अहा भेदभाव
दी खिचियो ऐ लकीर ऐ।
पुछा तिना जो जिना जो
मिलदा नी बच्चे दा सुख, इक
बच्चे जो पाने दे वासते
गवांदे सै किन्ने पैसे
कुड़ी मुंडूए ने ही इसा सृष्टि
दा चक्र ऐ चलदा, कुसी
इकी दे बिना ता ऐ जीवन
वी ऐ रूकी जांदा।
करा दियां कुड़ियां अजकल
मुंडूआं दी बराबरिया, कोई
चला दी ट्रका ता कोई उड़ा दिया जहाजा
कुड़िया दा ऐ क्या कसूर
जेडी इसा दुनिया जो नी
दिखी पांदी, मुंडुए दी चाह च
कन्या भ्रूण हत्या ऐ करवाई जान्दी।
करदे असा सारे मिली के ऐ
प्रण की भेद–भाव उन कदी
नी हुंगा शिक्षा कने अधिकार
च दोना दा इक समान हक ऊंगा।

श्रृष्टि थापा
राजनीति शास्त्र

करदी मैं हिमाचल दा ब्यान

छैल प्यारा हिमाचल मेरा कनै तुहाड़ा
ठण्डी हवा कणै प्राकृतिया दा नजारां
भोले–भाले लोक कने
ईमानदारियां ताई इक मसाल,
हैं असा दा प्यारा हिमाचल।..
समझदार कनै परिश्रमी लाके एत्थु
जेड़े सुख–दुख च दिन्दे इक दूजे दा साथ
प्यार कने रेहदें कने करदे हिमाचल
जो खुशहाल करने दा प्रयास
इसी प्यारे ताई बड़ा मशहूर
ऐ असां दा हिमाचल प्यारा...
ऐत्थु जड़ी–बूटियां कने बागबानिया दा ए बड़ा बरदान
बूटियां कने कला ताई हिमाचल बड़ा मशहूर।
जालू ए फल पकदे दिखने दा होंदा नजारा
बड़ा ही प्यारा, बड़ा ही न्यारा
ऐ मेरा कनै तुहाड़ा हिमाचल प्यारा।
शिमला साड़े हिमाचले दी राजधानी ए,
जेड़ी पर्यटन ताई बड़ी मशहूर जिस
विच बर्फ ने बड़ी पहाड़िया कनै झरनेया
दा छैल नजारा बड़ा ही प्यारा
ऐ हिमाचल साढ़ा।

संजीवना चौधरी
इतिहास

लोकगीत

घापुर मिर्चा लाणे आले लोक मते
झूठे गीत सुणाणे आले लोक मते।।
जेकर मुखिया घरे दा हक्खी मिट्टी लै।
टब्बर कुरस्ते पाणे आले लोक मते।।
जेकर तेरया शब्दा बिच्च है दम मितरा।
सदिया साथ पुगाणे आले लोक मते।।
मत सोच के पहाड़ी मुकणा लग्गी है।
घर घर पहाड़ी गलाणे अले लोक मते।।
जा तक पहाड़ ने जिन्दा ता तक पहाड़ी बी।
बेशक झूठ डराणे आले लोक मते।।
अपणी भाषा बोल्ला अपणी शान बधा।
बेशक गिटपिट लाणे आले लोक मते।।
करदा रहकर दर्दा खेती फुल्ला दी।
बेशक कंडे राहणे आले लोक मते।।
मेरिया गला कत्रे गजूली लग्गे ता।
ठंडा न्हौण नुहाणे आले लोक मते।।

सुष्मिता चौहान
बी.ए. तीजा साल

''सच्चाई ऐ झूरा दी''

मारन लोक धरीटे जी
कुण–कुण फाई पीट जी?
चिक्कड़े छैल समाजे दा,
पैदे कुस पर छीटे जी?
नाप्पा करदे धरती जो,
बोतल–कप्पू लीटे जी।
मालक बणियै धुम्मा दा,
गिट्टू–पत्थर–ईंटे जी।
सच्चाई ऐ झूरा दी
हाकम हाक्खी मीटे जी।
मेटै कुण रोल नवीन
हर कोई ऐ फीटे जी?

ऋषिता
बी.ए. (अर्थशास्त्र)

पैसे दा उपयोग

तुसां सारेयां जो दो महान उपहार दितयो न। तुआड़ा दिमाग कने तुआड़ा टैम। ए तुहां दे हथे तुसां अपनिया मर्जिया ने इना दा इस्तेमाल करी सकदे। साड़े हथे च औणे आले पैसे ने सिर्फ सांजौ सै ताकत मिली जांदी जिसने असां आपणी तकदीर बणाई भी सकदे कने बगाड़ी भी सकते। अगर असा इस पैसे जो सिर्फ फर्ज़ निभाणे पर खर्चदे तां असां गरीब रैणे दा रास्ता चुणदे। अगर असां ईसी जो अपने दिमागे पर निवेश करदे कनै ऐ लैंदे कि कियां संपतियां जो बणाया जांदा ता असां अमीर बणने दा रास्ता चुणदे। ए सिर्फ असां कने असां ही सोचणा है कि असां हर रोज अमीर बणना चांदे, गरीब बणना चादे या मिडल क्लास। पैसे दा प्रयोग नशे च न करी कर किसी अच्छी जगह करने। और ए ज्ञान सैन्जो अपणे दोस्तां ने भी बडणां चाहिए।

अभिषेक
तीजा साल, (अर्थशास्त्र)

पहाड़ा रा जीणा

तुसां दा शहर असां छडी के आई गए,
आज बी असां जो बड़ी आद आऊंदी,
पहले पहाड़ा च बड़ी ठंड हुंआ थीं,
हुण एथि भी चटकदी धूप पांउदी।
पहले एथि घने–घने जंगल हुंआ था
पेड़ कटी के लोके बंजर कीतीयां जमीना
बर्फा री चादर अंगना च आउंदी थी,
हुण पौष लगां लगा जेडा ज्येष्ठा रा महीना।
पहले बड़े परिवार मिली जुली करी रहें थे,
हुण करदे सब बखरा–बखरा बसेरा
भटके राही जो कोई राह नहीं दस्दे,
उलझी रा जीवन सभीणी रा धनेरा।
पैल अमां सौगी नानू रे घरा जा थे,
हुण गाडिया मोटरा री होई गई भरमार
आना जाना रिश्तेदारियां कम होईंगा,
फौन च पुछदे अज सारे समाचार।
ऊना रे कोटा रा बड़ा था रिवाज
ताई पालदे थे भड़ा कने खाडू
दूरा तो बेटियां आंदी थी घरा पेउकी रे
मील्दे थे सारे साडू रे साडू।
पुरानी फसल, पुरानी गला, पुराने माणु खरा था पुराणा रिवाज, अज कोई ऐथा जो अंदा, कोई उथा जो जहां अपनी डफली कने अपना राग।

आदित्या खरोटिया
बी.ए. तीजा साल
मेजर भूगोल

।।मां बाप रा प्यार।।

मां बाप रा प्यार,
दुनियां रा अनमोल तोफा,
मेरे खातिर तिन्हा रे बिना अधूरा ये संसार,
मांरा आंचल कने बाप रा प्यार,
कदी तिन्हा री झिड़का कने कदी तिन्हा रा दुलार,
मां देदी मुशकिलां ने लड़ने री शक्ति,
बचपन बीतेया छावां च कने धुप पावे उस पार,
हर वक्त लगदा जिया गुलशन च बहार,
फिर जबानी च कठिनाइयों ने किया अहां पर वार,
लड़खड़ाये पैर मेरे पर संभाली गये,
मेरे ले था मां बाप रा प्यार,
मैं ये ही फरियाद करदी,
हे भगवान किसी रे भी मां बाप ना हो जुदा,
मां बाप हुंदे बच्चेयां री शक्ति,
कने मां बाप रे बिना अधूरी अहां री शक्ति
सारेयां जो नी मिलदा मां बाप रा प्यार,
मां बाप रा प्यार
दुनिया रा अनमोल तोफा।

अरूषी धीमान
बी.ए. तीजा साल
भूगोल

कोरोना

दुनिया दी आई कोरोना
बीमारी जुणिए
सारी दुनिया मारी
फैली गेई महामारी
सुनी–गलियां बाजार खाली
शड़का भी अस्सो खाली–खाली
म्हारे मिली–जुली रो करणा
ऐथे रा इलाज
मास्क पेहनों अगे रखो दूरी
तबे ई ओणा
सभी रा कल्याण
लाकडाउन रा पालण करां
ना लगाओ मजमा ना बैठां
एक साथ
साबुन से सेनीटाइजर रा
प्रयोग करे बार–बार
घरे ई रओ सबी झणे
ऐई अस्सां ऐथे रा सई इलाज
दयाड़े–राती कोरोना साई
करो लड़ाई
योद्धा बणो देशा रे वीर
सिपाही।

गुंजन
बी.ए. तीजा साल
अर्थशास्त्र

कांगड़े च सैरी दा त्योहार...

सैरी दा त्योहार कांगड़े ही नी बलकी असां दे पूरे परदेसे च मनाया जांणे वाला साले दा पहला त्योहार है। असविन महीने दे मसंते च सारे लोक भ्यागा दी त्यारी करना लगी पौंदे हन। पूजा तांई समान जईआं कि छल्ली, खट्टा काकड़ी, धाने दा बूटा, खोड़, बिल पत्तर फूल, ध्रुव बगैरा कठेरी करी बच्चे इस सारे समाने इक्की बोरिया च पाई करी अंगणे च बणयों मन्दरे च या फिरी फॅलां दे बगीचे च रखी दिन्दे हन। घरे दिआं जनांसा राती ही संचोलू बंणाई रखदिआं हन। जेकर कुसी ला कोई चीज व होएं ता ग्रांये च दूजे ते चीज मंगी करी समाने जो कठेरदे हन। संगरादी ध्याड़ी भ्यागा तड़के चार बजे अंगणे च रखयो पूजा दे समाने जो घरे अन्दर अणी करी पूजा दे कमरे च रखदे हन।

हुण ता समां बदलोआं है ग्रांय च पलहे ता तड़के घर–घर नाई जाई करी पूजा करान्दे, सैरी बन्दे फिरी उसजो चौल, पिसे दिन्ने।

सैरी जो लोक अपणियां ध्यांणी जो रोटियां ताईं सद्दे। जिन्हां दे नोए–नोए व्याह होयो हुंदे सह लाड़िआं काला महिना कटी करी सोरियां नै औंदिआ हन। सैरी ध्याड़ी छलियां, काकड़ियां, खोड़ां, चौलां जो नी खान्दे। गलांदे हन कि इस ध्याड़े इहां सारेयां दी पूजा किती जांदी है तां इन्हां जो नी खाणा चाहिदा।

सैरी दा त्योहार, खुशियां मनाणे दा सुख समरिद्धी दा कने अप्पू च मिली जुली करी रहणे दी सीख देंणे दा त्योहार है। इस त्योहारे जो असां जो मिली जुली करी मनांणा चाहिदा। जेड़ी असां दी ऐ कीमती संस्कृति जेडी लुप्त होआ करदी है उस जो संभाली रखने की जरूरत है।

अखिलेष ठाकुर
अर्थशास्त्र

सत्संगा रा महत्व...

एकी बारी मुनि वशिष्ठ ऋषि विश्वामित्र रे आश्रम में गोए तो तीनये इनो रा बहुत आदर कियां। जब वशिष्ठ जी लौटने लगे तो ऋषि विश्वामित्र तिनो से अपणे पूरे जीवना री तपस्या रा पुण्य फल उपहार मैंय दे दिया। संयोग ईशा बना के कुछ दिनों बाद ऋषि विश्वामित्र जी वशिष्ठ जी रे आश्रमा में इनो सई मिलने जाना पड़ा। वशिष्ठ ऋषियो इना रा बड़ा आदर सत्कार किया और जब विश्वामित्र लौटने लगे तो तिनों से अपने इकी दिनों रा सत्संग रा पुण्य फल उपहार मैंय दे दिया।

विश्वामित्र तैस समय तो कुछ नहीं बोला, लेकिन रास्ते मैंज से नाराज आएं गौए। उन्होंने मन ही मन सोचा, ऋषि वशिष्ठ ने मेरा अपमान किया आए।

कैई पूरे जीवन री तपस्या रा पुण्य फल और कहां एकी दिना रा सत्संग रा फल। वशिष्ठ जी सै जन यह बात पता चली। तो से विश्वामित्र जी सै शेषनाग काए लई गौए, जो आपने फना पोढे पृथ्वी रा बोझ उठाए हुए थे।

विश्वामित्र इन दे पूछा, महाराज, पूरे जीवना री तपस्या रा बल बड़ा असो कै इकी दिना रे सत्संग रा।

शेषनाग जी बोले, आप थोड़ी देर पृथ्वी रा बोझ उठाई री तो, देखो, आपको पता चल जाएगा। विश्वमित्र लाख कोशिश रे बाद भी ऐसा बोझा सै नहीं उठाई सका। जबकि मुनि वशिष्ठ जी ने एकी झटके मैय ये बोझ उठाई लौआ। शेषनाग जी खोले तपा री महता बहुत असो, लेकिन सत्संगा रा महत्व उससे भी अधिक असो। विश्वामित्र रा भ्रम दूर ओई गौआ।

नितिका
मुकदा साल
भूगोल

‘‘भागसू’’

2020-21

गद्दयाली विभाग

प्राध्यापक सम्पादक
गोविन्द सिंह
सहायक प्रोफेसर
(Physics)

छात्र सम्पादक
अमन राणा
बी.एस.सी. तृतीय वर्ष
(Physics)

विषय-अनुक्रमणिका

क्र. सं.	विषय	लेखक का नाम	पृष्ठ संख्या
1.	छात्र सम्पादक री तरफ थाऊँ	अमन	2
2.	सब फौजी सरहर पुर	मोनिका राणा	3
3.	गुरू का महत्व	साहिल शर्मा	3
4.	मम्मी आऊँ घरा जो ज़रूर इल्ला	उर्मिला	4
5.	देशे री बीमारी भूखे भ्रष्टाचारी	चमन लाल	5
6.	भरमौर रा रैहणा	आरती	5
7.	सुन्नी भूंकू-प्रेम री अक अमर गाथा	विशाल भारद्वाज	6
8.	गद्दी लोक ते संस्कृति	सूरज जरयाल	6
9.	सिखणै री गल्ल	कार्तिक	6
10.	गद्दी जनजाति रा अक लोकगीत	रोहित कपूर	7
11.	गद्दी पनाण	अक्षित	7
12.	इन्दै मणीमहेशा री यात्रा	अरसी ठाकुर	8
13.	कविता	गौरव	8

छात्र संपादक री तरफ थाऊँ

खरी किताबा इन्दी मित्र अतै मार्गदर्शक भूंदी हिन। अतै असियो जीवन मंज अच्छे कर्म करने अतै दुनिया जो अक सुदृढ़ ढंगा सोगी समझने री प्रेरणा दिंदी हिन।

भागसू पत्रिक री गदियाली बोली अनुभाग असियो गद्दी बोली रै बारे मंज अपने विचार रखने रा मौका दिंदी हा।

आऊं अमन तुंदा सबनी रा भागसू पत्रिका मंज अपने–अपने विचार दिणै ताये स्वागत करदा हा। ए अक बड़ा अच्छा मौका असी युवा ताये अपनी खत्म भुंदी संस्कृति, बोली जो बचाणे रा कजोकि असे सब युवा पश्चिमी सभ्यता रै चकरा मंज अपणे गादे लाण अतै बोली जो जाणी बूझी करी खत्म करू करदे पर विदेशी मणू इंदी इस भाषा अतै लाण (वेश–भूषा) री तरफ आकर्षित भुजू करदे हिन।

अंत मंज आऊ अमन गदियाली हिस्से रे अध्यापक संपादक प्रो. गोविंद सिंह जी दा धन्यवाद करदा हा जिये मिंजो इस योग्य समझू अतै अपने विचार रखने रा मौका दिता हा।

धन्यवाद।

अमन
बी.एसी. तृतीय वर्ष
(Physics Major)
Roll No. 1909103 / 2190310070

ll सब फौजी सरहर पुर ll

दुश्मना जो गोली रै निशाने पर लेई बैहुरा।
अपन जिन्दगी जी आंऊ मौता ऐ मुहाने पुर लैई बैहुरा।
दफन करी दिणियां हर कोशिश थऊँ दुश्फन–ए– हिन्दा री।
अपने देशा री दुआ रा आंऊ तुफान लेई बैहुरा।
हा मजाल कि अक इन्च भी लेई गच्छा कोई सरहद री,
आंऊ हिन्दुआ तै सौगी अपणा मुस्लमान भाई लेई बैहुरा
तु लेई गा जितणे निणे कही करी सर मेरे,
आंऊ शहादता तिएं अपणा कारवा लेई बैहुरा।
कैला मत समझदा जरा गौरा ते हेरे मेरे दुश्मना।
आंऊ सीने मा अपनी भारत माँ लेई बैहुरा।
फिरी मत करदा हिम्मत ऐरा हेरने दी।
अपणे पचूं आऊं पूरा हिन्दुस्तान लेई बैहुरा
दुश्मना जो गोली रै नशाने पुर लेई बैहुरा,
अपनी जिन्दगी जो मौता रे मुहाने पर लेई बैहुरा।
जय हिन्द

मोनिका राणा
वाणिज्य विभाग

गुरू रा महत्व

दोस्तो बोलदे न गुरू बिना ज्ञान नहीं, गुरू रा महत्व कदी भी कम न भूणा। असैं कतूणी भी उन्नति करी लैन पर अच्छे बुरे री पहचान असी जो गुरू रे बलावा कसी न दसणी। ''असी पले' शब्द भी कम वले गन्दे गुरू रा धन्यवाद करनै जो। आज असै जो भी वणी पाए न सब गुरू री कृपा थोंऊ ही भूची सकूँ हा। अगर सो सही गलत री पहचाण। कनै अपने लक्ष्य जो पाण ताई किया मेहनत करनी न दसदे। ता असी जो ए मुकाम हासिल न हुन्दा। त्यारी ज्ञान री ज्योत मज ही असै अपनी मंजिल जो पाई सके न। असे अपणे गुरू जो शत–शत नमन करदें न।

साहिल शर्मा
बी.ए. तृतीय वर्ष

मम्मी आऊँ घरा जो जरूर इल्ला

मम्मी अगर आऊँ जिन्दा रेऊ ता चली करी ईला नता तिरंगे मा लिपटी करी इल्ला।
आऊँ अपणे भारत देश रे दुश्मना जो निपटाई करी इल्ला मम्मी मेरा इंतजार करें आऊँ घरा जो जरूर इल्ला।
तुसी थाऊ पेले आँऊँ अपनी भारती मां जो अक वचन दी चुकरा
मेरी रगा मा बेन्दे खून रा अक–अक कतरा ही चुकरा।
अपनी मिट्टी तायें कटाई करि अपणा सर इल्ला मेरा इंतजार करे आऊं जरूर इल्ला।
मम्मी आऊं सरहद पुर तां कजो कि इन्दे देशे रे मणु सुख–शांति सोई सकन।
न ता कोई दुश्मन हून्दे देश मा इच्ची सका न ता कोई अपने जो खोई सका।
मेरे फौजी भाई मिंजो सलामी दिणियां अगर आऊं शहीद भुला।
पर मम्मी मेरा इंतजार करे आऊं घरा जो ज़रूर ईला।
मेरी बैणी जो बल्ले रखड़ी तौले भेजी बली दिए डैडी जो दवाई टाइम पर खाएं।
अते अपणी नूहां जो बल्ले अपणे मथे रा संदुरा मत पुंजदी आऊं अपने खूना ते तेरी मांग भरला।
मम्मी मेरा इंतजार करे आऊं घर जो ज़रूर इल्ला।
मिन्जो तिए मेरे कर्तव्य धाऊ ज्यादा कुछ भी छैल नियां।
मिन्जो कसी अवार्डा री भी ज़रूरत निया।
मेरे फौजी भाई थऊं जैडा कम अधूरा रैई छुरा
मम्मी तुन्दे पुत्रे शपथ लेऊरीया कि तैस कम्मा जो पूरी करी इल्ला।
मम्मी मेरा इंतजार करे आऊं घरा जो ज़रूर इल्ला।

जय–हिन्द

उर्मिला
बी.ए. तृतीय वर्ष
मेजर हिन्दी

देश री बीमारी भूखे भ्रष्टाचारी

ऐसा देशा री महामारी ऐ भूख भ्रष्टाचारी जसा व्याली मंज खादे ऐ छेद उती मज करदे लाल गरीबा दे पेटा मंज मारदे अपणा घर ऐ भरंदे इन्दे देशा री बीमारी ये धनवान भिखारी चुक्की कटोरा ए घर–घर चलदे। अल्लाह रे नाम मंज दिया वोट गाना इया जो अक इन्दा। इस देशा री बीमारी ऐ अवमूल्यों रै व्यापारी नीलामी देशा री जेरी इया दिणी जे चला इयारा हाव्या भारत मां जो करके शर्मिंदा कोख सारी ऐ जलाण इदे देशा री हे। बीमारी ऐ दानव अत्याचारी खून पीकर जनता रा अपणा राज ऐ चलान जे खाली रेई गऊ इयारा पेट, नरभक्षी बणी ऐ गंदे इंदे देशा री बीमारी हेरा इयारी गद्दारी धरती मां रा सोदा कर मां जो भी नोची ऐ खादे इन्दे देशा री बीमारी ऐ भुखे भ्रष्टाचारी।

चमन लाल
बी.ए. तृतीय वर्ष

भरमौर रा रैहणा

सुणा वो लोको इन्दै भरमौरा रा रौहणा,
ऐडी रैहंदी भाति जाति, त्यारा क्या कहैणा।
ऐडी रैहंदे इन्दै शिवाजी योगेश्वर भोले,
ताही ता ऐडिया रै मणु हिन सच्चे अतै भोलैं।

पैहले महीनँ जनवरी थऊँ लैई करी महीना मार्च,
ऐडी पैन्दी हा बडी ठंड अतैं हिन्दा बर्फ,
महीने अप्रैल मंज लगी पौन्दी हा थोड़ी आस,
अतै तैहणै लगी पैंदी हा फाटा मंज हरी घास।

जून अतै जुलाई मंज न रैंहदी असियों ठंडक
तैणे दडणी भुंदी हा असू जौ अतै कनक
तैहणे ही करी लैदें उसे अपणी बगड़ी रा राह
तैहणे बंदे हिन असै बगड़ी मंज छल्ली (मक्का) अतै राजमाह।

अगस्त सितंबर मंज न रैहन्दे असै कैले
तहणे लगदे इन्दे भरमौर मंज शिवजी रै मेले
फिरी चली इन्दा महीना सितंबर, अक्तूबर तै
नवम्बर, तै फिरी चली इन्दा छल्ली राजमाह पूर्णे रा नम्बर।

नवम्बर मंज बाई दीणै आसू फिरी जौ ते कणक,
लगी रैहणी हा खेता मंजा बड़ी रौनक।
सैरी बाद इन्दे शिव भोले चली इन्दै, जांदरा जो,
तै छड्डी इन्दै तड़ी अपणे भक्ता अतै कैलाशा जो

अहै भी अपणै भोले रा ना लैंदे रेहन्दे
तै बड़ी खुशी सिते अपणा जीणा जिन्दे रैहन्दे।

आरती
बी.ए. द्वितीय वर्ष
(Major Sociology)

''सुन्नी भूंकू-प्रेम री अक अमर गाथा।''

सुन्नी भूंकू री अमर प्रेम कहानी गद्दी लोक मानस अंदर विख्यात हा। भूंकू हिमाचल रे चम्बा जिले रे भरमौर रा रेहणे वाला थू। शिव भूमि भरमौर पीर पंजाल ते धौलाधार रे बीच अंदर घसुरा अक छैल नगर हा। भूंकू अक गद्दी पुहाल थू। गद्दी पुहाल भैड़ा–बकरि लैई करी लाहौल गंदे रैहंदे। भूंकू भी अपणी भैड़ा बकरी लैई करी लाहौल रैहदा था।

अक रोज भूंकू राशन लैइणा अकी ग्रां जो गो तेडी तिसेरी मुलाकात लौहली छैल युवती सुन्नी सौगी भुई। पहली मुलाकात अंदर ही दोनों जो अकि दूजे कणे प्रेम भुई गो। भूंकू प्यार अंदर सब कुछ भुली गो, गांव, देस, अपनी भैड़ा बकरी सब। 6 महीने बिति गे। काति रा महीना चली आ सैर चली आई। 6 महीने बाद तेसो चेता आ कि मेरा भेंड़ा बकरी कडी हिन मेरी कंडी कुत्ती करा गई।

हैईरा कंडी रित भूंकूआ काति या म्हीना हो। सुन्नी भलदी जे तेरी भहैड़ा बकरी भटियात पुजी गहुरि हिन। भूकू डरी गंध, काति महीना लगी पैऊ। जोता हिऊँ पैणा तिनी घरो कि गाणा। सुन्नी बलदी कि तु डरे मत। जोत लांघणे जो तेरी सौगी मुणु भैजी दैली कने अपणा भाई भेजी दैल्ली। भूंकू रे विदा भूणे रा टाईम चली आ सुन्नी जो फिरी दोबारा वापस इणै रा वादा करी कने से चली गो।

सर्दी बिति गई दोबारा गर्मी चली आई। गद्दी भिरी लौहल लगे ईणा। सुन्नी भूंकू रे इंतजार अंदर खड़ी भुई गंदी तै सबनी थौ भूंकू रे बारे अंदर पुछदी। अक गद्दी मजाक अंदर बलदा कि ''होर ता सब राजी बाजि भूंकू गददी मुआ हो''। ए हुणि करि सुन्नी भरी गंदी।।

कुछ टैम बाद भूंकू लाहौल पुजदा तै सुन्नी दे बारे अंदर पुछदा। लोक बलदे कि सुन्नी भूंकू रै इंतजार ते वियोग अंदर मरी गई।

''होर ता मणु राजी बाजी सुन्नी भोटली मुई हो।

ए हुणि करि भूंकू बस तेथिए ढेर भुई गो। प्रेम वियोग अंदर भूंकू मौत भुई गंदी। इस तरह प्रेम वियोग अंदर दोनों री मौत भोई गंदी।

अज भी गर्मी अंदर गद्दी लाहुल घाटी जो गंधे जोत लांघदे टेम हर गद्दी भूंकू लगदा। क्या कोई सुन्नी अज भी तेसो मुलदी भोली .....?

विशाल भारद्वाज
बी.एस.सी.तृतीय वर्ष
(Maths)

गद्दी लोक ते संस्कृति

गद्दी जनजाति हिमाचल प्रदेश दे पहाड़ी इलाके मंज बसने वाली जनजाति हा। गद्दी लोक सदियों थऊँ इना ठाहरी रेहदें न। भौगोलिक दृष्टि थऊँ ऐ ठाहरी दुर्गम न। गद्दी लोग कृषक, पशुपालक लोग न । जे भेड़ा बकरी, चारदे न। गर्मी मंझ धारा/जोता पुर चली गांदे वे ठंडी मंझ मैदानी इलाके हरा चली गांदे। संस्कृति री नजरा थऊँ अईंदी संस्कृति बड़ी समृद्ध ते बड़ी पुरानी हा। गद्दी लोका रा रहना, सहना, रीति रिवाज वेशभूषा त्यौहार संस्कृति रा अभिन्न अंग न। त्यौहारे रा सिधा संबंध प्रकृति रे बदलाव सऊगे हा। गद्दी लोक हरेक नई ऋतु कने फसल दे आने कने पकणे पुर त्यौहार मनादे ना। समय–समय पुर जातरा/मेले बी मनांदे जोकि किसी देवी देवते जु समर्पित हुंदे। मणिमहेश यातरा मिंजर मेला इटेरे उदाहरण न। भौगोलिक स्थिति खराब हुणे री वजह कने मिलने जुलने, मनोरंजन दे ऐही साधन न। गद्दी संस्कृति रे त्यौहार मंझ ढोलरू बसोआ, पतरोड़ू, श्राद्ध, लोहड़ी, शिवरात्रि, होली प्रमुख न। गद्दी लोक मुख्यतः शिवजी री पूजा करदे न जेकि 'नुआला' दे रूप मंज हा।

गद्दियाली लोकगीत, कने नाटी इस संस्कृति जु चार चांद लांदे न। फुलमू रांझू, सुन्नी–भुक्खु, नौखू गदद्ण, कुंजू चैंचलो प्रसिद्ध लोकगीत हन।

गद्दी लोका री वेषभूषा बहुत ही विशिष्ट हा।

मड़द (पुरुष चोला, डोरा कुरता, सुथण, टोपी, साफा लांदे जोकि भेड़ा रे ऊना री बड़ूरी हूंदी। स्त्री रे वेशभूषा आभूषण मंझ, मान टिक्का, झुक्के, बालू, टिका, लौंग, डीडमाला, टोके लुआंचड़ी इत्यादि शामिल न। भेड़पालन थाऊँ प्राप्त ऊन बड़े कमा अईदी। जिटेरी कपड़े, कोट चादरा हिऊँदा री ठंड थऊँ बचांदे न। गद्दी संस्कृति बहुत पुरातन संस्कृति है। सरकार भी समय–समय पुर इटेरे संवर्धन/ संरक्षण वास्ते कदम उठांदी हा। मुजु गर्व हा कि अऊँ ऐसा संस्कृति थऊँ संबंधित हा। असू सारे जू ऐसा संस्कृति जू बहुत अगू लई करी गाणा चाहिंदा। कने इसारा जीवंत वास्ते प्रयासरत रहणा चंहिदा।

सूरज जरयाल
बी.एस.सी. तृतीय वर्ष

सिखणै री गल्ला

ज्ञान सभी थऊँ बड्डा धन हा अप्पू थऊँ पुच्छा कि अऊँ धनवान हा?
असियो सरल रैहणा चाहिन्दा मूर्ख न।
याद रखना चाहिन्दा कि माँ–बाप रै आचरण थऊँ बच्चे सिखन्दै।
दपर्ण मज अच्छी शक्ल हुंजदी हा अच्छा चरित्र नहीं।
अपणी जरूरता ताई धन इकट्ठा करना खरी गल हा पर धन दौलत रा लालच भूणा गल नीया।
ये याद रखा की जिन्दगी जो इस तरह जिया कि जैहणे जिंदगी रै थोड़े पल रैण ता अपनी जिन्दगी जो याद करी–करी खुशी भुआ ना कि अफसोस।

कार्तिक
बी.एस.सी.अन्तिम वर्ष
Physics Major

गद्दी जनजाति रा अक लोकगीत

गद्दी लोक परम्परा रे अनुसार वर्षा ऋतु मंज गद्दी जनानी अक बड़ा छैल गाणा (धारा नगारा जिंदो) गाणे री परम्परा अज भी हा। बरखा री रिमझिम किणी जैणे युवती रै शरीर ऊपर पैंदी ता तियांरे नैण भी पाणी सै बरसदै हुए अपणै मन रै भाव व्यक्त करदी हिंन जटेरै कुछ बोल ईंहा करै हिन।

पखली ठारी बो जिन्दें।
पखले माणु ओ!
मन कियां करी लाणा
कियां करी हो!!
सांझ भुई बो जिन्दे,
नैहरा भुआ हो,
छाई जी न बो बारे, जी न बो बारे।
चले दिलां जलिया!
चले मना हो
धारा री कनारी चले
धारा री कनारी हो।
गाठ भुंदी मेरीये जिन्दे
कोठी देसा रे ईयैं हो।
खोदलै नाले ईंयैं
खोदले नाले हो जिन्दे
धारा री घुघी बोजिन्दे
भट्टी रा उल्लू हो।
दोयो गलड़ी आये
दोयो गलड़ी हो
दुख भुआ मेरिये
भेद लांदे तेरे
गमा रै के लाज तेरै
गमा रा हो !!!

रोहित कपूर
बी.एससी. तृतीय वर्ष
(Physics Major)

गद्दी पनाण

- गठी न गोटा तै लौंगा रै डकार
  खींदा रै साफे ते छींजा जो त्यार।
- सियाणे कुनी मकाए तै
  नियाणे कुनी ज्याए।
- सियाणे रा कणैऊरा,
  तै आंबले रा खऊरा,
  टेरा पिचा थूं हुन्दा स्वाद।
- लाईक भुंदा ना सो
  गुदड़ा जो भी पछैणी गंदा।
- मुहै पिचो धुआडै थोड़ी फूकी दिन्दै।
- जिआ कै सुथणु सियाणें तिआं नाड़ै
  जो ठार थैउरी भुंदी आ।
- चोरा री मां गुलसुईटूए रूंदी।
- लट्टी लगी रसोई
  ठारा सारें बाली।
- बकरी बलदी मेरा–मेरा
  छल्लू बलदा आऊं कधोका तेरा।
- जिऐं मा–बुड़ै सताए
  तिएं उमरी जो दुःख पाए।

अक्षित
बी.एस.सी. तृतीय वर्ष
(Phy. Major)

इन्दै मणीमहेशा री यात्रा

जै तुसू, मणिमहेश री यात्रा जो गाणा,
ता पहले ता तुसू चम्बे रे चौगाणा पूजी गाणा।
तड़ी थाऊँ तुसू भरमौर जो चली गाणा,
ते बड़ी भक्ती सिते भोले रा ना लैंदे रैणा।
खडामुख थऊँ थोडी दूर भूणा तुन्दा आकर्षण
तडी थऊँ भूणे तुसियो कैलाशा रै पहले दर्शन।
फिरी तुसू चौरासी मन्दिर (भरमौर) पुजी गाणा,
फिरी तुसू माता भरमाणी रै दर्शना जो चली गाणा।
तै जोर सितै भोले रा जयकारा गाई लैणा,
फिरी ना रखणी दिला अपने मंज कोई बुराई।
तड़ी थऊँ शुरू भुन्दी हा 13 कि.मी. री चढ़ाई,
हडसर धऊँ 4 कि.मी. ऊपर हा धणछो नाला,
तड़ी लगूरे भुन्दे लंगर अते भण्डारा।
थोड़ी दूर इन्दा शिवा रा घराट,
तड़ी मणू करंदे दूर अपनी प्यासा।
कुछ ही दूर इन्दी हा जगह सुन्दरासी,
तड़ी गिचची करी भुची गन्दी दूर सब उदासी।
भोले रै पहाड़ा मंज छाई रैहन्दी घणी–2 धूरी,
ताई तां मणीमहेश गिचची करी आसा भुन्दी पूरी।
फिरी गौरी कुंड थऊँ तुसू डला जो चली गाणा,
तै भोले रा जयकारा जोर सिते बलदें रैणा।
फिरी तड़ी नेही करी धूप दी लैणा,
जे तड़ी कैलाश पर्वत री हटी धूरी,
ता समझणा कि तुन्दी यात्रा भुई पूरी।

अरसी ठाकुर
बी.एस.सी. दूसरा साल
(जीव विज्ञान)

कविता

कविता सो हा जो
कल्पना अते वास्तविकता रे बीचा मंज
रिक्त स्थाना जो पूरा करदी हा।
और इस निराशा भरे जीवना हों,
अंधकारा जो दूर करदी हा।

सूरजा री रोशनी अंधकारा जो दूर भगंदी हा।
अपणी कविता दीए री रोशनी हा,
जो अंधकारा मंज भी उजाला लइंदी हा।

कविता इस दिला रा मर्म हा,
कविता इस कवि रा धर्म हा।
कविता इस कवि री जात हा,
कविता इस दिला होऊ निकल्रै जज्बात हा।

कविता अक आग हा,
जो इतियां ना जल सो राख हा।
जसेरै हथा मां कलम ना भोआ,
सेरी जिन्दगी ही खाख हा।

गौरव
तृतीय वर्ष
Physics Major

Fit India
(24 August-2 October 2020)

Fit India Movement is Nation wide Movement in India. It was launched by Prime Minister of India Narendra Modi on 29th August 2019 (National Sports Day). The concept of this FIT INDIA Movement was fully followed by our NCC Cadets in their daily lives and during this COVID-19 pandemic also. The youth has power to mobilize for any purpose. Our NCC youth used this power to make this Fit India Movement itself successful in doing various physical activities like yoga, running, jogging etc. with their families in their homes and also encourage people to remain healthy and fit by including physical activities and sports in their daily lives. Because when we are physically fit we will be able to lead a happy life. It has been said "Health is a real Wealth".

Star Performers

SANJAY KUMAR
(Maths Major)
BSc III First in HPU
Session 2021
Roll no. : 2180310454

VISHA THAPA
(Psychology Major)
Major Rank Holder in HPU
Roll no. 1180310829
Session 2021

College Advisory : 2020-21

From Left to Right

Prof. Ajay Katoch, Prof. Rajneesh Diwan, Dr. Meenakshi Dutta, Principal Dr. Rajesh Sharma, Prof. Arvind Kumar, Dr. Janesh Joshi, Prof. Amrish Ghai